राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 12
अंक : 50
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
रविवार 04 सितंबर 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

पेज 3 नए मोटर वाहन कानून में किए गए संशोधन पर आवश्यक प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से गौतमबुद्धनगर में हुआ वर्कशॉप का आयोजन

पेज 5 फेसबुक पर हिंदू बनकर युवती से की दोस्ती, जन्मदिन के बहाने घर बुलाकर किया दुष्कर्म

पेज 7 बाढ़ग्रस्त बलूचिस्तान ने पाक सरकार के 10 अरब रुपए का अनुदान ठुकराया, कहा- तबाही की तुलना में कुछ भी नहीं

लव जिहाद के खिलाफ प्रदर्शन

डीसा में 11 हिंदू संगठन सड़कों पर उतरे, भीड़ काबू करने के लिए पुलिस ने बरसाईं लाठियां

एजेंसी

बनासकांठा। गुजरात में बनासकांठा जिले के डीसा शहर में शनिवार को 11 हिंदू संगठनों ने लव जिहाद के खिलाफ रैली निकाली। जिसमें 15 हजार से अधिक लोग शामिल हुए। जैसे ही रैली हीरा बाजार पहुंची तो भीड़ बेकाबू हो गई। उसे कंट्रोल करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। इसमें कुछ लोगों को चोटें आई हैं। इलाके में तनाव को देखते हुए शहर में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

लड़की का धर्म बदलवाया, पिता ने जहर खाया

हिंदू संगठनों का आरोप है कि बीते दिनों डीसा तहसील के मालगढ़ गांव में लव जिहाद के कारण ही एक लड़की के पिता ने जहर खाकर जान देने की कोशिश की। लड़की के चाचा ने बताया कि उनकी भतीजी को पड़ोस में रहने वाले एजाज ने प्रेमजाल में फंसाया और घर से भगाकर ले गया। उसका धर्म भी बदलवा दिया। लड़की की मां बेटी को तलाशते हुए वहां पहुंची तो उसे भी कैद कर लिया। इसके बाद एजाज के परिवार वालों ने मां-बेटी की रिहाई के बदले 25 लाख रुपए की मांग की। इससे परेशान होकर लड़की के पिता ने जहर खा लिया।

उनका एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। हिंदू संगठनों की मांग है कि पुलिस लव जिहाद के मामलों में सख्त कार्रवाई करे।

बीजेपी विधायक ने दी परिणाम भुगतने की चेतावनी

रैली के बाद डीसा के बीजेपी विधायक शक्तिकांत पंड्या ने मीडिया से बातचीत में कहा कि ये तो सिर्फ अंगड़ाई है, आगे और लड़ाई है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि मुस्लिम लड़के हिंदू लड़कियों को बहला-फुसलाकर मतांतरण की ओर न ले जाएं, वरना उन्हें इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। मैं उन लड़कों बड़े बुजुर्गों को भी चेतावनी देता हूं कि वे इस मामले में चुप्पी साधने की बजाय अपने बच्चों को समझाएं।

परिवार के चारों सदस्य हिरासत में

पुलिस ने इस मामले में एजाज, उसके भाई और माता-पिता को हिरासत में लिया लिया है। पुलिस ने इनके खिलाफ आपराधिक धमकी, जबरन वसूली तथा आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया है। मामले की जांच जारी है।

कोविड टीकाकरण में 213 करोड़ से अधिक टीके लगे

नयी दिल्ली। देश भर में राष्ट्रीय कोविड टीकाकरण अभियान के अंतर्गत 213 करोड़ से अधिक कोविड टीके लगाए गए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने शनिवार को यहां बताया कि आज सुबह सात बजे तक दो अरब 13 करोड़ एक लाख 7 हजार 236 टीके दिये जा चुके हैं। मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में कोविड संक्रमण के 7219 नये मरीज सामने आये हैं। इनके साथ ही देश में कोरोना रोगियों की संख्या 56 हजार 745 रह गयी है। यह संक्रमित मामलों का 0.13 प्रतिशत है। दैनिक संक्रमण दर 1.98 प्रतिशत हो गयी है। मंत्रालय ने बताया कि इसी अवधि में 9851 लोग कोविड से मुक्त हुए हैं। अभी तक कुल 4 करोड़ 38 लाख 65 हजार 16 रोगी कोविड से उबर चुके हैं। स्वस्थ होने की दर 98.68 प्रतिशत है। देश में पिछले 24 घंटे में 3 लाख 64 हज़ार 886 कोविड परीक्षण किए गये हैं।

अमृतसर के अस्पताल से आतंकी फरार

एजेंसी

अमृतसर। पंजाब के अमृतसर में मेंटल अस्पताल से शनिवार को आतंकी आशीष मसीह पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। उसे 9 महीने पहले गुरदासपुर के दीना नगर में मिले RDX और हैंड ग्रेनेड के मामले में पकड़ा गया था। पुलिस उसकी तलाश में जुट गई है।

जानकारी के अनुसार, आशीष गुरदासपुर जेल में बंद था। बीती 28 अगस्त को मानसिक परेशान होना बताकर वह अमृतसर के मेंटल अस्पताल में इलाज के लिए पहुंचा था। उसके साथ तीन जेल कर्मियों की भी ड्यूटी लगाई गई, लेकिन शनिवार दोपहर तकरीबन 2:30 बजे के करीब मसीह पुलिस वालों को शौचालय का बहाना लगा कर भागने में कामयाब हो गया। अमृतसर के मजीठा रोड थाने ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज करके उसकी तलाश शुरू कर दी है।

देशद्रोह के मुकदमे हैं दर्ज

गुरदासपुर पुलिस का कहना है कि आशीष एक शातिर अपराधी है। उस पर गुरदासपुर और नवां शहर के थानों में कुल 8 मुकदमे दर्ज हैं। जिनमें एक्सप्लोसिव एक्ट के अंतर्गत भी मामले दर्ज किए गए हैं। दीना नगर में मिले आरडीएक्स और हैंड ग्रेनेड मामले में इसका भी नाम सामने आया था। अमृतसर पुलिस इलाके व आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के जरिए उसे ट्रेस करने की कोशिश में जुट गई है।

हरियाणा : 'एमडीयू' में चली गोलियां

हरियाणा पुलिस के जवान समेत 4 घायल, पैसों के लेन-देन में एक पक्ष ने की फायरिंग

रोहतक। हरियाणा के रोहतक के महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में शनिवार शाम को पैसों के लेन-देन को लेकर दो पक्षों में गोलियां चलीं। इसमें एक पक्ष के हरियाणा पुलिस के जवान, छात्र नेता सहित चार लोग गोली लगने से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए रोहतक पीजीआई में लाया गया। जहां से उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

घायलों में हरियाणा पुलिस का जवान गांव आसन निवासी कुलदीप, छात्र नेता एवं पीएचडी छात्र गांव आसन निवासी सुशील हुड्डा उर्फ छोटा, गांव दुबलधन निवासी विदित व गांव खेड़ी आसरा निवासी हर्ष शामिल हैं। वारदात से करीब एक घंटे पहले एमडीयू में राज्यपाल का कार्यक्रम था। हरियाणा के राज्यपाल एवं महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय फैकल्टी डेवलपमेंट सेंटर (एफडीसी) का उद्घाटन करने पहुंचे थे। जिसके चलते काफी पुलिस फोर्स को भी एमडीयू में तैनात किया गया था। इसके बावजूद भी यह वारदात हो गई।

गांव रिठाल निवासी विजय ने बताया कि वह रोहतक में कोचिंग एकेडमी चलाता है। उसने करीब 6 लाख 40 हजार रुपए दीपक नामक युवक को दे रखे थे। शनिवार शाम करीब साढ़े 4 बजे उसका फोन आया और पैसों का हिसाब करने के लिए बुलाया। जिसके बाद वह भी अपने दोस्तों के साथ एमडीयू में पहुंच गया। वहीं आरोपी युवक भी अपने साथियों के साथ एमडीयू में पहुंच गया।

विजय ने आरोप लगाया कि आरोपी युवक ने कहा कि वह 2 लाख रुपए ही देगा। जिस पर विजय ने कहा कि उसने 6 लाख 40 हजार रुपए लेने हैं। अगर पारिवारिक स्थिति कमजोर है तो मैं दो लाख छोड़ देता हूं, लेकिन 4 लाख 40 हजार रुपए तो देने होंगे। आरोपी युवक ने दो लाख रुपए ही देने की बात कही।

'तुम लोग छोटी जाति के हो, तुम्हारे ऊपर थूकना चाहिए'

जौनपुर में टीचर ने छात्राओं को बोले अपशब्द; कहा- घास छीलने की औकात है तुम्हारी

एजेंसी

जौनपुर। जौनपुर के सरकारी स्कूल में टीचर के छात्राओं को जाति सूचक शब्द बोलने और गाली देने का मामला सामने आया है। छात्राओं का आरोप है, टीचर कहते हैं कि तुम लोग छोटी जाति के हो, तुम्हारे ऊपर थूकना चाहिए। तुम लोगों की औकात है कि मेरे घर के पीछे घास छीलो।

तीन दिन पहले इसको लेकर छात्राओं के परिजनों ने हंगामा किया था। पुलिस ने समझा-बुझाकर मामला शांत करा दिया था, लेकिन कोई तहरीर न मिलने पर पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की थी। शुक्रवार को मामले के तूल पकड़ने पर आरोपी टीचर और प्रिंसिपल पर मुकदमा दर्ज कर किया गया।

स्कूल की प्रिंसिपल कुसुम तिवारी और आरोपी टीचर सभाजीत

कक्षा 6 में पढ़ने वाली छात्राओं ने लगाए आरोप

चंदवक थाना क्षेत्र के कसिली कैलाशपुर डोभी में ज्ञानदायिनी पूर्व माध्यमिक विद्यालय है। यहां के छात्रों ने टीचर सभाजीत पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कक्षा 6 में पढ़ने वाली छात्रा सुरभि ने बताया, सभाजीत सर छोटी जाति का कहकर बुलाते हैं। कहते हैं कि जिस तरह नाली साफ करने के बावजूद नाली साफ नहीं होती, वैसे ही तुम लोगों की जाति है। वह पहले भी कई बार इस तरह की बातें बोल चुके हैं। छात्रा श्रेया कुमारी ने बताया, सर कहते हैं कि छोटी जाति की औकात है, वह उनके घर के पीछे आकर घास छीलें। छात्रा आंचल बताती हैं, सर कहते हैं कि तुम लोग कभी नहीं सुधरोगे। नाली के कीड़े जैसी तुम लोगों की जाति है। इतना ही नहीं, छात्राओं का आरोप है कि टीचर कहते हैं कि मोबाइल लेने के बाद लड़कियां अश्लील काम करेंगी।

पुलिस ने एससी-एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया

सीओ केराकत गौरव शर्मा ने बताया कि परिजनों की तहरीर पर शुक्रवार को एससी-एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया था। मामले की जांच की जा रही है। सभी तथ्यों पर छानबीन की जा रही है। छात्राओं के बयान को भी रिकॉर्ड कराया जाएगा। इसके बाद कार्रवाई की जाएगी।

प्रिंसिपल बोलीं- टीचर से बात की जाएगी

स्कूल की प्रिंसिपल कुसुम तिवारी ने बताया कि कुछ महिलाओं ने टीचर पर आरोप लगाकर हंगामा किया। टीचर से बात कर मामले का पता लगाया जाएगा। वहीं, आरोपी टीचर सभाजीत ने बताया कि वह ऐसी बात कर ही नहीं सकते हैं। छात्राओं के आरोप निराधार हैं। उन्होंने कहा कि वह शिक्षक धर्म का पालन करते हैं।

दुमका में फिर वारदात : नाबालिग आदिवासी से रेप, प्रेग्नेंट हुई तो मार डाला

मर्डर सुसाइड लगे इसलिए पेड़ से लटकाया

एजेंसी

रांची। झारखंड के दुमका में एक और लड़की की शनिवार को हत्या कर दी गई। आरोपी काफी समय से लड़की का रेप कर रहा था। जब वह प्रेग्नेंट हुई तो गला दबाकर मार डाला। हत्या सुसाइड लगे इसलिए शव को पेड़ से टांग दिया। लड़की आदिवासी है। आरोपी अरमान अंसारी है। लड़की से रेप और हत्या मामले में बीजेपी ने राज्य सरकार को घेरा है। इसके पहले दुमका में ही 23 अगस्त को 12वीं की छात्रा पर पेट्रोल छिड़ककर शाहरुख हुसैन ने जलाकर उसकी हत्या कर दी थी ।मामला जिले के यूनिवर्सिटी ओपी क्षेत्र के श्रीअमड़ा गांव का है। पोस्टमॉर्टम के बाद पता चला कि

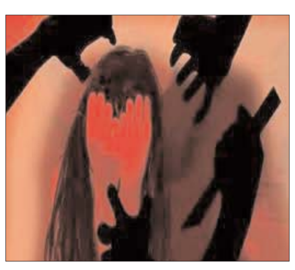

लड़की की हत्या हुई है। पुलिस ने इस मामले में आरोपी अरमान को गिरफ्तार किया है। वह पेशे से राज मिस्त्री है। उससे पूछताछ की जा रही है। उसे कल कोर्ट में पेश किया जाएगा। दो समुदाय का मामला होने की वजह से पुलिस इस मामले में ज्यादा कुछ नहीं बता रही है।

पोस्टमॉर्टम से पता चला कि प्रेग्नेंट है

पोस्टमार्टम में यह बात भी सामने निकलकर सामने आई कि नाबालिग गर्भवती थी। उसकी उम्र 14 साल है। वह मजदूरी करती थी। काम के दौरान ही अरमान ने उसे निशाना बनाया। वह लगातार उसका शोषण करता रहा। जब वह प्रेग्नेंट हो गई तो हत्या कर दी।

दुमका के डीआईजी सुदर्शन प्रसाद मंडल ने बताया कि आरोपी पर आईपीसी की धारा 376 , 302 और पॉक्सो एक्ट की धारा लगाई गई है। उससे पूछताछ की जा रही है, लेकिन अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि उसने हत्या क्यों की ?

पाकिस्तान भेज रहा था देश की गोपनीय जानकारी, मदरसा शिक्षक गिरफ्तार

जम्मू। आतंकी गतिविधियों में संलिप्त पाकिस्तान स्थित अपने आकाओं को कथित तौर पर भारत की गोपनीय जानकारी देने के आरोप में जम्मू-कश्मीर में एक मदरसा शिक्षक को गिरफ्तार किया गया है। मदरसा शिक्षक किश्तवाड़ जिले का रहने वाला है। पुलिस ने बताया है कि मदरसा का शिक्षक दुश्मन के एजेंट के रूप में काम कर रहा था। उसके खिलाफ दुश्मन एजेंसी अध्यादेश कानून के प्रावधान तीन के तहत केस दर्ज किया गया है।

मुखबिरों से मिली सूचना के आधार पर 11 राष्ट्रीय राइफल और पुलिस ने संयुक्त रूप से चेर्गो दूल निवासी अब्दुल वाहिद गुज्जर को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी के एजेंट के रूप में काम करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा जारी बयान के अनुसार, वह विभिन्न पुलिस प्रतिष्ठानों और सुरक्षा बलों की गोपनीय जानकारी विभिन्न सोशल मीडिया मंचों

के माध्यम से पाकिस्तान स्थित आका को मुहैया किया करता था।

अपनी पत्नी और बेटे के साथ रहता था

अधिकारियों ने बताया कि वाहिद दादपेठ गांव के मदरसे में अपनी पत्नी और सात महीने के बेटे के साथ रहता था और अध्यापन कर रहा था। अधिकारियों ने उसकी गिरफ्तारी को बड़ी सफलता करार देते हुए कहा कि शुरू में सैन्य खुफिया इकाई ने एक संदिग्ध की मौजूदगी के बारे में जानकारी जुटाई थी, जो पाकिस्तान को संवेदनशील जानकारियां भेज रहा था।

वीडियो और तस्वीरें साझा करने की बात स्वीकारी

अधिकारियों ने बताया कि पुलिस, सैन्य खुफिया इकाई और राज्य जांच एजेंसी की संयुक्त पूछताछ के दौरान, वाहिद ने दिसंबर 2020 से ही आतंकी समूह कश्मीर जांबाज फोर्स (केजेएफ) के लिए काम करने और सुरक्षा प्रतिष्ठानों के वीडियो और तस्वीरें साझा करने की बात स्वीकार की।

सोशल मीडिया के जरिए था जुड़ा

वाहिद का आतंकवाद की ओर झुकाव था और वह सोशल मीडिया पर स्वयंभू केजेएफ कमांडर तैयब फारूकी उर्फ उमर खताब के संपर्क में आया था। उन्होंने कहा कि वह खुद को सक्रिय आतंकवादी बताता था और इसके अलावा ऑनलाइन समूह का सक्रिय सदस्य बन गया था।

देश में असम के बाद बुजुर्गों के लिए सबसे सुरक्षित राज्य है उत्तराखंड

देहरादून। हिमालय की पर्वत कंदराओं में स्थित उत्तराखंड राज्य अपनी प्राकृतिक सुंदरता और देवताओं की भूमि के रूप में भारत ही नहीं, सम्पूर्ण विश्व में विख्यात है। साथ ही, यहाँ के लोग हमेशा दूसरों की मदद को सदैव तत्पर रहते हैं। यही कारण है कि यहाँ विशेषकर, बुजुर्गों (सीनियर सिटीजन) के लिये हमेशा सुरक्षित वातावरण रहा है। यही कारण है कि राष्ट्रीय अपराध शोध संस्थान (एनसीआरबी) की रिपोर्ट में इस बार भी, इसे देश में असम के बाद, बुजुर्गों के लिये सबसे सुरक्षित राज्य घोषित किया गया है।

एनसीआरबी की क्राइम इन इंडिया 2021 रिपोर्ट के अनुसार, उत्तराखंड सीनियर सिटीजन के लिए एक सुरक्षित राज्य है। उत्तराखण्ड 0.8 से कम अपराध दर के साथ श्रेणी में असम के बाद दूसरा सुरक्षित राज्य है। रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2021 में राज्य में वरिष्ठ नागरिकों के साथ हुए अपराधों के कुल सात मामले दर्ज हुए। इस सम्बन्ध में राष्ट्रीय औसत 24.5 है।

राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी)अशोक कुमार ने शनिवार को बताया कि सीनियर सिटीजन के जीवन एवं सम्पत्ति की सुरक्षा के लिए उत्तराखण्ड पुलिस कटिबद्ध है। उन्होंने बताया कि समस्त जनपद प्रभारियों को सीनियर सिटीजन की सुरक्षा एवं उनके अधिकारों को संरक्षित किये जाने हेतु निर्देशित किया है कि वे उनकी हर समस्या का पता चलते ही, उसे दूर करने की हरसम्भव कोशिश करें।

उल्लेखनीय है कि राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) में नियुक्त तत्कालीन सेनानायक (कमांडेंट) भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी नवनीत सिंह भुल्लर ने अपने अधीनस्थ के सहयोग से कोविड संक्रमण काल में राज्य के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में पहाड़ों पर अकेले रहने वाले बुजुर्गों के लिये दवाये, ऑक्सीजन सिलेंडर, घरेलू सामान तक मुहैया कराए थे। साथ ही, उनकी जीवन सुरक्षा के लिये हरसम्भव कार्य किये थे।

अयोध्या के महंत राजू दास का विवादित बयान

अंकिता के हत्यारे को जिंदा जलाने वाले को देंगे 11 लाख का इनाम

अयोध्या। हनुमानगढ़ी के महंत राजूदास ने एक बार फिर से विवादित बयान दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर कहा है कि जो भी मित्र झारखंड की बेटी अंकिता के हत्यारे शाहरुख को पेट्रोल डालकर जलाएगा उसको मेरी तरफ से 11 लाख रुपए का इनाम दिया जाएगा।

पूरा खेल खौफ फैलाने का है : राजू दास

राजू दास ने कहा कि शाहरुख एक पढ़ी लिखी लड़की पर निकाह का दवाब बना रहा था। अंकिता जाहिल से विवाह का प्रस्ताव क्यों स्वीकार करती, सो मना कर दिया। शाहरुख ने फिर मुगलिया सोच का परिचय दिया और घर में घुसकर, पेट्रोल डालकर अंकिता को जला दिया। पूरा खेल खौफ फैलाने का है। वह यह भी जानता है कि उसके मुद्दे पर न कोई नेता विरोध करेगा, न किसी टीवी चैनल पर डिबेट होगा।

आरोपी को बचाने के लिए फंडिंग होगी

राजू दास ने कहा कि आरोपी शाहरुख को बचाने के लिए फंडिग होगी और संभव है कि कुछ वर्षों में वह जेल से बाहर आकर सुखी जीवन जीने लगे। उन्होंने कहा कि जिस देश में कभी एक महारानी की प्रतिष्ठा पर पूरा राज्य बलिदान हो जाता था, वह देश अब बेटियों की सुरक्षा करना तक भूल गया है।

कहा कि ऐसे अब्दुल और शाहरुख हर मोहल्ले में है, इसलिए सभी बहनों से मेरा निवेदन है कि सतर्क रहिए और दूर रहिए इन दरिंदों से।

सभी हिंदू संगठनों से अपील है कि जो भी पेट्रोल डालकर शाहरुख को आग लगाएगा उसे 11 लाख का इनाम दूंगा, क्योंकि हमारी बहन अंकिता ने मरते-मरते कहा था कि जिस तरह मैं मर रही हूं, वैसी ही मौत वो भी मरे..।

महिला से बदसलूकी

महिला को पुलिस हिरासत में भेजा; दीवार गिराने के खिलाफ शिकायत करने गई थी

भाजपा के विधायक ने की महिला से बदसलूकी, अपशब्द कहे

बेंगलुरु। कर्नाटक के बेंगलुरु में एक महिला से भाजपा विधायक की बदसलूकी का वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें भाजपा के विधायक अरविंद लिंबावली एक महिला को डांटते और अपशब्द कहते हुए दिखाई दे रहे हैं। महिला शुक्रवार को अपनी बिल्डिंग की दीवार गिराने की शिकायत करने विधायक के पास गई थी। महिला ने विधायक को आवेदन देने की कोशिश की। इस पर लिंबावली भड़क उठे और महिला के हाथ से आवेदन छीन लिया।

एमएलए यहीं नहीं रुके, बल्कि पुलिस से महिला को हिरासत में लेने को कहा। पुलिस उसे थाने ले गई, जहां उस पर सरकारी काम में बाधा डालने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई। विधायक अपने विधानसभा क्षेत्र महादेवपुर के राजकालू इलाके का जायजा लेने पहुंचे थे। इस इलाके में एक हफ्ते पहले हुई भारी बारिश के कारण जलभराव हुआ है।

कांग्रेस बोली- लिंबावली विधायक बनने के लायक नहीं

इस घटना को लेकर विपक्षी कांग्रेस ने राज्य की भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने शनिवार को लिंबावली के व्यवहार की निंदा करते हुए कहा कि वह विधायक बनने के योग्य नहीं हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में भाजपा की सरकार सत्ता में नहीं रह सकती।

आरोपों के जवाब में एमएलए ने जलभराव की तस्वीरें पोस्ट कीं

कांग्रेस के आरोप का जवाब देते हुए लिंबावली ने कहा- मैं माफी मांगने के लिए तैयार हूं। लेकिन आपकी पार्टी की कार्यकर्ता रूथ सगई मैरी ने कई साल तक राज नहर (बारिश के पानी की निकासी के लिए बनी नहर) पर कब्जा किया है और लोगों को परेशान किया है। उनसे कहिए कि इस जगह को खाली कर दें। साथ ही उन्होंने इलाके में जलभराव की तस्वीरें भी ट्वीट कीं।

पानी की निकासी में आ रही थी समस्या

बेंगलुरु वॉटर सप्लाई बोर्ड एंड सीवरेज बोर्ड ने मैरी की कमर्शियल बिल्डिंग की दीवार को गिरा दिया। आरोप था कि यह अवैध निर्माण है और नहर की जमीन पर बनाई गई है। मालकिन है। उनका कहना है कि उन्होंने सरकारी सर्वेयर से सर्वे करवाकर और विभाग से मंजूरी लेकर दीवार बनाई थी। सोमवार को हुई बारिश के चलते महादेवपुर विधानसभा क्षेत्र के कई इलाकों में पानी भर गया है। गुरुवार दोपहर को विधायक ने नल्लूरहल्ली में अतिक्रमण वाली जगह का दौरा किया। इसके बाद राज नहर से सटे बिल्डिंग के एक हिस्से को बुलडोजर से तोड़ दिया गया।

शार्ट न्यूज

नाराज बीवी को मायके से वापस लाने के लिए तांत्रिक के पास गया शख्स, नाकाम रहने पर उसकी हत्या कर दी

भुवनेश्वर। ओडिशा के जाजपुर जिले में एक 40 वर्षीय व्यक्ति ने तांत्रिक की हत्या कर दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, आरोपी शख्स और तांत्रिक के बीच करार हुआ था। तांत्रिक ने उसकी पत्नी को वापस लाने का वादा किया था। ऐसा करने में विफल रहने पर उसने यह कदम उठाया। पुलिस अधिकारी ने कहा कि शांतनु बेहरा ने अपनी पत्नी को वापस लाने के लिए तांत्रिक मनिया बाबर की मदद मांगी थी, क्योंकि रिश्ते में खटास आने के बाद वह पिछले कुछ महीनों से माता-पिता के घर में अपने दो बच्चों के साथ रह रही थी। बेहरा ने पत्नी को मनाने का कई बार प्रयास किया लेकिन बात नहीं बनी। पुलिस ने कहा कि सुकिंडा थाना क्षेत्र के बांधगांव निवासी बेहरा ने तांत्रिक को 5,000 रुपये का भुगतान किया था, जिसने उससे उसकी पत्नी को वापस लाने का वादा किया था। पुलिस के अनुसार 47 वर्षीय तांत्रिक बाबर जब दोपहर में बेहरा के घर आया तो उस समय उससे कहासुनी हो गई। अधिकारी के अनुसार, आरोपी ने काम पूरा न करने पर तांत्रिक से अपने पैसे वापस करने की मांग की। इसी दौरान दोनों में झड़प हुई, गुस्से में आकर बेहरा ने बाबर पर धारदार हथियार से हमला कर दिया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद उसने अपराध में प्रयुक्त हथियार के साथ पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया।

सरकार ने औद्योगिक वातावरण बनाने के लिए विभिन्न नीतियां बनायी : पांजा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के उद्योग वाणिज्य और उद्यम विभाग की प्रभारी मंत्री डॉ. शशि पांजा ने शनिवार को कहा कि सरकार ने एक सक्षम औद्योगिक वातावरण बनाने के लिए विभिन्न क्षेत्रीय नीतियां बनाई हैं। ईस्ट इंडिया समिट के पश्चिम बंगाल राज्य सत्र के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए सुश्री पांजा ने कहा, पश्चिम बंगाल की 2021 में अपनी नीति के माध्यम से इथेनॉल उत्पादन को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करने और कार्बन उत्सर्जन को कम करने के साथ-साथ विनिर्माण इकाइयों के लिए उत्पाद पर निर्भरता को कम करने पर ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि 2013 में तैयार की गयी चाय पर्यटन नीति जिसे 2019 में संशोधित किया गया था, वह भी इस भूगोलिक क्षेत्र में निवेश को अनुकूलित करने के लिए केंद्रित है। पांजा ने कहा कि सरकार द्वारा तैयार की गई रेत खनन नीति द्वारा ईंट-मिट्टी खनन को नियमित करने पर विचार करेगी। राज्य विधानसभा में तीसरी बार जोरदार जीत पर जोर देते हुए सुश्री पांजा ने कहा कि यह जीत राज्य में 'साख और स्थिरता स्थापित करने' में तब्दील की जानी है जो एक उद्योग नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र के प्रमुख प्रवर्तक हैं।

उत्तराखंड में वाहन चोरी के मामले में तीन गिरफ्तार

गदरपुर/नैनीताल। उत्तराखंड के उधमसिंह नगर के गदरपुर में पुलिस ने स्कूटी चोरी के मामले का खुलासा करते हुए तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। गदरपुर पुलिस के अनुसार विगत 31 अगस्त को गदरपुर से एक स्कूटी चोरी की घटना प्रकाश में आयी थी। पुलिस ने स्कूटी मालिक की तहरीर पर अभियोग पंजीकृत कर चोरों की तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरों को खंगाला और मुखबिर की सूचना पर शुक्रवार रात को आरोपी अफजाल निवासी ग्राम लंगड़ाभोज थाना गदरपुर उधमसिंह नगर को चीनी मिल रोड से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर चोरी गयी स्कूटी भी बरामद कर ली। आरोपी से जब सख्ती से पूछताछ की गयी तो उसने पुलिस को बताया कि घटना के दिन आरोपी ने बलराम नगर से एक मोटर साइकिल चोरी कर ली थी। साथ ही उसे 4000 रुपये में अपने दोस्त शाहिद व सोनू को बेच दी। पुलिस ने तत्काल कार्यवाही करते हुए शाहिद व सोनू को भी गिरफ्तार कर लिया। साथ ही मोटर साइकिल को भी बरामद कर लिया। पुलिस आरोपियों के आपराधिक इतिहास को खंगालने में जुट गयी है।

चार किलो चरस के साथ नेपाली तस्कर गिरफ्तार

नैनीताल। उत्तराखंड के चंपावत में पुलिस ने चार किलोग्राम से अधिक चरस के साथ एक नेपाली तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी बरामद चरस को नेपाल बेचने के लिये ले जा रहा था। चंपावत के पुलिस क्षेत्राधिकारी विपिन चंद्र पंत के अनुसार विशेष अभियान समूह (एसओजी), मादक द्रव्य निरोधक बल (एटीडीएफ) व चंपावत पुलिस की ओर से शनिवार को आपरेशन क्रेक डाउन के तहत नरियाल गांव के पास तलाशी अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान जांच टीम ने एक व्यक्ति को रोका और उसकी जांच की तो उसके पास से 4.320 किग्रा चरस बरामद हुई। आरोपी की पहचान नेपाल ब्रह्मदेव के खल्ला गांव निवासी जगदीश सामंत (59) के रूप में हुई। आरोपी ने बताया कि वह बरामद चरस को चंपावत के धामीसौन से स्वयं ही खेतों से तैयार कर लाया है और नेपाल तस्करी कर ले जा रहा था। आरोपी के खिलाफ कोतवाली में मादक द्रव्य अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृत कर लिया आगे की कार्रवाई अमल में लायी जा रही है। पुलिस आरोपी के आपराधिक इतिहास को खंगालने में जुट गयी है।

ममता के भतीजे अभिषेक ने शाह पर जमकर बोला हमला

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी के भतीजे एवं पार्टी के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कोयला घोटाले को लेकर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से पूछताछ के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर जमकर निशाना साधा है। इस पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने खासी नाराजगी जताई है। तृणमूल कांग्रेस के एक बयान में सांसद बनर्जी के हवाले से कहा गया,यह कोयला या मवेशी घोटाला नहीं है बल्कि यह गृह मंत्री का घोटाला है। देश में सबसे बड़े 'पप्पू' श्री अमित शाह हैं। जिन राज्यों में भाजपा की सरकार नहीं है वहां उन्होंने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और ईडी को खुला छोड़ दिया। उन्होंने कहा कि मामला वर्ष 2020 में दर्ज किया गया था और उन्हें और उनकी पत्नी रुजीरा बनर्जी को कई बार तलब किया गया लेकिन परिणाम शून्य थे। उन्होंने कहा,मैंने आज (शुक्रवार) एक लिखित बयान दिया है और पिछले दो वर्षों में भी ऐसा ही किया है। लोगों ने देखा है कि जब भी मुझे बुलाया गया है, मैने हमेशा जांच में सहयोग किया है। मेरी पत्नी को दो बार सीबीआई और एक बार ईडी ने बुलाया है। बनर्जी ने कहा,साथ में, हम छह बार एजेंसियों के सामने पेश हुए हैं और लगभग 60 घंटे तक पूछताछ की गई है। लेकिन परिणाम शून्य रहा है। इसके जवाब में, भाजपा के पश्चिम बंगाल के सह-प्रभारी अमित मालवीय ने कहा, किसी को सुश्री ममता बनर्जी के भतीजे को यह बताने की जरूरत है कि भ्रष्टाचार के लिए एजेंसियों की ओर से उनकी (श्री बनर्जी की) जांच की जा रही है, सत्याग्रह के लिए नहीं।

मुरुघ मठ के मुख्य पुजारी को मेडिकल जांच के लिए ले जाने पर पुलिस को लगी फटकार

चित्रदुर्ग (कर्नाटक)। कर्नाटक में एक जिला सत्र न्यायालय ने मुरुघ मठ के मुख्य पुजारी शिवमूर्ति शरणारू को पांच सितंबर तक पुलिस हिरासत में भेजने से पहले शुक्रवार की शाम यह नहीं बताने के लिए पुलिस को फटकार लगायी कि पुलिस को जेल से अस्पताल में क्यों स्थानांतरित कर दिया गया। अदालत ने जेल अधिकारियों को मेडिकल समीक्षा उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया। अदालत ने कहा कि पुलिस को हिरासत में लिए गए आरोपी को चिकित्सा देखभाल की गारंटी देनी चाहिए और उन्हें अस्पताल ले जाना चाहिए बशर्ते कि उनकी स्वास्थ्य स्थिति खराब हो। इस बीच इस मामले में एक अन्य आरोपी रश्मि को गिरफ्तार कर लिया गया है जबकि तीन अन्य फरार हैं। शरणारू को शुक्रवार को जब जेल में रखा जा रहा था, तब सीने में दर्द की शिकायत के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया था। उनको गुरुवार देर रात पुलिस ने हिरासत में ले लिया और पूछताछ के लिए उन्हें एक अज्ञात स्थान पर ले जाया गया। पूछताछ के बाद शरणारू को गिरफ्तार कर लिया गया और उसे मेडिकल परीक्षण के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया। बाद में शरणारू को जिला सत्र न्यायालय के न्यायाधीश बी के कोमल के समक्ष पेश किया गया।

भारत के सबसे बड़े यू-टर्न नेता हैं केजरीवाल

गुजरात के युवा 'रेवड़ी और बेवड़ी' राजनीति को खारिज कर देंगे : तेजस्वी सूर्या

राजकोट। भारतीय जनता पार्टी के सांसद और भाजपा की युवा शाखा भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या ने शनिवार को आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल को देश का सबसे बड़ा यू-टर्न नेता बताया। सूर्या ने कहा कि गुजरात के युवा उनकी रेवड़ी और बेवड़ी राजनीति को खारिज कर देंगे। भाजयुमो अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि केजरीवाल की राजनीति में कोई साख और ईमानदारी नहीं है।

राजकोट शहर में केजरीवाल के संवाददाता सम्मेलन के कुछ ही देर बाद

सूर्या ने कहा कि आप नेता के दिल्ली में अच्छे स्कूलों, मोहल्ला क्लीनिक और स्वच्छ राजनीति के दावों का भाजपा ने पर्दाफाश किया है। उन्होंने कहा कि उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के खिलाफ सीबीआई का छापा, स्वच्छ राजनीति के केजरीवाल के दावों के ताबूत में आखिरी कील थी। सीबीआई ने दिल्ली की आबकारी नीति में कथित भ्रष्टाचार को लेकर पिछले महीने सिसोदिया के आवास पर छापा मारा था। दिल्ली सरकार की विवादित आबकारी नीति का संदर्भ देते हुए बेंगलुरु दक्षिण सीट से सांसद तेजस्वी सूर्या ने कहा कि गुजरात के युवाओं ने राज्य की 30 साल की विकास यात्रा को गति प्रदान करने की कसम ली है। पक्का है कि गुजरात के युवा रेवड़ी और बेवड़ी की राजनीति को जरा सी भी जगह नहीं देंगे। हाल के दिनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रेवड़ी संस्कृति वाली टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया मिल रही है। उन्होंने यह टिप्पणी विपक्षी, खासतौर से आप द्वारा वोट पाने के लिए मुफ्त में चीजें देने के वादे पर की है।

सूर्या ने कहा कि अरविंद केजरीवाल की राजनीति बिना साख और ईमानदारी की है। वह देश के सबसे बड़े यू-टर्न नेता हैं। यहां तक कि उनकी राजनीति भी ऑड-ईवन के हिसाब से चलती है। उनके बयानों को गुजरात और देश के युवा गंभीरता से नहीं लेते हैं।

तमिलनाडु में मूर्ति विर्सजन के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

चेन्नई। तमिलनाडु में ग्रेटर चेन्नई पुलिस ने आवादी और तांबरम आयुक्तालयों के समन्वय के साथ रविवार को होने वाले विनायक मूर्ति विसर्जन कार्यक्रम के लिए शहर में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं।

पुलिस सूत्रों ने आज यहां बताया कि चिन्हित स्थानों पर मूर्ति विसर्जन के दौरान 2,650 होमगार्ड के अलावा कुल 21,800 पुलिसकर्मियों को ड्यूटी पर तैनात किया जाएगा।

कोविड महामारी के कारण दो वर्ष चतुर्थी उत्सव बंद रहने के बाद राज्य सरकार ने वर्ष साल सार्वजनिक स्थानों पर उत्सव विभिन्न रंगों और आकारों में गणेश मूर्तियों की स्थापना की अनुमति दी है।

उन्होंने बताया कि गणेश चतुर्थी उत्सव पर राज्य कुल 2,554 मूर्तियां, जिनमें शहर के विभिन्न हिस्सों में 1,352, अवदी में 503 और तांबरम में 699 मूर्तियां सार्वजनिक स्थानों पर स्थापित की गई और उन्हें एक जुलूस के साथ समुद्र और जल निकायों में विसर्जित किया जाएगा।

पुलिस ने शहर में गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए चार स्थान आवंटित किए हैं।

टीएमसी नेता चिटफंड धोखाधड़ी में गिरफ्तार

कोलकाता। केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने तृणमूल कांग्रेस नेता एवं हलीशहर नगर पालिका के अध्यक्ष राजू सहानी को कथित चिटफंड धोखाधड़ी मामले में गिरफ्तार किया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि श्री साहनी को आज आसनसोल की सीबीआई अदालत में पेश किया जाएगा। सीबीआई की एक टीम ने साहनी को उत्तर 24 परगना में उनके हलीशहर स्थित घर से गिरफ्तार किया। उनके घर से 80 लाख रुपये नकद, पांच कारतूस के साथ एक बन्दूक और संपत्ति से संबंधित दस्तावेज जब्त किए गये। सीबीआई ने श्री साहनी को शुक्रवार रात अक्टूबर 2018 में चिटफंड धोखाधड़ी को लेकर दर्ज मामले की जांच के संबंध में गिरफ्तार किया था। उन पर सनमर्ग वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन नामक कंपनी के फंड की हेराफेरी करने का भी आरोप लगाया गया है। मई 2014 में उच्चतम न्यायालय ने सीबीआई को पश्चिम बंगाल और ओडिशा में सभी पोंजी घोटालों की जांच करने का निर्देश दिया, जिसमें लाखों निवेशकों को धोखा दिया गया था।

सोपोर में लश्कर का हाइब्रिड आतंकवादी गिरफ्तार

एजेंसी

श्रीनगर। सुरक्षा बलों ने जम्मू-कश्मीर के सोपोर उप-जिला में लश्कर-ए-तैयबा के एक 'हाइब्रिड' आतंकवादी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने बताया की गिरफ्तारी शुक्रवार की रात शंगरगुंड सोपोर में पुलिस, सेना और सीआरपीएफ द्वारा स्थापित एक संयुक्त चौकी पर की गई। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, तलाशी के दौरान रात लगभग 9.40 बजे गाँव चेक ब्राठ लिंक रोड से आने वाले एक व्यक्ति की संदिग्ध हरकत देखी गई और बाद में उसे रुकने के लिए कहा गया, लेकिन उसने मौके से भागने की कोशिश की। सुरक्षा बलों के जवानों ने हालांकि बड़ी चतुराई से उसे पकड़ लिया उसकी निजी तलाशी लेने पर उसके पास से एक पिस्तौल, एक मैगजीन और पिस्तौल की आठ बरामद की गईं।

पुलिस ने उसकी पहचान मुमकक बटपोरा निवासी साकिब शकील डार के रूप में की और वर्तमान में चेकी ब्रथ सोपोर में रह रहा था।

उन्होंने कहा, प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गिरफ्तार व्यक्ति प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के हाइब्रिड आतंकवादी के रूप में काम कर रहा था और सुरक्षा बलों तथा नागरिकों पर हमले करने के लिए लगातार मौके की तलाश में था।

पुलिस ने कहा कि इस संबंध में सोपोर थाने में कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई।

जीएसटी मुआवजा अवधि दो वर्ष तक बढ़ाई जाए : स्टालिन

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन ने शनिवार केंद्र सरकार से वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) मुआवजे की अवधि को दो वर्ष तक बढ़ाने की अपनी मांग दोहराई। स्टालिन ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में तिरुवनंतपुरम में हो रही 30 वीं दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद की बैठक में तमिलनाडु से संबंधित कुछ प्रमुख मांगों को रखा। उन्होंने कहा कि जीएसटी लागू होने के बाद राज्य सरकारों की वित्तीय

स्वायत्तता काफी हद तक प्रतिबंध है। इसलिए मुआवजे की अवधि को दो वर्ष तक बढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि आपदा राहत कोष और ऐसे अन्य कोष तुरंत जारी किए जाएंगे।

उन्होंने श्री शाह से तमिलनाडु को नीट के दायरे से बाहर करने के विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी दिलाने के लिए हस्तक्षेप करने की भी मांग की।

उन्होंने कहा, मैं तमिलनाडु अंडरग्रेजुएट मेडिकल डिग्री में प्रवेश के लिए पाठ्यक्रम विधेयक के बारे में बात करना चाहता हूं। जिसे तमिलनाडु विधानसभा ने सर्वसम्मति से पारित किया गया है और केंद्र सरकार की सहमति के लिए लंबित है। मैं केंद्रीय गृहमंत्री से इस मामले में हस्तक्षेप करने का अनुरोध करता हूं ताकि उपरोक्त विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल सके। मुख्यमंत्री ने हवाई अड्डों के बारे में कहा कि आम तौर पर राज्य सरकारें हवाई अड्डों की स्थापना के लिए भूमि का अधिग्रहण और हस्तांतरण केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों/भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण को करती हैं।

शहरी रोजगार गारंटी योजना की तैयारियों की समीक्षा

जयपुर। राजस्थान में स्वायत शासन विभाग के शासन सचिव जोगाराम ने आज नगर निगम जयपुर हैरिटेज में दोनों नगर निगमों के जोन उपायुक्तों एव अधिशाषी अभियंता एवं अन्य अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में नौ सितंबर से जयपुर शहर में शुरू होने वाली इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना के तहत किये जाने वाले कार्यों पर विस्तार से चर्चा कर समीक्षा की तथा जोन उपायुक्तों को कैसे-कैसे काम कराये जाने है उसके संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि कार्य शुरू कराने से पहले एवं पूरा कराने के बाद फोटोग्राफी एवं विडियोग्राफी करना आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिये कि इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना में जनता से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देना है जैसे पार्कों के सोदंर्यकरण, डिवाइडरों की मरम्मत, नालों एवं नालियों की सफाई, शमशान घाट एवं कब्रिस्तान के सुधारीकरण, सार्वजनिक शोचालयों की सफाई, हॉर्डिंग्स बेनर हटाने, बावडिंया के सुधार आदि कार्यों को प्राथमिकता देना है।

सर कलम करने की धमकी देने के मामले में एक युवक गिरफ्तार

भीलवाड़ा। राजस्थान के भीलवाड़ा में पूणे के एक बैंक में कार्यरत सॉफ्टवेयर इंजीनियर विजय अग्रवाल को सर कलम करने की धमकी देने के मामले में पुलिस उत्तर प्रदेश के मऊ से एक युवक को गिरफ्तार किया है।

सुभाषनगर थाना प्रभारी नंदलाल रिणवा ने बताया कि पुलिस ने इस मामले में मऊ से पीयूष नामक एक सब्जी विक्रेता को डिटेन किया है, जिसे यहां लाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस युवक के नंबर से ही पीयूष को कॉल आया था और इस कॉल का जिक्र सॉफ्टवेयर इंजीनियर के घर के पोर्च में मिले सर कलम करने की धमकी भरे पत्र में भी था। पीयूष से पूछताछ के बाद ही स्थिति साफ हो पायेगी।

उन्होंने बताया कि विद्युत नगर कॉलोनी निवासी सॉफ्टवेयर इंजीनियर विजय अग्रवाल पुणे में रहकर बैंक में जॉब करते है। अग्रवाल कुछ दिन पहले ही भीलवाड़ा आये थे। गत गुरुवार दोपहर करीब सवा बारह बजे अग्रवाल को अपने इस मकान के पोर्च में एक पत्र मिला था।

थाना प्रभारी के मुताबिक, पत्र में लिखा था कि तुम्हारी सारी जानकारी हमारे पास है। तुम मुस्लिम धर्म अपना लो इसके बदले तुम्हें पांच लाख रूपए दिए जाएंगे। तुम्हारे बच्चे को एक लाख रूपए दिए जाएंगे और हमारे लिए काम करो। अगर तुम इस्लाम धर्म नहीं अपनाते हो तो तुम्हारा सर कलम कर दिया जाएगा।

इस लेटर में यह भी लिखा था कि तेरे पास एक कॉल आया होगा अभी यूपी से। उसने तेरे से पूछा होगा कि मुन्ना है क्या विजय ने इसकी सूचना तुरंत ही पुलिस को दी। विजय की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर लिया गया।

सुरक्षा एवं सुविधा के साथ होगा राज्य में धार्मिक मेलों का आयोजन : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि राज्य में धार्मिक मेलों के सफल एवं सुरक्षित आयोजन के लिए राज्य सरकार संकल्पित होकर कार्य कर रही है। गहलोत आज यहां मुख्यमंत्री निवास पर धार्मिक स्थलों पर मेलों तथा अन्य आयोजनों में सुरक्षा एवं प्रबंध के संबंध में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इसके लिए धर्म-गुरूओं और सामाजिक संस्थानों के साथ समन्वय कर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थलों व तीर्थ स्थानों के विकास के लिए पेयजल, शौचालय, पार्किंग, सड़क मार्गों, आधारभूत संरचनाओं का विकास सहित सभी मांगों पर सरकार द्वारा विचार किया जाएगा तथा इसके लिए संसाधनों की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

जिलों में प्रभारी मंत्री करेंगे इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना का शुभारम्भ: गहलोत

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आज कहा कि नौ सितंबर से शुरू हो रही इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना का शुभारम्भ सभी जिलों में प्रभारी मंत्री करेंगे।

गहलोत यहां मुख्यमंत्री निवास पर इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार का ध्येय है कि प्रदेश में हर व्यक्ति को सामाजिक सुरक्षा मिले। कोई भी व्यक्ति रोजगार से वंचित ना रहे तथा कोविड के दौरान बेरोजगार हुए व्यक्तियों को गुजर-बसर के लिए आजीविका के साधन उपलब्ध हो। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा 800 करोड़ रूपये के बजट से शुरू हो रही इन्दिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारों को

रोजगार उपलब्ध कराकर राहत प्रदान करेगी।

उन्होंने कहा कि अभी तक शहरी क्षेत्र के 2.2 लाख से अधिक परिवारों ने योजना: के अन्तर्गत पंजीकरण करवाया है। योजना को जनसमर्थन मिल रहा है। श्री गहलोत ने कहा कि योजना में स्वच्छता संबंधी कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। इसे सामाजिक दायित्व व सरोकार के रूप में क्रियान्वित किया जाएगा। राज्य सरकार द्वारा योजना के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले नगरीय निकायों को पुरस्कृत भी किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि शहरों में रोजगार के संकट को दूर करने के लिए शुरू की जा रही योजना में जॉब कार्डधारी परिवार के 18 से 60 वर्ष की आयु के सभी सदस्य पात्र होंगे। पंजीयन जनआधार कार्ड के जरिए किया जा रहा है। जिन परिवारों के पास जनआधार कार्ड उपलब्ध नहीं है, वे ई-मित्र केंद्र या नगरपालिका सेवा केंद्र के जरिए जनआधार के लिए आवेदन कर उसके क्रमांक नम्बर से भी पंजीयन करा सकते हैं। योजना में लाभार्थी परिवार को 100 दिन का गारंटीशुदा रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। बैठक में स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल, मुख्य सचिव उषा शर्मा, प्रमुख शासन सचिव वित्त अखिल अरोरा, शासन सचिव स्वायत्त विभाग जोगाराम सहित अन्य उच्चाधिकारी मौजूद थे।

नए जिलों के गठन से प्रशासन एवं जनता के बीच हुई दूरी कम : भूपेश

सारंगढ़। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज राज्य के 30 वें जिले सारंगढ़ बिलाईगढ का शुभारंभ करते हुए कहा कि पिछले पौने चार वर्षों में छह नए जिलों के गठन से प्रशासन एवं जनता के बीच दूरी कम करने में मदद मिली हैं। बघेल ने कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय के उद्घाटन के साथ नए जिले का शुभारंभ करते हुए लोगो को सारंगढ़ बिलाईगढ़ के नए जिले के रूप में अस्तित्व में आने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होने इस अवसर पर नए जिलों में बुनियादी सुविधाओं

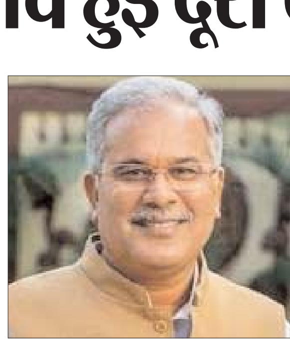

के लिए 540 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होने कहा कि 72 साल के लगातार संघर्ष के बाद सारंगढ़ अलग जिला बन पाया है। जिले के निर्माण के संघर्ष में कई पीढ़ियों ने योगदान दिया। उन्होंने कहा कि सारंगढ़ को जिला बनाने में बिलाईगढ का महत्वपूर्ण सहयोग रहा है।

बिलाईगढ वासियों की सहमति से ही सारंगढ़ जिला बन पाया है।उन्होने कहा कि सारंगढ़ शुरू से मानव जाति की सभ्यता का केंद्र रहा है। कई शक्तिपीठों के साथ ही बाबा घासीदास जी के प्रति आस्था रखने वालों की बहुलता है। सारंगढ़ का दशहरा उत्सव भी बस्तर दशहरा की तरह विख्यात है।

आयुष डॉक्टरों की मांगों पर विचार किया जाएगा: सैजल

शिमला। हिमाचल के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और आयुर्वेद मंत्री डॉ. राजीव सैजल ने कहा कि प्रदेश सरकार डॉक्टरों की मांगों के प्रति हमेशा संवेदनशील रही है और पौने पांच वर्षों के दौरान उन्हें विभिन्न लाभ और सुविधाएं प्रदान करने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। डा. सैजल ने शनिवार को यहां हिमाचल आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी संघ (एचएएमओए) के साथ संघ की विभिन्न मांगों पर एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि आयुष चिकित्सकों की मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाएगा।

सरकार जगाने के लिए है महंगाई पर हल्ला बोल रैली : कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने महंगाई को लेकर मोदी सरकार को असंवेदनशील करार देते हुए कहा है कि उसकी नीतियों के कारण आसमान छू रही कीमतों से जनता की कमर टूट गई है लेकिन सरकार सोई है जिसे जगाने के लिए हल्ला बोल रैली में तत्काल महंगाई रोकने के वास्ते कदम उठाने की मांग की जाएगी।

कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल, संचार विभाग के प्रमुख जयराम रमेश, राजस्थान के प्रभारी महासचिव अजय माकन, दिल्ली के प्रभारी महासचिव शक्ति सिंह गोहिल तथा दिल्ली कांग्रेस की अध्यक्ष अनिल चौधरी शनिवार को यहां रामलीला मैदान में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि तेजी से बढ़ रही महंगाई ने जनता की कमर तोड़ दी है और इसी के खिलाफ रामलीला मैदान में हल्ला बोल रैली हो रही है।

श्री वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस 2020-21 से लगातार कमरतोड़ महंगाई के खिलाफ आंदोलन कर रही और उसी की अगली कड़ी में रविवार को यहां विशाल रैली आयोजित की जा रही है जिसमें पार्टी के राष्ट्रीय नेताओं के साथ ही दिल्ली तथा आसपास के राज्यों के लोग बड़ी संख्या में शामिल होंगे।

उन्होंने आम जनता को राहत देने के लिए महंगाई रोकने के वास्ते तत्काल कदम उठाने की मांग करते हुए कहा कि इस रैली में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तथा अन्य नेता महंगाई के मुद्दे पर सरकार को घेरेंगे और महंगाई वापस लेने का सरकार पर दबाव बनाएंगे। सरकार पर देश की अर्थव्यवस्था को चौपट करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि उसकी नीतियों ने लोगों को महंगाई की आग में धकेल दिया है।

महंगाई को लेकर मोदी सरकार को असंवेदनशील बताते हुए उन्होंने कहा कि यह आश्चर्य की बात है कि संसद पर इस मुद्दे पर चर्चा होती है, विपक्ष हंगामा करता है, देशभर में आंदोलन हो रहे हैं लेकिन सरकार चुप बैठी हुई है। उनका कहना था कि सरकार को संवेदनशीलता का परिचय देते हुए आम जनता की फिक्र करनी चाहिए और महंगाई को वापस लेने के लिए तत्काल कदम उठाने चाहिए।

जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस लगातार महंगाई के खिलाफ संघर्ष कर रही है। दिल्ली के विजय चौक पर महंगाई के विरुद्ध धरना दे रहे कांग्रेस के 70 सांसदों को हिरासत में लिया गया। पार्टी के आम कार्यकर्ता और नेता इसके खिलाफ हल्ला बोल रहे हैं लेकिन सरकार कदम उठाने की बजाय उनका उत्पीड़न कर रही है।

लद्दाख में अंधेरे गगनमंडल की सफारी सुविधा तीन माह में: डॉ. जितेंन्द्र सिंह

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा है कि रात्रिकाल में गगन-मंडल के दृश्यों का दर्शन कराने वाली भारत की पहली 'नाइट स्काई सेंचुरी' लद्दाख के हनले इलाके में तीन माह में तैयार कर ली जाएगी। वहां प्रकाश प्रदूषण पर अनुसंधान और अध्ययन भी किए जाएंगे।

डॉ. सिंह ने लद्दाख के उपराज्यपाल आर.के.माथुर के साथ राजधानी में एक बैठक में इस केंद्र शासित क्षेत्र की परियोजनाओं के विषय में वार्ता के दौरान यह जानकारी दी।

इस नाइट स्काई सेंचुरी में विभिन्न तकनीकों वाली दूरबीने लगायी जाएंगी जिनमें ऑप्टिकल, इन्फ्रा-रेड और गामा-रे टेलीस्कोप शामिल होंगी। लद्दाख का हनले इस तरह की सुविधा वाला दुनिया के सबसे ऊंचे स्थानों पर स्थापित रात्रि गगनमंडल दर्शन अभयारण्य होगा।

डॉ. सिंह ने कहा है कि प्रस्तावित डार्क स्काई रिजर्व लद्दाख के हनले में तीन महीने के भीतर पूरा किया जाएगा। इससे भारत में खगोल पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

शनिवार को जारी एक सरकारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि श्री माथुर ने डॉ सिंह से चमड़ा केंद्र, लेह बेरी, शिक्षा मेला और सीएसआईआर समर्थित योजनाओं पर परियोजनाओं पर चर्चा करने के लिए मुलाकात की। बयान के मुताबिक केंद्रीय चमड़ा अनुसंधान संस्थान (सीएलआरआई), चेन्नई के वैज्ञानिकों का एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल सीएलआरआई की एक क्षेत्रीय शाखा स्थापित करने की संभावना का पता लगाने के लिए इस साल के अंत तक लद्दाख का दौरा करेगा।

डॉ.सिंह ने कहा कि उस क्षेत्र में जानवरों की व्यापक विविधता को देखते हुए ऐसे केंद्र का वहां होना महत्वपूर्ण होगा।

शार्ट न्यूज

गोल्ड जीतकर लिटिल फ्लोरियंस ने किया शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली। शाहदरा ,शिवाजी पार्क, स्थित लिटिल फ्लॉवर्स विद्यालय के छात्रों ने 35वीं जूनियर और 25वीं सब- जूनियर पुरुष और महिला वर्ग में टग ऑफ वार, प्रतियोगिता में भाग लिया। राज्य स्तर के खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए इस प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक और रजत पदक जीतकर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। चिनचिनाई बीच, पालगढ़, महाराष्ट्र में 560 किलोग्राम वर्ग के अंतर्गत 23 राज्यों के लगभग 1000 खिलाड़ियों ने भाग लिया। विद्यालय के लिए बड़े गर्व की बात है इसमें लिटिल फ्लावर्स पब्लिक सीनियर सेकंडरी विद्यालय के पुरुष वर्ग में अनीश चौहान और इशांन सरोही ने अंडर-19 वर्ग के अंतर्गत स्वर्ण पदक जीता। वहीं महिला वर्ग में खुशी जैन और आयुषी चौधरी ने दिल्ली की ? अंडर-17 टीम का हिस्सा बनते हुए रजत पदक प्राप्त किया। विद्यालय के छात्रों और उनके खेल प्रशिक्षकों की कड़ी मेहनत और अनुशासन के कारण ही विद्यालय के छात्र राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। दिल्ली सरकार द्वारा इन होनहार छात्रों को छात्रवृत्ति भी प्रदान की जाएगी ।इस संदर्भ में विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती नीता दुआ ने छात्रों को बधाई देते हुए उन्हें आशीर्वाद दिया कि वे खेलों में भारत का गौरव बढ़ाएं। विद्यालय के प्रबंध निदेशक श्री रोहित दुआ ने छात्रों को बधाई देते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।

मेवाड़ में स्वास्थ्य जागरूकता एवं स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

गाजियाबाद। वसुंधरा स्थित मेवाड़ इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट परिसर में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन गाजियाबाद इकाई की मदद से आयोजित स्वास्थ्य जागरूकता एवं स्वास्थ्य जांच शिविर में छह दर्जन टीचर्स का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। रक्त जांच, शुगर और थायरॉयड आदि की जांच नि:शुल्क हुई। इस अवसर पर उपस्थित महिला डॉक्टरों ने लोगों से कहा कि वे अपनी दिनचर्या के अलावा दैनिक खानपान में भी बदलाव लाएं ताकि गंभीर बीमारियों से बचा जा सके। डॉक्टर मधु पोद्दार ने कहा कि जो जीभ को मीठा लगे वह न खाएं। सेंधा नमक का सेवन करें। कम से कम आधा घंटा सुबह ब्रिस्क जॉगिंग करें। कोल्ड ड्रिंक बिल्कुल बंद कर दें। डॉ. अरुणा अग्रवाल ने कहा कि मोबाइल फोन कैंसर का बड़ा कारण है, इसका जितना कम प्रयोग कर सकें, बेहतर होगा। 25 से 30 साल के भीतर शादी करें। देर से शादी करना भी कैंसर के खतरे को बढ़ाता है। डॉ. अल्पना कंसल ने महिलाओं में मासिक धर्म सम्बंधी बीमारियों से बचने के उपाय बताये। मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन डॉ. अशोक कुमार गदिया एवं निदेशिका डॉ. अलका अग्रवाल ने अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया। स्वास्थ्य चर्चा का संचालन दिव्या ने किया। अंत में डॉ. अलका अग्रवाल ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

पिस्टल से फायर कर वीडियो बनाकर वायरल करने वाले दो अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से दो पिस्टल बरामद

नोयडा। थाना एक्सप्रेस वे पुलिस ने पिस्टल फायर कर वीडियो बनाकर वायरल करने वाले दो अभियुक्तों हिमान्शु चौहान पुत्र अजय चौहान निवासी ग्राम दोस्तपुर मंगरौली सैक्टर 168 थाना एक्सप्रेस वे नोएडा, आशीष चौहान पुत्र नरेश चौहान निवासी ग्राम बरौला निकट कैलाश सुनार सैक्टर 49 थाना सैक्टर 49 नोएडा को छपरौली गोलचक्कर से गिरफ्तार कर लिया ।पकड़े गए अभियुक्तों के कब्जे से पुलिस ने दो पिस्टल 32 बोर मय आठ कारतूस जिन्दा बरामद किए हैं ।अभियुक्तगणों द्वारा फायरिंग करते समय की वीडियो बनाकर आमजन में दहशत फैलाने के उद्देश्य से वायरल कर दी गई थी। जिनके विरुद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

मुख्य विकास अधिकारी ने जेवर तहसील में तहसील संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए सुनी जनता की शिकायतें

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप जन सामान्य की शिकायतों एवं समस्याओं का त्वरित गति के साथ निस्तारण संभव कराने के उद्देश्य से आज जनपद की तीनों तहसीलों में तहसील संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन संपन्न हुआ। जनपद की तीनों तहसीलों में कुल 159 शिकायतें दर्ज हुई जिसके सापेक्ष 11 शिकायतों का निराकरण विभागीय अधिकारियों के द्वारा मौके पर ही सुनिश्चित किया गया। जिला अधिकारी सुहास एल वाई के निर्देशों के क्रम में शनिवार को मुख्य विकास अधिकारी तेजप्रताप मिश्र के द्वारा तहसील जेवर में तहसील संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुये जनता की शिकायतों का अनुश्रवण किया गया। जेवर तहसील संपूर्ण समाधान दिवस में जन सामान्य के द्वारा कुल 78 शिकायतें विभिन्न विभागों से संबंधित दर्ज कराई गई जिसके सापेक्ष तीन शिकायतों का निराकरण विभागीय अधिकारियों के द्वारा मौके पर ही सुनिश्चित किया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ने समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जनता की शिकायतों एवं समस्याओं के निराकरण को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार एवं शासन गंभीर है। उन्होंने सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि तहसील संपूर्ण समाधान दिवस में जिन विभागों से संबंधित जनता की शिकायतें दर्ज हो रही हैं। सभी संबंधित अधिकारीगण गंभीरता के साथ तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित करें।

20 शिक्षाविद् 38वें डॉ. एस. राधाकृष्णन स्मृति राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान-2022 से सम्मानित हुए

प्रफुल्ल राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। अखिल भारतीय स्वतंत्र पत्रकार एवं लेखक संघ एवं नेशनल चाइल्ड एंड वूमेन डवलपमेंट चेरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में आज भारत के पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न स्वर्गीय डॉ. एस राधाकृष्णन की 135वीं जयंती की पूर्व संध्या पर नई दिल्ली के 11, सफदरजंग रोड पर 38वें डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन स्मृति राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया।

संघ के राष्ट्रीय महासचिव शिक्षाविद् दयानंद वत्स और अध्यक्ष श्री प्रेम सिंघानिया के अनुसार मुख्य अतिथि केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री, भारत सरकार माननीय श्री रामदास आठवले ने 20 शिक्षाविदों को शिक्षा,ज्ञान और मनोरंजन के क्षेत्र में उनकी सराहनीय सेवाओं और उल्लेखनीय योगदान के लिए वर्ष 2022 के डॉ. एस. राधाकृष्णन स्मृति राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया।

इसके साथ ही पश्चिमी दिल्ली के ग्रेट मिशन शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान सेक्टर-5, द्वारका की प्रशिक्षणार्थी 15 शिक्षिकाओं को नेशनल चाइल्ड एंड वूमेन ड्वलपमेंट चेरिटेबल ट्रस्ट की और से नेशनल वूमेन एंपावरमेंट अवार्ड-2022 से सम्मानित किया।

सम्मान स्वरूप शाल और प्रशस्ति पत्र भेंट किया गया। आरपीआई आठवले दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष मिर्जा मेहताब बेग समारोह में विशिष्ट अतिथि थे। सम्मानित होने वाले गणमान्य लोगों में बाल भारती पब्लिक स्कूल गंगाराम मार्ग दिल्ली की सहायक शिक्षिका श्रीमती रेनू गौड, रामजस स्कूल, पूसा रोड की प्रिंसिपल सुरभि दुआ, नॉलेज ट्री वर्ल्ड स्कूल, गुरुग्राम के प्रिंसिपल श्री प्रभाष घई, बोस्को पब्लिक स्कूल सुंदर विहार, पश्चिम विहार की टीजीटी हिंदी, नीलम गुप्ता, सुदिति ग्लोबल एकेडमी, इटावा, उत्तर प्रदेश की पीजीटी हिस्ट्री कविता, निगम प्रतिभा विद्यालय सुभाष पार्क प्रथम, शाहदरा नार्थ की प्राईमरी शिक्षिका मंजू, एस.एल.एस डीएवी पब्लिक स्कूल मौसम विहार की टीजीटी हिंदी ऋतु कुमार, डीएवी पब्लिक स्कूल अशोक विहार फेज-4 की पीजीटी अंग्रेजी नीता धाम, पायनियर कांवेंट सी. सै, स्कूल, लोक नायक पुरम की उप-प्रधानाचार्य श्रीमती कमलेश कौर, पायनियर कमल कांवेंट स्कूल, विकास नगर की कार्यवाहक प्रिंसिपल श्रीमती पुष्पा वाधवा, ग्रेट मिशन शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान, मारवाड़ी सी. सै. स्कूल, नई सडक की उप-प्रधानाचार्या सुषमा बालयान, ग्रेट मिशन शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान द्वारका सेक्टर-5 की लेक्चरर, एजुकेशन सुरभि चावला, दिल्ली नगर निगम की पीयूएचसी, नरेला के सीएमओ, इंचार्ज डॉ. एन.के.इंद्रा, शिक्षा, ज्ञान और मनोरंजन के क्षेत्र में बहुमूल्य योगदान के लिए सांस्कृतिक स्त्रोत एवं प्रशिक्षण संस्थान, सीसीआरटी के निदेशक ऋषि वशिष्ठ, आकाशवाणी के केंद्रीय नाट्य एकांश के निर्माता, निर्देशक, कार्यक्रम अधिकारी श्री विनोद कुमार, सुप्रसिद्ध संगीत निर्देशक पंडित मोहिंदर सरीन, दूरदर्शन के वरिष्ठ सलाहकार संपादक और एंकर श्री अशोक श्रीवास्तव, दूरदर्शन के प्रोग्राम एग्जीक्यूटिव एवं हैल्थ शो के प्रोडयूसर श्री विनोद कुमार मल्होत्रा, रेडियो और टीवी की स्क्रिप्ट राईटर सलमा सुलतान प्रमुख हैं।

अपने संबोधन में मुख्य अतिथि माननीय श्री रामदास आठवले ने समारोह के आयोजक राष्ट्रीय महासचिव शिक्षाविद् दयानंद वत्स को इस बात के लिए बधाई दी कि वे पिछले 38 सालों से पूर्व राष्ट्रपति स्वर्गीय डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती की पूर्व संध्या पर शिक्षकों और विद्वत जनों को डॉ. एस राधाकृष्णन स्मृति राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान से सम्मानित करते आ रहे हैं। श्री आठवले ने कहा कि शिक्षकों का सम्मान समूचे राष्ट्र का सम्मान है। आज हम जो भी हैं अपने गुरुओं की वजह से हैं। गुरु सारा जीवन एक शिक्षक ही रहता है जबकि उनके पढाए हुए शिष्य वैज्ञानिक, चिकित्सक, इंजीनियरिंग, पत्रकार, शिक्षक, आईएएस, आईपीएस, नेता, अभिनेता बन जाते हैं। इसलिए हमें अपने शिक्षकों का हमेशा सम्मान करना चाहिए। श्री आठवले ने कहा कि भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार ने नई शिक्षा नीति लागू करके विश्वस्तरीय शिक्षा की ऐतिहासिक व्यवस्था की है। जिससे जीवन के सभी क्षेत्रों के विद्यार्थियों को इसका लाभ मिलेगा।

ग्रेट मिशन शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान की जिन 15 प्रशिक्षणार्थी शिक्षिकाओं को नेशनल चाइल्ड एंड वूमेन डवलपमेंट चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा वर्ष 2022 के नेशनल वूमेन एम्पावरमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया है उनमें सुश्री चांदनी फातमा, आरोही सान्याल, इशिता अग्रवाल, जीविका, कंचन, खुशी, मनीषा कुमारी, प्रियंका, रिशिका सरन, रिया सिंह, सृष्टि वत्स, सुलेखा, वंशिका राघव, विधि सिंह, योगिता प्रमुख हैं।

इलाज के लिए तरसते हैं कटवारिया सराय गांव के निवासी

युवा समाजसेवी सुनील सनसनवाल गांव में डिस्पेंसरी के लिए कर रहे हैं जद्दोजहद

विवेक राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार भले ही स्वास्थ्य क्षेत्र में विकास के ढोल पीटती रहे, लेकिन दिल्ली में आज भी ऐसे गांव हैं जहां ग्रामीणों के इलाज के लिए एक डिस्पेंसरी तक नहीं है। ऐसा ही एक गांव है कटवारिया सराय। यहां के लोग छोटी-छोटी बीमारियों के इलाज के लिए दूसरे गांवों पर आश्रित हैं। अब ग्रामीणों की इस समस्या का समाधान करने का बीड़ा युवा समाजसेवी सुनील सनसनवाल ने उठाया है। सुनील गांव में डिस्पेंसरी खुलवाने के लिए लगातार जद्दोजहद कर रहे हैं।

सुनील बताते हैं कि आसपास के गांवों से तुलना करें तो कटवारिया सराय स्वास्थ्य के मामले में बिलकुल पिछड़ा हुआ है। इस गांव के बगल में बेर सराय और लाडो सराय जैसे गांवों में एक से ज्यादा डिस्पेंसरी हैं। लेकिन कटवारिया सराय में एक भी नहीं। गांव वालों ने इसके लिए भरपूर कोशिश भी की, लेकिन गांव के चुने हुए प्रतिनिधियों ने हमेशा अपनी आंखें मूंदे रखीं।

इसके चलते कोविड महामारी जैसी स्थिति में गांव के लोगों को जिन परेशानियों का सामना करना पड़ा, उसे बयान भी नहीं किया जा सकता।

सुनील बताते हैं कि कोविड काल गुजरने के बाद भी छोटी-छोटी बीमारियों के इलाज के लिए कटवारिया सराय के लोगों को पड़ोसी गांवों में जाना पड़ता है। इन परेशानियों से निजात पाने के लिए सुनील ने गांव वालों के साथ मिलकर एक ऐसे स्थान का चयन किया है जहां नगर निगम को काफी नुकसान होता है। करोड़ों रुपए की लागत से बनी कम्युनिटी सेंटर की इमारत जर्जर हो रही है।

अब हम सभी गांव वाले चाहते हैं कि इस इमारत का कुछ हिस्सा डिस्पेंसरी के लिए प्रयोग में लाया जाए ताकि करीब एक लाख की आबादी के इस गांव वालों को गांव में ही बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सके। इसके लिए नगर निगम से लेकर दिल्ली सरकार तक सभी संबंधित विभागों से बातचीत का प्रयास किया जा रहा है।

गेस्ट हाउस में चल रहा था सेक्स रैकेट, ग्राहकों को वाट्सएप करते थे फोटो; एक गिरफ्तार

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-35 स्थित गेस्ट हाउस में छापेमारी कर पुलिस टीम ने गुरुवार रात सेक्स रैकट का पर्दाफाश किया। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर दो युवतियों को मुक्त कराया। आरोपी का एक साथी भाग गया। उसकी तलाश की जा रही है। गिरोह के सदस्य व्हाट्सएप और ऑनलाइन बुकिंग कर देह व्यापार करते थे। इस मामले में फरार एक आरोपी की तलाश की जा रही है। एएचटीयू थाना पुलिस के अनुसार गुरुवार रात उन्हें सूचना मिली थी कि सेक्टर-35 स्थित राहुल गेस्ट हाउस में ऑनलाइन साइट और व्हाट्सएप के माध्यम से सैक्स रैकट चलाया जा रहा है। इस पर पुलिस टीम ने गेस्ट हाउस पर छापेमारी की और देह व्यापार कराने वाले गिरोह के संचालक तिलक नगर दिल्ली निवासी शरद कपूर को गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान उसका एक साथी देवराज भाग गया। पुलिस ने दो युवतियों को भी संरक्षण में लिया, जिनसे जबरन देह व्यापार कराया जा रहा था। पुलिस टीम देवराज की तलाश में दबिश दे रही है। गिरफ्तार आरोपी के पास से देह व्यापार के लिए इस्तेमाल होने वाले मोबाइल और नगदी बरामद की है। पुलिस पूछताछ में गिरफ्तार आरोपी शरद ने बताया कि चैटिंग वेबसाइट और व्हाट्सएप नंबर के माध्यम से लोगों से संपर्क करते थे। इसके बाद उनके व्हाट्सएप पर लड़कियों के फोटो भेजे थे।

दिल्ली में नशेड़ी महिला ने बाइक सवार को कार से उड़ाया, युवक की मौके पर ही मौत

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के कल्याणपुरी इलाके में एक तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से 28 वर्षीय एक बाइक सवार की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, कार एक महिला चला रही थी और हादसे के समय उसने शराब पी हुई थी। आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने शनिवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इस घटना की सूचना कल्याणपुरी थाने में शुक्रवार रात 10 बजकर 39 मिनट पर दी गई थी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, घटना की सूचना मिलने पर पुलिस की टीम पूर्वी विनोद नगर में दिल्ली जल बोर्ड कार्यालय के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-9 पर मौके पर पहुंची, जहां उसे एक क्षतिग्रस्त बाइक और एक वैगनआर कार मिलीं। प्रथम दृष्टया पुलिस इस निष्कर्ष पर पहुंची की कार ने बाइक को टक्कर मारी, जिसमें बाइक सवार व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। डीसीपी (ईस्ट) प्रियंका कश्यप ने कहा कि बाइक सवार को तुरंत पटपड़गंज के मैक्स अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान शकरपुर के रहने वाले अभिषेक कपूर के रूप में हुई है। डीसीपी ने कहा कि कार चालक सुनीता (35) गाजियाबाद के इंदिरापुरम के अभय खंड-3 की रहने वाली है और हादसे के समय वह शराब के नशे में थी। पुलिस ने आरोपी सुनीता के खिलाफ कल्याणपुरी पुलिस थाने में भारतीय दंड संहिता और मोटर वाहन अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने कहा कि मृतक के परिवार को सूचित कर दिया गया है और शव का पोस्टमॉर्टम किया जा रहा है।

होमलैस चिल्ड्रन के लिए बॉडिंग स्कूल के विरोध में ग्रामीण दे रहे धरना

- दिल्ली ग्राम पंचायत संघ ने सरकार से योजना रद्द करने की मांग की
- दिल्ली सरकार की योजना के खिलाफ आज होगी पंचायत

आनंद राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। पश्चिम दिल्ली लोकसभा क्षेत्र के नानकहेड़ी गांव स्थित राजकीय सह शिक्षा उच्च स्कूल को होमलैस चिल्ड्रन के लिए बॉडिंग स्कूल में तब्दील करने के विरोध में दिए जा रहे धरने में आज दिल्ली ग्राम पंचायत संघ के पदाधिकारी भी शामिल हुए। इस मौके पर संघ के प्रमुख थानसिंह यादव व 360 गांव की सर्व खाप की तरफ सुरेश शौकीन आठ गांव के प्रधान ने कहा कि सभी सरकार दिल्ली देहात के गांवों को बर्बाद करने की योजनाएं बना रही है। इस कड़ी में नानकहेड़ी गांव में होमलैस चिल्ड्रन के बॉडिंग स्कूल बनाया जा रहा है। उन्होंने ऐलान किया कि ग्रामीण ऐसी किसी भी योजना को अमलीजामा नहीं पहनाने देंगे।

धरने पर बड़ी संख्या में बैठे इलाके के ग्रामीणों को संबोधित करते हुए थानसिंह यादव व सुरेश शौकीन ने कहा कि नानकहेड़ी गांव में दिल्ली सरकार की होमलैस चिल्ड्रन के बॉडिंग स्कूल बनाने की योजना से इलाके के बच्चे शिक्षा ग्रहण करने से वंचित हो जाएगे, क्योंकि इस स्कूल में दिल्ली के कई गांवों के अलावा हरियाणा के सीमावर्ती गांवों के बच्चे भी शिक्षा ग्रहण करने आते है। उन्होंने कहा कि गांवों स्थित ग्रामसभा भूमि का ग्रामीणों को सुविधा उपलब्ध कराने के लिए ही उपयोग होना चाहिए। दिल्ली सरकार होमलैस चिल्ड्रन के लिए बॉडिंग स्कूल बनाना चाहती है वह शहर में बनाए, ये बच्चे शहरी इलाके की सड़कों पर ही रहते है। दूसरी ओर उन्होंने दिल्ली की सभी पंचायतों से अपील की कि नानकहेड़ी गांव में रविवार को होने वाली पंचायत में वह शिरकत करें। वहीं उन्होंने उपराज्यपाल व दिल्ली सरकार को चेतावनी दी कि नानकहेड़ी गांव में ही नहीं, बल्कि अन्य किसी भी गांव में होमलैस चिल्ड्रन के बॉडिंग स्कूल नहीं बनने दिया जाएगा। इसके अलावा गांवों को बर्बाद करने वाली योजना को भी अमलीजामा नहीं पहनाने दिया जाएगा।

इस मौके पर नानकहेड़ी गांव के प्रमुख देवेंद्र कुमार ने कहा कि यह योजना जल्द ही रद्द नहीं किए जाने पर जनप्रतिनिधियों के घरों का घेराव किया जाएगा और उपराज्यपाल व मुख्यमंत्री निवास पर भी डेरा डालने से पीछे नहीं हटेंगे। इस दौरान राकेश पहलवान, रामफल, नरेश, आशीष, सुरेंद्र फौजी आदि ने भी दिल्ली सरकार से इस योजना को रद्द करने की मांग की।

अपनी दुर्दशा के चलते परेशानी का कारण बनी हुई है लोनी रोड

संवाददाता/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली के शाहदरा क्षेत्र स्थित लोनी रोड अपनी दुर्दशा के चलते स्थानीय लोगों की परेशानी का कारण बनी हुई है यह रोड स्थानीय निकायों में तालमेल के अभाव के चलते हमेशा जर्जर हालत में रहती है अभी 1 माह पहले ही शायद पहली बार तारकोल कंक्रीट से यह रोड बहुत सुंदर बनी लेकिन अब जल बोर्ड ने इसे मिसिंग सीवर लाइन के नाम पर खोदना शुरू कर फिर हालत वही की वही कर दी है आलम यह है कि राजनीतिक नेता इस पर गलती मानने की जगह इसे सही बताते हैं भले ही जनता को कितनी दिक्कत हो उससे उन्हें कोई लेना देना नहीं है शाहदरा के जीटी रोड से उत्तर प्रदेश के लोनी से जुड़ने वाली इस रोड का शाहदरा से दुर्गापुरी तक का हिस्सा हमेशा जर्जर हालत में रहता है गड्ढों की भरमार ऊंचा नीचा भराव के कारण घंटों यहां जाम लगा रहता है जिसकी शिकायतें लोग करते रहते थे लेकिन कोई असर नहीं होता था लेकिन पिछले दिनों इस रोड के शायद भाग्य जागे और इसे तारकोल कंक्रीट से बेहद खूबसूरत गड्ढा रहित बना दिया जिसके बाद लग ही नहीं रहा था कि यह वही रोड है रोड सही होने के चलते ट्रैफिक भी सामान्य भाव से चल रहा था इस रोड के भाग्य में शायद सही होना लिखा ही नहीं था एक माह बाद रोहतास नगर के विधायक जितेंद्र महाजन उनकी टीम ने मिसिंग सीवर लाइन योजना का शुभारंभ कर दिया जिसके चलते जगह-जगह रोड खोदी जा रही है और फिर जाम लग रहा है इस बात का जवाब किसी पर नहीं है यदि यह काम रोड के बनने से पहले कर लिया जाता तो उसमें क्या दिक्कत आने वाली थी लोनी रोड टिंबर मर्चेंट एंड ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष मनीष मित्तल का कहना है कि टूट-फूट की वजह से रोड पर भारी जाम रहता है जिसका सारा खामियाजा व्यापारियों को उठाना पड़ता है कभी यहां शराब की दुकानों से जाम तो कभी ट्रैफिक व्यवस्था से जाम हमें भुगतना पड़ता है मनीष मित्तल कहते हैं कि स्थानीय निकाय अपने तालमेल के अभाव में जनता को परेशान करें यह सही नहीं है रोहताश नगर के विधायक जितेंद्र महाजन खुद कहते हैं कि पिछले 30 वर्षों से लंबित सीवर लाइन को डालने का काम शुरू हुआ है लेकिन यह रोड बनने से पहले भी हो सकता था इसका जवाब की जगह कहा जाता है इस काम के बाद लोनी रोड को पहले की भांति सुंदर बना दिया जाएगा।

नए मोटर वाहन कानून में किए गए संशोधन पर आवश्यक प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से गौतमबुद्धनगर में हुआ वर्कशॉप का आयोजन

ग्रेटर नोएडा। उच्च न्यायालय इलाहाबाद के निर्देशों के क्रम में न्यायिक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान लखनऊ द्वारा एक वर्कशाप का आयोजन गुरुवार को सेक्टर 108 पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर में किया गया। आयोजित वर्कशाप में नए मोटर वाहन कानून में किए गए संशोधन पर आवश्यक प्रशिक्षण न्यायिक अधिकारीगण, पुलिस अधिकारीगण/कर्मचारीगण, अधिवक्तागण आदि को दिया गया। वर्कशाप की अध्यक्षता मुख्य न्यायाधीश राजेश बिन्दल द्वारा की गयी। जिसमें न्यायमूर्ति कौशल जयेन्द्र ठाकर, अध्यक्ष मोटर दुर्घटना अधिकरण समिति, न्यायमूर्ति अतउ रहमान मसूदी, सदस्य मोटर दुर्घटना अधिकरण समिति,प्रशासनिक न्यायमूर्ति गाजियाबाद, न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल, प्रशासनिक न्यायमूर्ति गौतमबुद्धनगर,न्यायमूर्ति जे आर मिश्रा, सेवानिवृत्त न्यायाधीश दिल्ली उच्च न्यायालय, पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर आलोक सिंह, जनपद न्यायाधीश गाजियाबाद जितेन्द्र कुमार सिन्हा,नदेशक न्यायिक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, लखनऊ विनोद सिंह रावत उपस्थित रहे।

मोटर साइकिल चोर गिरोह का पर्दाफाश, कब्जे से चोरी की 14 मोटरसाइकिल बरामद

ग्रेटर नोएडा। थाना बीटा टु पुलिस ने अर्न्तजनपदीय मोटरसाइकिल चोर गिरोह का किया पर्दाफाश कर चार अभियुक्तों जैनुद्दीन उर्फ जैनू पुत्र मकसूद निवासी अलीपुरा थाना ककोड जिला बुलन्दशहर, नितिन उर्फ टीटी पुत्र राकेश कुमार निवासी इनायतपुर थाना ककोड जिला बुलन्दशहर, शौकत पुत्र चाँद मोहम्मद निवासी ग्राम इनायतपुर थाना ककोड़ जिला बुलन्दशहर, रईश पुत्र आसमोहम्मद निवासी ग्राम इनायत पुर थाना ककोड़ जिला बुलन्दशहर को अल्फा कामर्शियल बैल्ट मैट्रो स्टेशन के नीचे से शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया ।पकड़े गए अभियुक्तों के कब्जे से पुलिस ने चोरी की दो

मोटरसाइकिल और निशादेही पर चोरी की बारह मोटरसाइकिल बरामद की है ।अभियुक्त शातिर किस्म के अपराधी है जिनका एक सक्रिय गिरोह है जो कि रैकी करके मोटरसाइकिल को नोएडा ग्रेटर नोएडा व एनसीआर क्षेत्र से चोरी करते हैं।

चोरी की मोटरसाइकिल को पुर्जो मे काटकर बेचकर अवैध धन अर्जित करते हैं। अभियुक्तगणों द्वारा नोएडा, ग्रेटर नोएडा व एनसीआर क्षेत्र मे दो दर्जन से अधिक मोटरसाइकिल चोरी करने की घटनाओ को अंजाम देने का इकबाल किया है। अभियुक्तगणों से सख्ती से पूचताछ की गयी तो अभियुक्तगणों द्वारा 12 मोटरसाइकिल झाझर बुलन्दशहर अभियुक्त रहीश की दुकान पर छुपाकर खड़ी करने की बात बताई तथा अभियुक्त रहीश बाइक मिस्त्री है जो कस्बा झाझर में मोटरसाइकिल को सही करने की दुकान चलाता है।

दिल्ली पुलिस कमिश्नर को अवमानना नोटिस जारी

गैंगरेप मामले में अदालत के आदेशों का पालन न करने का आरोप

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली की एक अदालत ने एक महिला के साथ हुए कथित गैंगरेप के मामले में दिल्ली पुलिस कमिश्नर को अवमानना नोटिस जारी किया है। साथ ही, अदालत ने कहा कि इस मामले में घटनाओं का वर्णन और क्रम दिल्ली पुलिस के कामकाज की खराब और दयनीय स्थिति को दर्शाता है।

अदालत ने मामले में एक आरोपी की जमानत याचिका पर सुनवाई करने के दौरान कहा कि पीड़िता द्वारा संगम विहार के थानाधिकारी (एसएचओ) के समक्ष शिकायत दायर करने के लगभग 36 दिन बाद थाने में एफआईआर दर्ज की गई।

अदालत ने कहा कि अगस्त 2022 में तीन अदालती आदेश जारी किए जाने के बावजूद पुलिस कमिश्नर की ओर से जानबूझकर अनुपालन नहीं किया गया।

दिल्ली पुलिस कमिश्नर को कारण बताओ नोटिस जारी

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश संदीप यादव ने 31 अगस्त को एक आदेश में कहा कि इसलिए, दिल्ली पुलिस कमिश्नर को इस बारे में कारण बताओ नोटिस जारी किया जाए कि आदेशों का अनुपालन नहीं करने के लिए उनके खिलाफ अवमानना की कार्यवाही क्यों शुरू नहीं की जाए।

पुलिस कमिश्नर की ओर से जवाब दाखिल करने के लिए पुलिस उपायुक्त (डीसीपी), दक्षिण दिल्ली को अधिकृत किए जाने संबंधी कोई सामग्री प्रस्तुत नहीं किए जाने का जिक्र करते हुए अदालत ने कहा कि इसलिए प्रथम दृष्टया प्रतीत होता है कि डीसीपी (दक्षिण) ने धोखाधड़ी का अपराध किया है। अदालत ने कहा कि डीसीपी (दक्षिण) को भी एक नोटिस जारी किया जाए कि उपरोक्त अपराध के मद्देनजर कानून के उचित प्रावधानों के तहत उनके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने के लिए आवश्यक कदम क्यों नहीं उठाए जाएं।

अदालत ने पुलिस की कार्रवाई पर उठाए सवाल

अदालत ने कहा कि डीसीपी (दक्षिण) और पुलिस कमिश्नर सहित संबंधित पुलिस अधिकारियों का इरादा, जैसा कि घटनाओं के उपरोक्त विवरण से अनुमान लगाया जा सकता है, अदालत द्वारा जारी विभिन्न आदेशों को दरकिनार करना या उनका उल्लंघन करने का है...यह अदालत का कर्तव्य है कि वह अपने आदेशों को लागू करवाए, अन्यथा, अदालत द्वारा जारी आदेश मजाक और कागजी आदेश बनकर रह जाते हैं। अदालत ने कहा कि इस मामले में, घटनाओं का वर्णन और क्रम दिल्ली पुलिस के कामकाज की खराब और दयनीय स्थिति को दर्शाता है...पूरा विषय सुधारात्मक कार्रवाई के लिए गृह सचिव, केंद्रीय गृह मंत्रालय के संज्ञान में लाये जाने की जरूरत है। अदालत ने इससे पहले कहा था कि पुलिस अधिकारियों ने पीड़िता के साथ एक आरोपी की तरह व्यवहार किया और गैंगरेप पीड़ित महिला को दर-दर भटकने के लिए मजबूर किया।

संपादकीय

रोजगार बाजार और अर्थव्यवस्था

बाजार जब रोजगार पैदा करना बंद कर दे तो समझिए अर्थव्यवस्था नीतिगत बीमारी की शिकार हो गई है, जिसका इलाज मुश्किल होता है। भारतीय अर्थव्यवस्था के साथ कुछ ऐसा ही जान पड़ता है। चिंता की बात यह है कि कुशल हाथ बेकार हैं, फिर भी श्रम बाजार सिकुड़ रहा है। भू-राजनीतिक परिस्थितियों के कारण बेशक दुनिया के देश कमोबेश कठिनाई का सामना कर रहे हैं, लेकिन भारत की कठिनाई अलग तरह की है। विशाल उपभोक्ता बाजार और उत्पादन की क्षमता होने के बावजूद यहां मांग और आपूर्ति का संकट है। बेरोजगारी की लंबी खिंचती परिस्थिति के बीच मांग में अतिरिक्त गिरावट की आशंका है। मांग खर्च पर निर्भर होती है और खर्च कमाई पर। कमाई की क्या स्थिति है, आंकड़े नहीं, जेब टटोल कर देख लीजिए। मांग की एक नई खिड़की निर्यात में वृद्धि के साथ खुली थी, और उसके साथ ही रोजगार बाजार के पटरी पर लौटने की उम्मीद जगी थी। मगर भू-राजनीतिक परिस्थितियों के कारण दुनिया में मंदी की आहट के साथ यह खिड़की भी बंद होती दिख रही है। निर्यात घटेगा तो जाहिर है विनिर्माण का इंजन सुस्त पड़ जाएगा। रोजगार की पैदावार रुक जाएगी। अगर यह सारा निवेश बाजार में उतरता तो निश्चित रूप से रोजगार के अवसर बनते। मगर जब मांग की ही संभावना धूमिल हो चली है, तो ऐसी स्थिति में भला कौन निवेशक अपनी पूंजी गड्ढे में फेंकना चाहेगा? महामारी की रफ्तार थमने के बाद दुनिया के बाजार खुले तो मांग में भी तेजी आई। भारत ने 2022 में अब तक के रिकार्ड 421.89 अरब डालर का निर्यात किया। लेकिन रूस-यूक्रेन युद्ध ने परिस्थिति को पलट दिया है। उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में मंदी की आहट के कारण मांग घटने लगी है। इसका असर भारत के निर्यात पर पड़ा है। जुलाई 2022 में भारत का निर्यात गिर कर 35.24 अरब डालर हो गया, जो जून में 35.51 डालर था। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी, इंडिया रेटिंग्स ऐंड रिसर्च ने अपने एक अध्ययन रपट में कहा है कि निर्यात में वृद्धि के कारण भारत के विनिर्माण क्षेत्र में 2022 में जो तेजी आई थी, निर्यात में गिरावट के कारण वह 2023 में नहीं रहने वाली है। एजेंसी के अनुसार, रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में मंदी की चिंता और चीन में कोविड नियंत्रण के कड़े उपायों के कारण भारत के विभिन्न क्षेत्रों में उत्पादन प्रभावित हुआ है। रपट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2016 से वित्त वर्ष 2020 के दौरान भारत का वार्षिक औसत निर्यात 297.02 अरब डालर रहा था, जो वित्त वर्ष 2019 में बढ़ कर 330.08 अरब डालर हो गया। और 2021-22 में यह रिकार्ड 421.89 अरब डालर पर पहुंच गया। निर्यात में यह वृद्धि मुख्य रूप से विनिर्मित वस्तुओं के निर्यात के कारण हुई। यानी विनिर्मित उत्पादों का निर्यात बढ़ने से औद्योगिक इकाइयों ने अपनी पूरी क्षमता के साथ उत्पादन किया, और इसके कारण 2022 में नौकरियों की उम्मीद भी वापस लौटी। लेकिन मंदी के आसन्न संकट ने इस उम्मीद पर पानी फेर दिया है। भारतीय वस्तुओं और सेवाओं के दो सबसे बड़े ग्राहक अमेरिका और यूरोप के लिए निर्यात की रफ्तार सुस्त पड़ गई है। वाणिज्यिक जानकारी एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआइएस) के आंकड़े बताते हैं कि यूरोप के लिए भारतीय निर्यात की वृद्धि दर जून 2022 में घट कर उनतालीस फीसद रह गई, जो अप्रैल 2022 में इकसठ फीसद और मई 2022 में चालीस फीसद थी। इसी तरह अमेरिका के लिए भारतीय निर्यात की वृद्धि दर जून में घट कर उनतीस फीसद रह गई, जो मई में बत्तीस और अप्रैल में इकतीस फीसद थी। वित्त वर्ष 2022-23 की प्रथम तिमाही में भारत ने यूरोप को 19.3 अरब डालर, और अमेरिका को 21.7 अरब डालर मूल्य की वस्तुओं-सेवाओं का निर्यात किया। भारतीय सामान के चौथे सबसे बड़े ग्राहक चीन के लिए निर्यात जून तिमाई में इकतीस फीसद घट कर 4.7 अरब डालर रह गया। भारत के कुल निर्यात में अमेरिका और यूरोप की सम्मिलित हिस्सेदारी 2022 में तैंतीस फीसद थी, जबकि चीन की हिस्सेदारी पांच फीसद। यानी भारतीय निर्यात का अड़तीस फीसद हिस्सा संकट में है। निर्यात के इतने बड़े हिस्से के संकटग्रस्त होने से घरेलू उत्पादन पर कितना असर पड़ेगा, और इसका रोजगार पर क्या असर होगा, अंदाजा लगाया जा सकता है। इस साल गेहूं का उत्पादन दस से तीस फीसद घट गया। अब असमान बारिश के कारण धान का उत्पादन भी आठ फीसद कम होने का अनुमान है।

राष्ट्र निर्माण में वैदिक शिक्षा, ज्ञान की समीचीन भूमिका

भारत में प्रागैतिहासिक वैदिक तथा सनातनी शिक्षा तथा ज्ञान का स्वरूप बड़ा ही विस्तृत है। भारत को भारतवर्ष भी आदिकाल की सांस्कृतिक शिक्षा और विशाल ज्ञान के भरपूर स्त्रोतों के कारण ही कहा जाता रहा है। भारत के ऋषि, मुनि, गौतम और अनेक संस्कृत के शिक्षकों ने भारत भूमि को न सिर्फ गौरवशाली बनाया बल्कि ऐतिहासिक रूप से इसे विश्व में सर्वोपरि स्थान दिलाया है। भारत के गौरव को और ऊंचा उठाने में स्वामी विवेकानंद जी की शिकागो यात्रा और उन के शक्तिशाली व्याख्यान ने द्विगुणित करने की भूमिका निभाई है। भारतीय वेदों और संस्कृति ने वैश्विक स्तर पर नए नए आयाम का सृजन किया है। वैसे भी जीवन परिवर्तन का पर्याय है एवं विकास का स्वरूप हैद्य यह सर्वकालीन सत्य है कि शिक्षा एवं ज्ञान का महत्व हर संस्कृति, सभ्यता और मानवीय समुदाय के जीवन में एक प्रकाश पुंज की तरह उन्हें विकास की दिशा दिखाते हुए आया है। जिस देश की भाषा जितनी समृद्ध होगी उस देश की सभ्यता संस्कृति और ज्ञान उत्तम शिखर पर होगा और विकास की नई नई धाराएं बहेगीद्य मानवीय विकास के साथ मनुष्य को अधिक परिपक्व को समझदार तथा समृद्ध बनाने में शिक्षा, भाषा, ज्ञान और साहित्य का सर्वाधिक महत्व रहा हैद्य शिक्षा चाहे आपके परिवार से प्राप्त हुई हो, स्कूल कॉलेज अथवा किसी शिक्षण संस्थान से प्राप्त हुई हो या भारतीय संस्कृति के वैदिक शास्त्रों से प्राप्त हुई हो, शिक्षा का मनुष्य के व्यक्तित्व के निर्माण में बड़ी अहम भूमिका होती हैद्य शिक्षा भी समाज संस्कृति एवं सभ्यताओं के साथ परिवर्तनशील तथा प्रगतिशील है। शिक्षा, ज्ञान तथा संस्कृति और कला साहित्य को देश और विदेश की सीमाओं में बांधा नहीं जा सकता है। यह असीमित भंडार है एवं इसमें आकाशीय ऊंचाइयां भी शामिल रहती हैंद्य शिक्षा और ज्ञान न तो गहराइयां न ही नापी नजा सकती है, और ना ही इसकी ऊंचाई को देखा जा सकता है। पूर्वी सभ्यता जहां अध्यात्म, वेद ,पुराणों पर अवलंबित है, वहीं पश्चिमी सभ्यता ज्ञान विज्ञान नए नए अविष्कार और आकाश की अनछुई कई बातों को उजागर करने वाली है। ऐसी शिक्षा तथा ज्ञान के कारण मानव चंद्रमा पर पहुंच कर एक नई गाथा लिख पाया हैद्य वस्तुतः पूर्व तथा पश्चिम ज्ञान विज्ञान तथा शिक्षा के मामले में एकाकार हो चुका है कोई भी भेदभाव या विभाजन रेखा नहीं खींची जा सकती है। पूरी सभ्यता ने जहां पाश्चात्य दर्शन से नए नए अविष्कारों हवाई जहाज, इंजन, ग्रामोफोन, रेडियो एवं नई नई टेक्नोलॉजी को अपनाया है वहीं पश्चिमी दर्शन ने भारती ज्ञान विज्ञान संस्कार आयुर्वेद योग धर्म दर्शन को अपना कर अपनी जीवनशैली में शांति तथा सौभाग्य स्थापित किया हैद्य यह सब शिक्षा भाषा एवं ज्ञान के बदौलत पूर्व और पश्चिम का मेल संभव हो पाया है। शिक्षा और भाषा सदैव ही अज्ञानता के तमस में एक प्रकाश पुंज की तरह देदीप्यमान होता रहा है, नवजीवन की विकास धारा में सदैव महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आया है। हमारे कई धर्मों में जिनमें जैन ,बौद्ध दर्शन, नव्य वेदांत तथा भारतीय संस्कृति के नवीन चिंतन के सामने आने से नवयुग की कल्पना को साकार किया है। पश्चिम के कई विद्वान और चिंतक जिनमें प्लूटो, अरस्तु, सुकरात, कार्ल मार्क्स, लेनिन ने अनेक विकास के सिद्धांतों को प्रतिपादित किया है। जिसका पूरे विश्व ने खुले दिल से स्वागत किया एवं विकास की नई नई की इबारत लिखी है। दूसरी ओर भारत की संस्कृति, सभ्यता और समाज में सदैव आवश्यक सुधार तथा नई नई बुद्धिमता पूर्ण युक्तियों को अपने में आत्मसात करने की एक अलग क्षमता रही है, और विकास का मूल मंत्र भी परिवर्तनशील जीवनशैली ही है द्य राजनीति तो सदैव परिवर्तन पर अवलंबित रहती है। स्वतंत्रता के पहले तथा बाद में राजनीतिक घटनाक्रम जिस नव परिवर्तन युग की तरफ अग्रसर हुए हैं वह अत्यंत उल्लेखनीय है। भारतीय सभ्यता समाज और संस्कृति जितनी जटिल तथा गूढ है उसको जितना समझा जाए, उसका जितना अध्ययन किया जाए तो उससे नवीन बातें समझ में आती है, और उसके नए नए अर्थ हमारे सामने आते हैं।

बच्चों को उनकी मातृभाषा में पढ़ाने की जरूरत

-प्रियंका 'सौरभ'

दुनिया में बोली जाने वाली प्रत्येक भाषा एक विशेष संस्कृति, माधुर्य, रंग का प्रतिनिधित्व करती है और एक संपत्ति है। कई मनोवैज्ञानिक, सामाजिक और शैक्षिक प्रयोगों ने साबित किया कि मातृभाषा के माध्यम से सीखना गहरा, तेज और अधिक प्रभावी है। एक बच्चे का भविष्य का अधिकांश सामाजिक और बौद्धिक विकास मातृभाषा के मील के पत्थर पर टिका होता है। अपूर्ण प्रथम भाषा कौशल अक्सर अन्य भाषाओं को सीखना अधिक कठिन बना देते हैं। यह तभी होगा जब वे युवा प्रेमपूर्ण भाषा के रूप में बड़े होंगे, उन्हें खतरा महसूस नहीं होगा और इससे उन्हें आंका जाएगा। हमें उनकी जरूरत है कविता और गीत और उपन्यास लिखने के लिए। हमें चाहिए कि वे अपनी मातृभाषा पर गर्व महसूस करें, न कि क्षमाप्रार्थी और लज्जित हों, न की सफलता इस बात पर आधारित है कि वे कितनी अंग्रेजी जानते हैं।

भाषा जनगणना के अनुसार भारत में 19,500 भाषाएँ या बोलियाँ हैं, जिनमें से 121 भाषाएँ हमारे देश में 10,000 या उससे अधिक लोगों द्वारा बोली जाती हैं। 2020 में जारी राष्ट्रीय शिक्षा नीति में क्षेत्रीय भाषा या मातृभाषा में प्रारंभिक शिक्षा प्रदान करने की पुरजोर वकालत की गई है। व्यक्ति के निर्माण में मातृभाषा का बहुत शक्तिशाली प्रभाव होता है। एक बच्चे की अपने आस-पास की दुनिया की पहली समझ, अवधारणाओं और कौशलों की शिक्षा और अस्तित्व की उसकी धारणा, उसकी मातृभाषा से शुरू होती है जो उसे सबसे पहले सिखाई जाती है। जब कोई व्यक्ति अपनी मातृभाषा बोलता है, तो हृदय, मस्तिष्क और जीभ के बीच सीधा संबंध स्थापित हो जाता है।

जैसे-जैसे अधिक से अधिक भाषाएं लुप्त होती जा रही हैं, भाषाई विविधता पर खतरा बढ़ता जा रहा है। विश्व स्तर पर लगभग 40 प्रतिशत आबादी के पास उस भाषा में शिक्षा तक पहुंच नहीं है जो वे बोलते या समझते हैं। हालाँकि, स्कूल और उच्च शिक्षा में शिक्षा के माध्यम के रूप में मातृभाषाओं का उपयोग स्वतंत्रता-पूर्व के समय से ही किया जाता रहा है, दुर्भाग्य से, अंग्रेजी में अध्ययन करने के इच्छुक लोगों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इसने अंग्रेजी भाषा द्वारा शासित एकभाषी शिक्षण संस्थानों का दबदबा बढ़ा दिया है और एक ऐसे समाज का निर्माण कर रहा है जो संवेदनशील, न्यायसंगत और न्यायसंगत नहीं है। अन्य सभी मातृभाषाओं पर अंग्रेजी के प्रभुत्व की प्रकृति छात्रों की शक्ति, स्थिति और पहचान से जुड़ी है। विभिन्न मातृभाषाएं बोलने वाले छात्र एक शैक्षिक संस्थान में अध्ययन करने के लिए एक साथ आते हैं जहां वे स्कूल और उच्च शिक्षा दोनों स्तरों पर बिना किसी कठिनाई के एक-दूसरे के साथ बातचीत करते हैं। फिर भी उन्हें एक विदेशी भाषा के माध्यम से एक भाषा में पढ़ाया जा रहा है जिससे सभी छात्र संबद्ध नहीं हो पाते हैं। पूरी प्रक्रिया ने मातृभाषाओं की अज्ञानता और छात्रों में अलगाव की भावना को जन्म दिया है।

नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ एजुकेशन, प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन के अनुसार, भारत में अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों की संख्या में 2003 और 2011 के बीच आश्चर्यजनक रूप से 273त्न की वृद्धि हुई है।

उनके माता-पिता सोचते हैं कि वे ठीक-ठीक जानते हैं कि वे क्या कर रहे हैं और क्यों? उनका मानना है कि अंग्रेजी का ज्ञान नौकरी की सुरक्षा और ऊर्ध्वगामी गतिशीलता की कुंजी है, और वे आश्वस्त हैं कि उनके बच्चों के अवसरों में उनकी अंग्रेजी शब्दावली के सीधे अनुपात में वृद्धि होगी।

वे सही हैं, लेकिन उन्हें यह समझने की जरूरत है कि अंग्रेजी जानने से अच्छी नौकरी पाने में बहुत मदद मिलती है, लेकिन केवल तभी जब अंग्रेजी अर्थपूर्ण हो, अन्य सभी चीजों में समझ और बुनियादी ज्ञान के साथ बच्चे सीखने के लिए स्कूल जाते हैं।

अधिकांश भारतीय स्कूलों में इस्तेमाल की जाने वाली अंग्रेजी किसी भी चीज़ को वास्तविक रूप से सीखने की अनुमति नहीं देती है।

भारत की प्राथमिक शिक्षा रटकर सीखने, खराब प्रशिक्षित शिक्षकों और धन की कमी के लिए कुख्यात है (भारत अपने सकल घरेलू उत्पाद का केवल 2.6त्न शिक्षा पर खर्च करता है; चीन 4.1 खर्च करता है और ब्राजील 5.7 पर भारत के दोगुने से अधिक है)। शिक्षा की भाषा के रूप में अंग्रेजी इसे बदतर बना देती है - विकास की दृष्टि से, यह एक आपदा है। बच्चे के दृष्टिकोण से स्कूल पर विचार करें। ज्यादातर बच्चे छोटे होते हैं जब वे घर से निकलते हैं। अपने जीवन में पहली बार, उन्हें कई घंटों के लिए एक अजीब वातावरण में बड़ी संख्या में अन्य बच्चों के साथ सामना करना पड़ता है जिन्हें वे नहीं जानते हैं। उन्हें शांत बैठना चाहिए, चुप रहना चाहिए और केवल आदेश पर ही बोलना चाहिए। शिक्षक, जो एक अजनबी भी है, उम्मीद करता है कि बच्चे पूरी तरह से नई अवधारणाओं में महारत हासिल करेंगे- पढ़ना और लिखना; जोड़ना और घटाना; प्रकाश संश्लेषण; एक शहर और राज्य और देश के बीच का अंतर। अन्य देश अपने बच्चों के साथ ऐसा नहीं करते - चीन, फ्रांस, जर्मनी, हॉलैंड या स्पेन आदि।

शिक्षा की भाषा बस एक वाहन, व्याकरण और शब्दों का एक सहज प्रवाह होना चाहिए, जिसे हर कोई अर्थ और परिभाषा के लिए पहेली किए बिना समझ सके।

देश को अपनी अगली पीढ़ी के नेताओं की जरूरत है ताकि वे अपने क्षेत्र में पूरी तरह से महारत हासिल कर सकें ताकि वे दवा का अभ्यास कर सकें, पुल बना सकें, प्लंबिंग लगा सकें और सोलर लाइटिंग सिस्टम डिजाइन कर सकें।

और बच्चे दूसरी, तीसरी और चौथी भाषाएँ सभी अच्छे समय में सीख सकते हैं। लेकिन यह तभी होगा जब वे युवा प्रेमपूर्ण भाषा के रूप में बड़े होंगे, उन्हें खतरा महसूस नहीं होगा और इससे उन्हें आंका जाएगा। हमें उनकी जरूरत है कविता और गीत और उपन्यास लिखने के लिए। हमें चाहिए कि वे अपनी मातृभाषा पर गर्व महसूस करें, न कि क्षमाप्रार्थी और लज्जित हों जैसे कि उनकी सफलता इस बात पर आधारित है कि वे कितनी अंग्रेजी जानते हैं।

बुनियादी स्तर पर, शिक्षार्थियों द्वारा साक्षरता और संख्यात्मकता की समझ सुनिश्चित करना वाणिज्य की भाषा पर जोर देने से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा 1953 में शिक्षा में स्थानीय भाषाओं का उपयोग शीर्षक वाली एक रिपोर्ट में, दो पहलू सामने आए।

एक, इसकी पुनरावृत्ति कि स्कूल की उम्र के हर बच्चे को स्कूल जाना चाहिए और शिक्षण का सबसे अच्छा माध्यम छात्र की मातृभाषा है। और दूसरा, इसका जोर इस बात पर है कि सभी भाषाएं, यहां तक कि तथाकथित आदिम भाषाएं, स्कूली शिक्षा के लिए माध्यम बनने में सक्षम हैं; कुछ केवल दूसरी भाषा के लिए एक सेतु के रूप में, जबकि अन्य शिक्षा के सभी स्तरों पर।

प्रारंभिक वर्षों में स्कूलों में मातृभाषा का उपयोग पहुंच और ड्रॉप-आउट को रोकने के लिए आधारशिला है।

भारत में 121 मातृभाषाएँ हैं, जिनमें से 22 भाषाएँ हमारे संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल हैं, और 96.72प्रतिशत भारतीयों की मातृभाषा है।

राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में शिक्षा के दो माध्यमों तक (उदाहरण के लिए, असमिया, बंगाली, बोडो, हिंदी, अंग्रेजी, मणिपुरी और गारो) शिक्षा के दो माध्यम हैं, जिनमें से एक राज्य की मुख्य रूप से बोली जाने वाली भाषा है और दूसरी अंग्रेजी/हिंदी। स्कूलों में शिक्षा के पहले माध्यम के रूप में 25 से अधिक भाषाएं प्रचलित हैं। प्राथमिक शिक्षा अपनी मातृभाषा में प्राप्त करने वाले 95त्न छात्रों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने में पीछे नहीं रहना चाहिए। इसलिए तकनीकी शिक्षा को मातृभाषा में भी सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है।

दुनिया में बोली जाने वाली प्रत्येक भाषा एक विशेष संस्कृति, माधुर्य, रंग का प्रतिनिधित्व करती है और एक संपत्ति है। कई मनोवैज्ञानिक, सामाजिक और शैक्षिक प्रयोगों ने साबित किया कि मातृभाषा के माध्यम से सीखना गहरा, तेज और अधिक प्रभावी है। एक बच्चे का भविष्य का अधिकांश सामाजिक और बौद्धिक विकास मातृभाषा के मील के पत्थर पर टिका होता है।

अपूर्ण प्रथम भाषा कौशल अक्सर अन्य भाषाओं को सीखना अधिक कठिन बना देते हैं। अब यह साबित करने के लिए पर्याप्त शोध और सबूत हैं कि यदि बच्चों को उनकी मातृभाषा में पढ़ाया जाता है, विशेष रूप से मूलभूत वर्षों (उम्र 3 से 8) में, तो उच्च दक्षता और बेहतर परीक्षण स्कोर देखे जाते हैं।

उपलब्ध संसाधनों को देखते हुए, द्विभाषी पाठ्य पुस्तकों और ई-सामग्री आदि की सहायता से द्विभाषी शिक्षण हमारे शिक्षार्थियों के भविष्य और उनकी क्षमताओं को सुरक्षित करने के लिए एक अच्छी शुरुआत हो सकती है।

आखिर चीन उइगर मुस्लिमों पर इतने अत्याचार क्यों करता है ?

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

संयुक्त राष्ट्र संघ की लंबी रपट में ठोस तथ्य और तर्क देकर बताया गया है कि चीन के ये मुसलमान गुलामी की जिंदगी जी रहे हैं। उनकी जनसंख्या न बढ़े, इसलिए उनकी जबरन सामूहिक नसबंदी कर दी जाती है। उनकी मस्जिदों पर ताले ठोक दिए जाते हैं।

संयुक्त राष्ट्र संघ की मानव अधिकार परिषद ने चीन को कठघरे में खड़ा कर दिया है। उसकी ताजा रपट में उसने बताया है कि चीन के शिन च्यांग (सिंक्यांग) प्रांत के लगभग दस लाख उइगरों को यातना शिविरों में बंद करके रखा हुआ है। ये उइगर मुसलमान हैं। ये दिखने में भी चीनियों से अलग दिखते हैं। उनका सिंक्यांग प्रांत हमारे लद्दाख से लगा हुआ है। सैंकड़ों सालों से पैदल रास्ते चीन जाने वाले और वहां से आने वाले व्यापारी, विद्वान, यात्रीगण इसी रास्ते से आया जाया करते थे।

उइगरों का यह क्षेत्र सदियों से चीनी वर्चस्व के बाहर रहा है। कम्युनिस्ट शासन की स्थापना होने के पहले इस उइगर-क्षेत्र में आजादी का आंदोलन चलता रहा है लेकिन जब से चीन में कम्युनिस्ट शासन स्थापित हुआ है, उइगर मुसलमानों को बड़ी बेरहमी से दबाया गया है। कुछ उइगर नेताओं और व्यापारियों को अपना हथियार बनाकर चीनी सरकार उन पर निरंतर जुल्म करती रहती है।

संयुक्त राष्ट्र संघ की लंबी रपट में ठोस तथ्य और तर्क देकर बताया गया है कि चीन के ये मुसलमान गुलामी की जिंदगी जी रहे हैं। उनकी जनसंख्या न बढ़े, इसलिए उनकी जबरन सामूहिक नसबंदी कर दी जाती है। उनकी मस्जिदों पर ताले ठोक दिए जाते हैं। वहां मदरसे नहीं चलने दिए जाते हैं। इस्लामी देशों के प्रचारकों को वहां घुसने भी नहीं दिया जाता है। उनकी वेशभूषा और नाम भी बदलने की कोशिश बराबर जारी रहती है। उइगर बच्चों के स्कूलों में चीनी भाषा अनिवार्य रूप से पढ़ाई जाती है।

शिंनच्यांग प्रांत में कम्युनिस्ट पार्टी का शिंकजा इतना कड़ा है कि जो उइगर मुसलमान उसके पदाधिकारी हैं, वे चीनियों की नकल भर बने रहते हैं। सिंक्यांग प्रांत की राजधानी उरुमची और अन्य शहरों व गांवों में मुझे घूमने-फिरने और आम आदमियों से खुलकर बात करने का मौका मिला है। कई उइगरों से पेइचिंग और शांघाई में भी मेरा खुलकर संवाद हुआ है। वे अपने आप को चीनी कहने में ही संकोच करते हैं। सिंक्यांग में मैंने जैसी गरीबी देखी, वैसी दुनिया के बहुत कम देशों में देखी है।

वहां की कई महिलाओं ने शिकायत की कि चीनी लोग उनके साथ काफी बुरा बर्ताव करते हैं। राजधानी उरुमची में पाकिस्तानी छात्रों की भरमार रहती है। चीनी सरकार उन्हें लगभग मुफ्त में मेडिकल की शिक्षा देती है लेकिन उसे यह डर भी लगा रहता है कि इन इस्लामी पाकिस्तानियों के जरिए अफगानिस्तान और मध्य एशियाई मुस्लिम राष्ट्रों के आतंकवादी कहीं सिंक्यांग में अपना अड्डा न बना लें।

ये उइगर लोग भारत और पाकिस्तान को बहुत प्यार करते हैं लेकिन देखिए उनकी बदकिस्मती कि इन दोनों देशों के नेता उइगरों के मुद्दे पर मौन धारण किए रहते हैं। अमेरिका और पश्चिमी राष्ट्र जब मुंह खोलते हैं, चीन उन पर निहित स्वार्थ और दुश्मनी का आरोप लगाता है। चीनी सरकार ने संयुक्त राष्ट्र की इस ताजा रपट को भी यही कहकर रद्द कर दिया है।

साधारण बातों और संदेह से खुद को परेशानी से बचाने बेपरवाह होना एक सटीक मंत्र

साधारण बातों, तानों से आए टेंशन को भगाने अपने मस्तिष्क का थोड़ा सा पुनर्केंद्रीकरण कर बेपरवाही रूपी अस्त्र का प्रयोग जरूरी - एडवोकेट किशन भावनानी

गोंदिया - वर्ष 1972 में अपना प्रेम फिल्म का आनंद बख्शी बख़ूशी द्वारा लिखित गीत, कुछ तो लोग कहेंगे लोगों का काम है कहना, छोड़ो बेकार की बातों में कहीं बीत ना जाए रैना तथा बड़े बुजुर्गों की कहावतों को व्यवहारिक जीवन में सटीक सत्यता को सिद्ध होते हुए हम अपने दैनिक जीवन में कई बार सुनते, देखते और महसूस करते रहते हैं परंतु फिर भी उनकी दी हुई सटीक सीख, प्रेरणा और मंत्रों का उपयोग नहीं करके अपनी परेशानी का सारा दोष अपने प्रतिद्वंदीयों, आस-पड़ोस, और आगे कुछ समझ नहीं आया तो ईश्वर अल्लाह पर धकेल देते हैं, मेरा मानना है यह हमारी सबसे बड़ी मूर्खता है। बड़े बुजुर्गों की कहावतें- आप बैल मुझे मार, दूर के ढोल सुहाने लगते हैं, एक उंगली दूसरे पर उठाते ही तीन उंगलियां तुम्हारी तरफ उठती है, अपनी मस्ती में मस्त रहो सहित अनेक कहावतें जीवन में सटीक बैठती है क्योंकि हमारे दैनिक जीवन में अनेक साधारण बातें और संदेहर हमारे दिनचर्या में परेशानी खड़ी करते हैं इसलिए उनसे बचनें हमें बेपरवाही मंत्र का उपयोग करना होगा। इसलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से बेपरवाह होने और उसके गुण दोषों पर चर्चा करेंगे।

साथिया बात अगर हम चिंता, परेशानी को दूर करने बेपरवाह होने का अस्त्र अपनाने की करें तो, लगातार चिंता और संदेह हमें प्रतिदिन परेशान कर सकते हैं और हमारे तनाव का स्तर भी बढ़ा सकते हैं। यह भावनाएँ और उच्च तनाव स्तर हमको कुछ भी करने से और अपनी पसंद की चीजों का आनंद लेने से बाधित कर सकती हैं। अपने मस्तिष्क का थोड़ा सा ध्यान रखिए कि निष्पक्षता भावनात्मक प्रतिबद्धता के समय ही सबसे अच्छी तरह से प्रदर्शित होती है। यह अपनी भावनाओं को छुपाने और लोगों को भयभीत न होने देने की सर्वश्रेष्ठ विधि है। यह आपको किसी मज़बूत तथा पाषाण जैसे व्यक्ति के रूप में परिभाषित कर सकती है।लोगों की भावनाओं के प्रति संवेदनशील रहिए। बहुत अधिक बेपरवाही से लोगों को चोट पहुँच सकती है और वे आपसे दूर हो सकते हैं। दुर्भाग्यवश, यह आपके प्रिय को भी, यदि आप सावधान नहीं रहे तो, आपसे दूर कर सकता है करके हम बेपरवाह बन सकते हैं और चीजों को स्वयं को परेशान नहीं करने दे सकते हैं। हम तो मज़बूत चीजों से बने हैं और हमको कुछ भी गिरा नहीं सकता है।

साथियों बात अगर हम बेपरवाह नहीं होने याने परवाह करने वाले की करें तो, वे लोग जो उतने बेपरवाह नहीं हैं (आप कह सकते हैं, परवाह करने वाले), अपने जीवन को दूसरों की कही हुयी विधि से बदलने में व्यस्त हैं। वे दूसरों के द्वारा स्वीकार किए जाने, और प्रेम किए जाने के लिए इतना कठोर प्रयास करते हैं ताकि सब कुछ बिल्कुल वैसा ही हो जाये। संक्षेप में, वे बहुत अधिक परवाह करते हैं।और उन चीज़ों के बारे में, जिनका कुछ अर्थ ही नहीं है। इस जीवन शैली की, और दूसरों के जीवन की हम नक़ल न करें, अपनी शैली से जीवन जिएँ। हमें दूसरों के कहने की तो परवाह तो बिल्कुल नहीं करना चाहिए- हमें वही करना चाहिए जिससे हमेंको प्रसन्नता मिले।

साथियों बात अगर हम बेपरवाही में अपनें शारीरिक लैंग्वेज को ढालने की करें तो, हमें अपने हाव भाव का ध्यान रखिए- कभी कभी हम चाहे जितनी शांति और धैर्य की बातें करें, हमारे हाव भाव से रहस्य खुल जाता है। हमारी आवाज़ तो निकलती है, कोई बात नहीं। चिंता मत करिए, मगर हमारे कानों से धुआँ निकल रहा होता है और मुट्ठियाँ बंधी होती हैं। यह कोई छुपी बात नहीं होगी क्योंकि सभी लोग असलियत तो समझ ही जाएँगे। इसलिए जब हम बेपरवाही से बोल रहे हों, तब सुनिश्चित करें कि हमारा शरीर भी उसका समर्थन करे। हमारा शरीर कैसे स्थापित होगा, यह हमारी परिस्थिति पर निर्भर करेगा। जब तकहम चिंतित और परेशान (और बेपरवाह नहीं) होंगे तब मुख्य बात यह होगी कि हमारी मांसपेशियाँ तनी होंगी। यदि हम सोचते हैं कि हमारे हाव भाव से बात खुल जाएगी, तब अपने शरीर को ऊपर से नीचे तक देखिये और जानबूझ कर यह तय करिए कि हर भाग शांत रहे। यदि ऐसा नहीं हो, तब उसे ढीला करिए। मानसिक बेपरवाही यहीं से आएगी।

साथियों बात अगर हम बेपरवाह पर रहीम के दोहे और उसके अर्थ की करें तो

चाह गई चिंता मिटी, मनुआ बे परवाह।
जिनको कछू न चाहिए, वे साहन के साह।। इसका अथ-

चिंताओं का मूल है मन में नई-नई कामनाओं का पैदा होना। एक कामना पूरी होती है तो दूसरी कामना सिर उठाती है। कामनाओं को कैसे सिद्ध किया जाए, इसी चिंता में मनुष्य घुलता रहता है। वह जीवन को पूरी समग्रता से नहीं जी पाता। वह आजीवन कामनाओं का दास बना रहकर लोभ, मोह, माया, क्रोध व काम में फंसा रहता है। उसका एक पल भी शांतिपूर्वक व्यतीत नहीं होता। इसके विपरित रहीम कहते हैं, यदि कामना न रहे, चाह का लोप हो जाए तो चिंता से मुक्ति मिल जाती है। सिर से सारा बोझ उतर जाता है और मन निश्चिंत और लापरवाह हो जाता है। सच तो यह है कि जिनको कुछ नहीं चाहिए होता, जो कामना रहित होते हैं, वे शाहों के भी शाह होते हैं। साथियों बात अगर हम बेपरवाह होने के अर्थ को स्वयं को गंभीरता से ना लेने, हर स्थिति में हास्य खोजने की करें तो,स्वयं को (या किसी भी और चीज़ को) बहुत गंभीरता से नां लें-सारा जीवन तब कहीं अधिक सरल हो जाता है जब हमर इस निर्णय पर पहुँच जाते हैं कि कोई भी बात इतनी बड़ी नहीं है। हम सभी इस धरती पर एक रेत के कण के समान हैं और यदि सब कुछ हमारे हिसाब से ठीक नहीं हो रहा है, तब मान लीजिये कि ऐसा ही होना था। बुरी चीज़ें होंगी और अच्छी चीज़ें भी अवश्य ही होंगी।

अगर कोई पूछे तुमसे

जब कोई पूछे तुमसे
कि कैसे हो
तो बता देना उस सिक्के के बारे में
जो पड़ा है तलहटी में किसी पवित्र
नदी की किसी दुआ के भार में करता
हुआ अनदेखा अपनी जंग लगती
देह को और भुला दिए गए अपने
प्रति नेह को

जब कोई पूछे तुमसे
कि कैसे हो
तो सुना देना उस कौवे की कहानी
जिसे कहा जाता है मनहूस उड़ा दिया
जाता है छतों से माना जाता है प्रतीक
बुराई का और जो भुलाता चला आ
रहा है अनंत से अपने साथ होता
छल, गिरा दिए जाते हैं जिसके अंडे
उसी के घर से एक ऐसे समजात
द्वारा जिसके गीत माने जाते हैं कोई
मीठी नज़्म मगर जिनमें दबे हैं कहीं
उस कौवे के ताज़े-हरे ज़ख़्म

अगर कोई पूछे तुमसे
कि कैसे हो तो दिखा देना उस
आदमी को किसी लोकल ट्रेन,
किसी चौराहे, या किसी बाज़ार में
बेचते हुए दुआएँ और छुपाते हुए
अपना असल नपुंसकता की खोल
में जिसे लील गई लाचारी, भूख, या
माँ-बाप की बीमारी और जो पी
गया घूंट में मिलाकर अपने पौरुष
को किसी कड़वे घोल में

शार्ट न्यूज

सिद्धार्थनगर : घर में घुसकर छेड़खानी करने के आरोपी को गांववालों ने पेड़ से बांधकर पीटा

सिद्धार्थनगर। यूपी के सिद्धार्थनगर में घर में घुसकर छेड़छाड़ करने के आरोपी युवक को पकड़कर गांव के लोगों ने पेड़ से बांध दिया और लाठियों से जमकर पीटा। इसका एक वीडियो शुक्रवार देर शाम वायरल होने पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। इसके साथ जिस महिला के ससुर की तहरीर पर आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। एसपी ने कहा कि युवक की पिटाई करने वालों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया जाएगा। वायरल वीडियो में दिख रहा है कि कुछ लोग एक युवक को पेड़ में रस्सी से बांध कर लाठियों से पिटाई कर रहे हैं। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। वीडियो को संज्ञान में लेकर जांच की गई तो मामला छेड़खानी से जुड़ा हुआ मिला। जिस विवाहित महिला के साथ छेड़छाड़ की गई है उसके ससुर ने भवानीगंज थाना पर तहरीर देकर आरोप लगाया कि दो सितंबर की रात दो बजे बस्ती जिले के कटरिया नानकार थाना सोनहा निवासी युवक उनके घर में घुस कर बहु से छेड़खानी करने लगा। शोर सुनकर हम सभी जाग गए और युवक को पकड़ लिया। युवक को पकड़ कर थाने पर वही लोग ले भी गए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी युवक के खिलाफ धारा 354, 452 के तहत केस दर्ज कर लिया है। भवानीगंज थानाध्या गौरव सिंह ने बताया कि पीड़ित महिला के ससुर की तहरीर पर आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। युवक के घर के वालों को सूचना दे दी गई है। पिटाई करने वालों के खिलाफ तहरीर मिलने पर उनपर भी कार्रवाई होगी।

ज्ञानवापी परिसर में मजार पर चादरपोशी व उर्स की मांग की सुनवाई 14 सितंबर तक टली

वाराणसी। ज्ञानवापी परिसर में मजार पर चादरपोशी और उर्स की मांग की सुनवाई 14 सितंबर तक टल गई है। ये मामला सिविल जज (सीनियर डिवीजन) फ़ास्ट ट्रैक कोर्ट महेंद्र कुमार पांडेय की अदालत में चल रहा है। दरअसल पीठासीन अदालत के अवकाश पर होने के कारण सुनवाई नहीं हो सकी। बता दें कि लोहता निवासी मुख्तार अहमद अंसारी, कच्चीबाग निवासी अनीसुर रहमान व तीन अन्य ने अदालत में अर्जी में कोर्ट से गुजारिश की गई है कि विपक्षीगण को मना किया जाए कि ज्ञानवापी परिसर स्थित तीन दृश्य मजार और अदृश्य मजार पर चादर चढ़ाने, फातिहा पढ़ने और वार्षिक उर्स का आयोजन करने का अधिकार से वंचित नहीं किया जाए। इसके साथ ही राज्य सरकार, अन्जुमन इन्तजामिया मसाजिद, डीएम और पुलिस आयुक्त को आदेश दिया जाए कि उन्हें न रोकें। अदालत के पीठासीन अवकाश पर होने के कारण सुनवाई टल गई।

मुख्यमंत्री को अपनी समस्याएं बताने पहुंची महिला को लिया गया हिरासत में

मुरादाबाद। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मुरादाबाद आगमन की सूचना पर जिलेभर के फरियादियों की भारी भीड़ शनिवार सुबह से ही सर्किट हाउस के सामने इकट्ठा थी। एक फरियादी महिला ने पूर्व पुलिस अधिकारियों पर उत्पीड़न करने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री से न्याय की गुहार लगाते हुए उनसे मिलने के लिए बहुत देर तक हंगामा किया। महिला ने आरोप लगाते हुए कहा कि पूर्व अफसरों के इशारे पर उसके परिवार वालों पर झूठे मुकदमे दर्ज कराए गए जिसके कारण उसका परिवार बर्बादी की कगार पर जा पहुंचा है। मौजूद महिला पुलिस अधिकारियों ने हंगामा करती महिला को समझाने का प्रयास किया लेकिन महिला लगातार शोर मचाने के साथ मुख्यमंत्री से मुलाकात कर न्याय की गुहार लगाती रही लेकिन पुलिसकर्मियों और अधिकारियों मे से किसी का दिल नहीं पसीजा। मझोला पुलिस ने महिला फरयादी को हिरासत में ले कर थाने में भेज दिया गया। पुलिस के वाहन मे जबरन बैठाते समय महिला जोर जोर से रोने लगी। चीख पुकार सुनकर सर्किट हाउस मे खड़े आला अधिकारी भी गेट के पास आ गए और मामला मुख्यमंत्री के संज्ञान में पहुंचने से पहले हंगामा शांत कराए जाने के अधीनस्थों को आदेश दे दिए गये।

दलित छात्र को पीटने वाला शिक्षक निलंबित

बलिया। उत्तर प्रदेश में बलिया जिले के नगरा क्षेत्र में बाईक पर हाथ रखने पर एक दलित छात्र की लाठी डंडे से पिटाई का माामला सामने आने के बाद बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) ने आरोपी शिक्षक को निलंबित कर दिया है वहीं पुलिस ने शिक्षक पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को बताया कि क्षेत्र के कौवापार निवासी कक्षा छह के छात्र विवेक ने आरोप लगाया है कि वह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रनऊपूर में कक्षा छह में पढ़ता है जहां तैनात शिक्षक कृष्णमोहन शर्मा ने शुक्रवार को विद्यालय में मध्यकालीन अवकाश के दौरान अपनी बाईक पर हाथ रखने पर कमरे में बंद कर डंडे और लोहे की राड से पीटा, जिससे उसे गंभीर चोटें आई हैं । इस संबंध में बीएसए मनीराम सिंह ने बताया कि शनिवार को आरोपी शिक्षक कृष्णमोहन शर्मा को निलंबित कर दिया गया है । थाना प्रभारी नगरा देवेन्द्र दुबे ने बताया कि शनिवार को आरोपी कृष्णमोहन शर्मा के विरूद्ध भारतीय दंड संहिता व एस सी/एस टी एक्ट की सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है । मामले की जांच की जा रही है ।

अमरोहा : चार करोड़ से अधिक लागत से बनने वाली सड़क का शिलांयास

अमरोहा। उत्तर प्रदेश के अमरोहा से बसपा सांसद कुँवर दानिश अली ने प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजना (पीएमजीएसवाई) के तहत चार करोड़ से अधिक लागत से बनने वाली सडक का शिलान्यास किया। अमरोहा लोकसभा सीट से सांसद कुंवर दानिश अली द्वारा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 04 करोड़ 44 लाख 45 हजार रुपये की लागत से तैयार होने वाले हसनपुर से गलसुआ मार्ग वाया हैबतपुर दाउदपुर का शिलान्यास किया। यह मार्ग हसनपुर से गलसुआ मार्ग वाया हैबतपुर दाऊदपुर लम्बाई 9.400 किमी एवं 3.75 मी. चौडाई में उच्चीकृत किया जाना है। मार्ग पर पड़ने वाली में सीसी इंटरलॉकिंग टाईल्स का प्रावधान है, यातायात के सुगम आवागमन, सुरक्षा एवं जानकारी के दृष्टिगत मार्ग पर सूचना बोर्ड, आबादी बोर्ड, चेतावनी बोर्ड इत्यादि लगाये जाने का प्रावधान है। इस मार्ग के उच्चीकरण होने के उपरान्त मार्ग पर प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से पड़ने वाले हैबतपुर, दाऊदपुर जागीर, अंधेरपुरी, ब्राहमाबाद, गलसुआ एवं अलीपुर भूर की लगभग 10000 की आबादी को लाभ पहुंचेगा। इस दौरान हसनपुर तहसील क्षेत्र के शाहपुर कलां, मंगरौला, गंगवार, बुरावली व हसनपुर शहर में जगह जगह सांसद दानिश अली का ग्रामीणों द्वारा जोरदार स्वागत किया गया।लोकसभा क्षेत्र में सांसद क को जनसरोकारी राजनेता के रूप में पहचाना जाता है।इस दौरान लोगों की समस्याओं को सुनकर उनके निराकरण करने का भरोसा दिलाया।

कुशीनगर : एक सप्ताह में पकड़े गये 35 लाख रुपये के मादक पदार्थ

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार पर नकेल कसने के लिये योगी सरकार द्वारा चलाये गये राज्यव्यापी अभियान के तहत कुशीनगर जिले में पिछले एक सप्ताह के दौरान पुलिस ने लगभग 35 लाख रुपये कीमत के नशीले पदार्थ पकड़े हैं। कुशीनगर के पुलिस अधीक्षक धवल जायसवाल ने शनिवार को बताया कि पुलिस ने 24 अगस्त से 31 अगस्त तक विशेष अभियान चला कर 35 लाख रुपये के मादक पदार्थ एवं ड्रग्स बरामद किये। इस अभियान में 90 किग्रा गांजा एवं 115 ग्राम स्मैक बरामद हुआ। वहीं पुलिस ने बरामदगी के दौरान कुल 19 तस्करों को गिरफ्तार भी किया है। इस दौरान पकड़े गये 20 तस्करों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई भी की गयी है। गौरतलब है कि नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ शासन के निर्देश पर एसपी धवल जायसवाल ने जिले में 24 अगस्त को विशेष अभियान की शुरूआत की थी। उन्होंने कहा कि इस अभियान में 31 अगस्त तक जिले के सभी थानों की पुलिस ने अहम कामयाबी हासिल की है। उन्होंने बताया कि शुरूआती एक सप्ताह में पकड़े गये मादक पदार्थों की अनुमानित कीमत 34 लाख 91 हजार 720 रुपये आंकी गयी है। मादक पदार्थों की तस्करी में 18 मुकदमे और ड्रग्स की तस्करी में 5 मुकदमे दर्ज किये गये हैं। पकड़े गये 19 तस्करों सहित 20 तस्करों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट में भी मुकदमा दर्ज किया गया है।

एससीआर में शामिल होंगे लखनऊ, सीतापुर, उन्नाव समेत छह जिले

लखनऊ। यूपी को एनसीआर की तरह विकसित करने को लेकर योगी सरकार ने नई कार्य योजना तैयार की है। योगी सरकार एनसीआर की तर्ज पर यूपी में अब एससीआर बनाने जा रही है, जिसमें प्रदेश के छह जिलों को शामिल किया जाएगा। दरअसल सीएम योगी आदित्यनाथ ने संतुलित, समावेशी और स्थायी शहरी नियोजन के जिन उद्देश्यों के साथ उत्तर प्रदेश राज्य राजधानी क्षेत्र की परिकल्पना की है, वह आम आदमी को ईज ऑफ लिविंग के सभी मानकों पर विश्वस्तरीय अहसास कराने वाला होगा।

देश में पहली बार किसी राज्य में गठित होने जा रही इस विशिष्ट राजधानी क्षेत्र का लक्ष्य राजधानी लखनऊ पर बढ़ती जनसंख्या से इंफ्रास्ट्रक्चर पर दबाव, अनियोजित विकास, क्षेत्र विशेष का ही विकास जैसी चुनौतियों का समाधान पाना है। सीएम की मंशा है कि यह विशिष्ट क्षेत्र स्थिरता, स्वास्थ्य देखभाल, संस्कृति, पर्यावरण, शिक्षा और बुनियादी ढांचे के वैश्विक मानकों के अनुरूप जीवंतता सूचकांक (लिवेलीहुड इंडेक्स) में अपनी खास जगह बनाने वाला हो। सीएम के निर्देश के बाद अब आवास एवं शहरी नियोजन विभाग द्वारा इसकी कार्ययोजना तैयार की जा रही है।

प्रदेश की राजधानी होने के कारण जाहिर तौर पर लखनऊ का विकास दूसरे जिलों के सापेक्ष कहीं ज्यादा है। बीते 05 वर्षों में शिक्षा, स्वास्थ्य, शानदार नगरीय सुविधाओं के साथ लखनऊ में रहना और आरामदायक बन गया है। बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर होने के नाते से निवेशक भी लखनऊ की ओर आकर्षित होते हैं, सो रोजगार की दृष्टि से भी यहां अपार अवसर हैं। ऐसे में बड़ी संख्या में दूसरे जिलों के लोग यहां अपना स्थायी ठिकाना बनाना चाहते हैं। यही वजह है कि यहां रियल एस्टेट सेक्टर में बूम है। लेकिन इन सबके बीच इंफ्रास्ट्रक्चर पर दवाब बढ़ता जा रहा है, साथ ही अनियोजित विकास की समस्या भी उपज रही है। मुख्यमंत्री योगी इन्ही समस्याओं का स्थायी हल देने की कोशिश में हैं।

बीते दिनों राज्य राजधानी क्षेत्र की अपनी परिकल्पना साझा करते हुए मुख्यमंत्री ने .1 ट्रिलियन इकोनॉमी के लक्ष्य की पूर्ति के लिए सभी जिलों की भूमिका पर जोर दिया। राजधानी लखनऊ पर दबाव कम हो और इससे जुड़े उन्नाव, रायबरेली, कानपुर नगर व कानपुर देहात, बाराबंकी में भी हाईटेक टाउनशिप हों, मेट्रो की सेवा हो, औद्योगिक विकास में संतुलन हो, इसके लिए राजधानी को केंद्र में रखते हुए एक एकीकृत विकास योजना की जरूरत है।

सीएम योगी की कोशिश रंग लाई तो राज्य राजधानी क्षेत्र (एससीआर) अंतरजनपदीय क्षेत्रीय योजना और विकास का एक अद्वितीय उदाहरण होगा। प्रारंभिक रूप से इस योजना में लखनऊ का राजधानी लखनऊ का पूरा क्षेत्र, उन्नाव, रायबरेली, बाराबंकी कानपुर नगर व कानपुर देहात जिलों की शामिल किया जा रहा है। हालांकि अंतिम निर्णय विस्तृत कार्ययोजना तैयार होने के बाद हो सकेगा।

इसलिए जरूरी है एससीआर

- समन्वित और संतुलित विकास के लिए राजधानी के रूप में लखनऊ की क्षमताओं को विस्तार देना।
- लखनऊ और आस पास के जिलों के पोटेंशियल का समन्वित उपयोग करना।
- आर्थिक प्रगति को तेज रफ्तार देना।
- संतुलित और समवेशी औद्योगिक विकास के लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक एकीकृत कार्ययोजना तैयार करना।
- रोजगार के नवीन अवसर सृजित करना।
- प्रति व्यक्ति आय में बढ़ोतरी के लिए ठोस प्रयास करना।
- शिक्षा व स्वास्थ्य के लिए विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास करना।
- ईज ऑफ लिविंग के आयाम जैसे, इको फ्रेंडली जन परिवहन कन्वेंशन सेंटर, स्टेडियम मॉल, पार्क, जिम आदि की सहज उपलब्धता।

समन्वय, निर्णय, और अनुश्रवण के लिए बनेंगी शासन स्तर की कमेटियां

राज्य राजधानी क्षेत्र के लिए दो प्रमुख समितियां गठित करने की तैयारी है। पहली मुख्य सचिव की अध्यक्षता में उच्चाधिकार प्राप्त समिति होगी, जिसमें सभी सम्बंधित विभागों के अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव शामिल होंगे। जबकि दूसरी कार्यकारी समिति होगी, जिसे अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव आवास एवं शहरी नियोजन की अध्यक्षता में गठित करने की तैयारी है। इस समिति में लखनऊ, कानपुर और अयोध्या मंडल के मंडलायुक्त, सभी संबद्ध जिलों के जिलाधिकारी, सम्बंधित विकास प्रधिकरणों के उपाध्यक्ष और अन्य विशेषज्ञ शामिल होंगे।

फेसबुक पर हिंदू बनकर युवती से की दोस्ती, जन्मदिन के बहाने घर बुलाकर किया दुष्कर्म

एजेंसी

फतेहपुर। यूपी के फतेहपुर जिले में दूसरे समुदाय के एक युवक हिंदू बनकर युवती के साथ दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी फेसबुक पर हिंदू युवक बनकर दोस्ती की फिर जन्मदिन के बहाने घर बुलाया और रेप किया। पीड़िता के बयान पर सदर कोतवाली ने मामला दर्ज कर लिया और अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है।

पीड़िता के मुताबिक सदर कोतवाली क्षेत्र के त्रिलोकपुर का रहने वाले रोमी खान उर्फ शिबलू ने एक साल पहले फेसबुक के जरिए दोस्ती की थी। उसने खुद का हिंदू धर्म का बताता था। 21 अप्रैल को रोमी ने जन्मदिन के बहाने युवती को घर बुलाया। जिसके बाद कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पीने को दिया।

जब युवती बेहोश हो गई तो उसने युवती के साथ दुष्कर्म किया और इसका वीडियो बनाया।

कुछ दिनों बाद आरोपी वीडियो वायरल करने की धमकी देकर बुलाता युवती को बार-बार बुलाता और दुष्कर्म करता। इसके बाद धर्म परिवर्तन कराने का दबाव डालने लगा और जान से मारने की धमकी देने लगा। युवती ने बताया कि युवक आए दिन परेशान करने लगा।

28 अगस्त को वह उसके घर तक पहुंच गया और गाली गलौज करने लगा। इसके बाद पुलिस ने युवक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई। पुलिस के मुताबिक युवक के खिलाफ 328, 354डी, 378, 504 और 506 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया।

यूपी में पौने तीन करोड़ से ज्यादा लोगों को मिल चुकी है कोरोना की बूस्टर डोज

लखनऊ। देश की घनी आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश में पौने तीन करोड़ से ज्यादा लोगों को वैश्विक महामारी कोरोना के खिलाफ लड़ने के लिये बूस्टर डोज दी जा चुकी है। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को दावा किया कि उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चल रहे बूस्टर डोज (अमृत डोज) अभियान ने देश के अन्य राज्यों के सामने लंबी लकीर खींच दी है। अमृत डोज अभियान में मात्र 45 दिन के अंदर ढाई करोड़ से ज्यादा लोगों का वैक्सिनेशन हो चुका है, जबकि गुजरात को छोड़कर देश के अन्य राज्य इस आंकड़े के आधे पर भी नहीं हैं। यूपी में 15 जुलाई से शुरू हुआ अमृत डोज अभियान आगामी 30 सितंबर तक चलेगा। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार तीन सितंबर तक यूपी ने कुल 37 करोड़ 18 लाख 54 हजार 92 कोविड डोज लगाकर एक नजीर पेश की है,वहीं अमृत डोज में भी यूपी ने बड़ा कीर्तिमान गढ़ा है। प्रदेश ने अब तक दो करोड़ 75 लाख 47 हजार 150 लोगों को अमृत डोज लगाने का रिकॉर्ड बना लिया है। यूपी में 18 से 59 वर्ष के दो करोड़ पांच लाख 85 हजार 789 और 60 साल के ऊपर के 69 लाख 61 हजार 361 लोगों को बूस्टर डोज लगायी जा चुकी है। उन्होने बताया कि कोरोना टीकाकरण के मामले में महोबा का प्रदर्शन यूपी में सबसे अच्छा है। इसी प्रकार रायबरेली, देवरिया, मुजफ्फरनगर, चित्रकूट, कन्नौज, मैनपुरी, पीलीभीत, भदोही और मऊ में अमृत डोज अभियान प्रदेश के औसत (20.6 प्रतिशत) से काफी ऊपर है।

एसडीएम के कार्रवाई से नाराज हुए राज्यमंत्री सुरेश राही, डीएम कार्यालय पर धरने पर बैठे

सीतापुर। एसडीएम सदर की कार्रवाई से नाराज कारागार राज्यमंत्री सुरेश राही शनिवार को डीएम कार्यालय पर धरने पर बैठ गए। उन्होंने एसडीएम सदर को हटाने की मांग रखी। जिसके बाद जिले के डीएम अनुज सिंह को धरना स्थल पहुंचना पड़ा। उन्होंने मंत्री सुरेश राही को बुलाकर बात की और ग्रामीणों की समस्याओं के निराकरण करने का आश्वासन दिया। हालांकि मंत्री सुरेश राही ने अपने बयान में कहा है कि उन्होंने धरना नहीं दिया है, बाबा जी की सरकार में धरना नहीं देना पड़ता है, वह ग्रामीणों की समस्याओं को सुनने आए थे। उनकी समस्या सुननी पड़ेगी, वह कुर्सी पर बैठे। दरअसल 170 ग्रामीणों को एसडीएम ने 107/116 की नोटिस दी है। इनमें अधिकतर ग्रामीण गांव में नहीं रह रहे हैं। मंत्री ने कहा कि वह यही पूछने आए थे कि नोटिस का आधार क्या है।

ट्रक ने बस को मारी जोरदार टक्कर, हादसे में चार लोगों की मौत

एजेंसी

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में शनिवार सुबह हुए एक भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। तड़के 3.30 बजे बाराबंकी के मानहुंगपुर इलाके के पास एक तेज रफ्तार ट्रक डबल ट्रक डेकर बस से टकरा गया। ये बस नेपाल से गोवा जा रही थी। हादसा उस वक्त हुआ जब बस खड़ी थी और बस का ड्राइवर

पंचर हुआ टायर बदल रहा था। इस बीच एक तेज रफ्तार ट्रक ने बस को जोरदार टक्कर मारी। जिस वक्त ये हादसा हुआ उस वक्त बस में 60 यात्री सवार थे। हादसे के तुरंत बाद मौके पर पहुंची रामनगर पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती करवाया। हादसे में घायल हुए 14 लोगों को तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया और वहां से दो गंभीर रूप से घायल लोगों को लखनऊ ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया।

इस मामले को लेकर बाराबंकी के एडिशनल एसपी पूर्णेंदु सिंह ने न्यूज एजेंसी को बताया कि पंचर टायर को बदलने के लिए बस खड़ी की गई थी कि इस बीच ट्रक ने बस में टक्कर मार दी। इस हादसे में 14 लोग घायल हुए जिनमें से चार की इलाज के दौरान मौत हो गई जबकि दो अन्य लोगों को लखनऊ ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया है। बस में सवार बाकी यात्रियों को वापस भेजने की व्यवस्था की जा रही है। बताया जा रहा है कि बस में यात्रा करने वाले सभी लोग मजदूर थे जो काम के लिए नेपाल से गोवा जा रहे थे।

अवसाद से ग्रस्त मां ने दो मासूम बच्चों का गला घोंटा, खुद फांसी लगाकर की आत्महत्या

जौनपुर। जौनपुर में अवसाद से ग्रस्त एक युवती ने अपने दो अबोध बच्चों का गला दबाकर खुद फांसी पर लटक गई। सूचना पर मौके पर पहुंची कोतवाली थाना की पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जिसके बाद पूरे गांव में हड़कंप मच गया है।

ये मामला केराकत कोतवाली थाना क्षेत्र के तरियारी गांव का है। गांव के मनोज पाल की शादी 12 साल पहले लाइन बाजार थाना क्षेत्र के परियाएं मेंसरोजा पाल से हुई थी। शादी के दस साल बाद जुड़वां बच्चे पैदा हुए थे। जिसमें लड़का तनवेश और लड़की का नाम तन्वी था। दोनों की उम्र 11 माह थी। मनोज पाल मुम्बई रहकर प्राइवेट इलेक्ट्रीशियन का काम करता था। दो महीने पहले मनोज अपनी 29 वर्षीय पत्नी सरोजा को मुम्बई से लेकर घर आ गया।

शुक्रवार को गांव में गणेश पूजा का भंडारा था, जिसमें वह गया था। जहां रात में रुक गया। शनिवार को सुबह छह बजे वह घर आया तो दरवाजा अन्दर से बन्द था। दरवाजे खोलवाने लगा तो कोई आवाज नहीं आई। अनहोनी की आशंका होते ही स्वजनों की मदद से दरवाजा खोला तो देखा कि सरोजा गाटर के हुक से गमछे के सहारे फांसी पर लटकी हुई थी और दोनों बच्चें को मृत जमीन पर पड़े थे। वारदात की जानकारी होने के बाद आसपास के गांवों में खलबली मच गई। इस बाबत सूचना मिलने पर सीओ गौरव शर्मा, थाना प्रभारी निरीक्षक संजय वर्मा मौके पर पंहुचे और स्वजनों एवं पति से पूछताछ की। शव को कब्जे में ले कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

प्रारंभिक जांच में पता चला है कि मां ने बच्चों को गला दबाकर मार दिया उसके बाद खुद फांसी पर लटक गई। मृतका के ससुर मनिराज मुंबई में हैं, जबकि सास यहीं घर पर हैं। इस घटना से हर कोई अचंभित है।

तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आकर बाइक सवार की मौत

झांसी। उत्तर प्रदेश में झांसी -कानपुर बाईपास पर शनिवार को भोजला गांव की ओर जा रहे बाइक सवारों को एक तेज रफ्तार ने पीछे से टक्कर मार दी । इस दुर्घटन में एक युवक की मौत हो गयी जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गये। दुर्घटना में मारे गये युवक की पहचान हेमंत अहिरवार (21) के रूप में हुई है। हेमंत भोजला में नौकरी करता था और आज सुबह दो दोस्तों के साथ बाइक से कानपुर हाईवे से होता हुआ भोजला जा रहा था। जैसे ही हेमंत भोजला गांव की ओर जाने के लिए हाईवे से सर्विस लेन पर उतरा उसी समय पीछे से एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी।

परिवहन विभाग में होगी 74 एआरएम और 734 सिपाहियों की भर्ती : दयाशंकर सिंह

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने कहा है कि प्रदेश के परिवहन विभाग में 74 एआरएम और 734 सिपाहियों की शीघ्र भर्ती की जाएगी, साथ ही साथ जितने एआरटीओ, आरआई और पीटीओ कम है सब की भर्ती की जाएगी। परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह शनिवार को जौनपुर जिले में मां दुर्गा सीनियर सेकेंडरी विद्यालय सिद्धिकपुर में संस्थापक डॉ छविनाथ सिंह की 78 वीं जयन्ती पर आयोजित तीन दिवसीय निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ करने के पश्चात पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अब लाइसेंस बनवाने में किसी भी प्रकार का भ्रष्टाचार नहीं हो सकेगा , क्योंकि मैंने शत प्रतिशत शिक्षार्थी लाइसेंस (लर्निंग लाइसेंस) को ऑनलाइन कर दिया है, अब किसी को एआरटीओ दफ्तर जाने की जरूरत नहीं है वह अपने गांव के जन सुविधा केंद्र अथवा अपने कंप्यूटर या मोबाइल से अपना लाइसेंस बना सकता है और जन सुविधा केंद्र पर जाकर 20 रुपये शुल्क देकर उसे प्राप्त कर सकता है। उन्होंने कहा कि इसी तरह स्थाई लाइसेंस (परमानेंट लाइसेंस) को भी हमने स्लाट दुगुना करके जारी करने की प्रक्रिया लागू की है, अब किसी को विभाग के ऊपर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा , इस प्रक्रिया से विभाग न किसी के लाइसेंस को पास कर सकेगा न फेल कर सकेगा, आवेदक स्वत: पास फेल होंगे।

पांवधाई नदी को जल्द मिलेगी प्रदूषण से आजादी

एजेंसी

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में प्रदूषण का शिकार ऐतिहासिक पांवधोई नदी को स्वच्छ करने की ठोस योजना बनायी गयी है जिसे मंजूरी मिलने के बाद नदी को प्रदूषण से निजात दिलाने की दिशा में काम शुरू कर दिया जायेगा। नगरायुक्त गजल भारद्वाज ने शनिवार को बातचीत मे कहा कि पांवधोई नदी को साफ करने के पूर्व में बहुत सकारात्मक प्रयास किए गए हैं और अब उनके द्वारा ठोस प्रस्ताव तैयार किए जा रहे हैं जिन्हें कमिश्नर डा. एम लोकेश की स्वीकृति मिलने के बाद क्रियान्वित किया जाएगा।

उन्होंने उम्मीद जताई की एक साल के भीतर नगर वासियों को अच्छे नतीजे मिलेंगे और पांवधोई नदी में स्वच्छ जल प्रवाहित होने लगेगा। उन्होने बताया कि स्मार्ट सिटी, नमामी गंगे और अमृत योजना के तहत पूरे नगर में गंदे पानी की निकासी के लिए सीवर लाइन डाली जाएगी और औद्योगिक एवं घरेलू कचरे एवं प्रदूषित पानी को साफ करने के लिए 150 एमएलडी क्षमता के सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट लगाए जाएंगे। नगर में सफाई और कूड़ा निस्तारण की व्यवस्था में सुधार किया जाएगा।

भारद्वाज ने कहा कि नगरवासी सात किलोमीटर लंबी इस नदी में कूड़ा करकट और गंदगी ना फेंके इसके लिए उन्हें और भी जागरूक किया जाएगा।

पूर्व नगरायुक्त ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि उनके कार्यकाल में इस नदी की सफाई को लेकर विशेष कार्ययोजना तैयार की गई थी।

अभी नगर में ना तो सीवर लाइन है और साथ ही सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट भी केवल 38 एमएलडी क्षमता का कार्यरत है जो कि नाकाफी है।

सोशल मीडिया पर 'महाराज की आंधी', पीछे छूटे राहुल गांधी

एजेंसी

गोरखपुर। बुलडोजर बाबा, योगी जी महाराज जैसे नामो से लोकप्रिय उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लोकप्रियता के मामले में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से आगे निकल गये हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्विटर पर योगी आदित्यनाथ के फालोअर्स की संख्या कांग्रेस के दिग्गज नेता राहुल

गांधी से अधिक हो चुकी है। इस वक्त ट्विटर पर राहुल गांधी के 21.4 मिलियन फॉलोअर्स हैं, जबकि योगी आदित्यनाथ के 21.5 मिलियन फॉलोअर्स हो चुके हैं।

अधिकृत सूत्रों ने शनिवार को बताया कि सोशल मीडिया पर मुख्यमंत्री योगी की सक्रियता और तत्कालीन मुद्दों पर प्रतिक्रिया को आम जनता द्वारा काफी पसंद किया जाता है। सोशल मीडिया के जरिए सीएम योगी की आम जनता तक पहुंच किसी अन्य नेता के मुकाबले काफी तेजी से बढ़ी है। युवा बड़ी संख्या में उनके साथ जुड़ रहे हैं। विधानसभा चुनाव के दौरान योगी ने चुनावी रैली के साथ-साथ सोशल मीडिया के जरिए चुनावी कैंपेन को बखूबी अंजाम दिया था।

उन्होने बताया कि योगी के किसी भी ट्वीट पर लाइक, रिट्ववीट और कमेंट्स देखकर एक बात साफ है कि लोग उनकी बात से ज्यादा से ज्यादा जुड़ना चाहते हैं।

गूगल ट्रेंड्स के आंकड़े बताते हैं कि दिसंबर 2021 से अप्रैल 2022 तक वेब सर्च में योगी आदित्यनाथ लगातार राहुल गांधी पर भारी पड़े हैं। विधान सभा चुनाव के दौरान योगी आदित्यनाथ की खबरें सबसे ज्यादा सर्च की गई हैं।

बुलंदशहर : लंपी वायरस से एक दर्जन पशुओं की मौत, सैकड़ों हुए बीमार

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश में बुलंदशहर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में पशुओं में तेजी से फैल रहे जानलेवा लंपी वायरस के संक्रमण की चपेट में आने से अब तक एक दर्जन से अधिक पशुओं की मौत हो चुकी है, जबकि सैकड़ों पशु बीमार हो गये हैं।

जिले के मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ आनंद कुमार ने शनिवार को बताया कि शासन के निर्देश पर जिला प्रशासन ने गोवंश को निशाना बनाने वाले लंपी वायरस की रोकथाम के लिये जानवरों में टीकाकरण शुरु कर दिया है। अब तक 15,000 से अधिक गोवंश का टीकाकरण किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि जिले के अनूपशहर, जहांगीराबाद, सिकंदराबाद और ऊंचागांव ब्लॉक में इस वायरस का प्रकोप देखा गया है। डा कुमार ने बताया कि पशु चिकित्सकों और कर्मचारियों की टीम गांव गांव जाकर पशुओं का टीकाकरण कर रही है। बीमार पशुओं का इलाज किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि इससे संक्रमित जानवर के शरीर पर गांठें आने लगती हैं। डा कुमार ने बताया कि संक्रामक रोग होने के कारण, पशुओं को बांधने की जगह साफ सफाई रखना चाहिये। साथ ही संक्रमित पशु से अन्य पशुओं को दूर रखने और रोगी पशुओं के बचे चारे को नष्ट करने की भी उन्होंने सलाह दी है। जिले में अब तक 1 दर्जन से अधिक गोवंश लंपी वायरस के प्रकोप से मर चुके हैं। इनमें बिछट सुजानपुर गांव में 03, धनोरा गांव में 04 और सेदमपुर गांव में 01 पशु की मौत शामिल है।

विभागीय कर्मचारियों ने सूचना के आधार पर 20 पशुओं का सैंपल लेकर जांच के लिए भेजा है। इसमें से अभी तक 12 की रिपोर्ट प्राप्त हो चुकी है। इनमें से केवल एक सैंपल पॉजिटिव मिला है। डा कुमार ने बताया जिले में 400 से अधिक गोवंश बीमार हैं। जिन का इलाज किया जा रहा है।

शार्ट न्यूज

1.14 लाख करोड़ का रिफंड जारी

नयी दिल्ली। आयकर विभाग ने चालू वित्त वर्ष में एक अप्रैल से 31 अगस्त तक कुल मिलाकर 1.97 करोड़ करदाताओं को 1.14 लाख करोड़ रुपये का रिफंड किया है। विभाग ने आज यह जानकारी देते हुये कहा कि 19600998 मामलों में 61252 करोड़ रुपये का आयकर रिफंड किया गया है। इसी तरह से 146871 मामलों में 51158 करोड़ रुपये कंपनी कर का रिफंड किया गया है।

अरविंद कुमार सिंह बने सेल के निदेशक

नयी दिल्ली। श्री अरविंद कुमार सिंह ने 03 सितंबर, 2022 को स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के निदेशक (तकनीकी, परियोजना एवं कच्चा माल) पद का कार्यभार ग्रहण किया। कंपनी ने आज यहां बताया कि इससे पहले श्री सिंह सेल के इस्को स्टील प्लांट के कार्यपालक निदेशक (संकार्य) थे। श्री सिंह बीआईटी, सिंदरी मेटलर्जिकल इंजीनियर हैं और 1987 में कंपनी के भिलाई स्टील प्लांट से प्रबंधन प्रशिक्षु (तकनीकी) के रूप में अपने कैरियर की शुरुआत की। सेल के विभिन्न एकीकृत इस्पात संयंत्रों में काम करते हुए श्री सिंह लगातार पदोन्नति करते हुए, इस्को स्टील प्लांट के कार्यपालक निदेशक बने। श्री सिंह को कोक ओवन, स्टील मेकिंग, कंटीन्यूअस कॉस्टिंग और रोलिंग जैसे स्टील प्लांट के संचालन के विभिन्न पहलुओं में व्यापक ज्ञान और अनुभव है। श्री सिंह ने संयंत्र संचालन और संयंत्र उत्पादकता में सुधार लाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतें यथावत

नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतों के 100 डॉलर प्रति बैरल से नीचे बने रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर आज पेट्रोल और डीजल के दाम में आज कोई परिवर्तन नहीं हुआ। साप्ताहांत पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लंदन ब्रेंट 93.02 डॉलर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रुड 87.25 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। घरेलू स्तर पर तेल विपणन करने वाली कंपनी भारत पेट्रोलियम के अनुसार, घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर यथावत है। पिछले दो महीने से अधिक समय से तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। मुंबई में पेट्रोल और डीजल के दाम क्रमश: 106.31 रुपये प्रति लीटर और 94.27 रुपये प्रति लीटर हैं। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें मूल्य वर्धित कर (वैट) और माल ढुलाई शुल्क के आधार पर सभी राज्यों में अलग-अलग हैं। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की प्रतिदिन समीक्षा की जाती है।

अमेजन का फाइंड लाइफ अभियान

बेंगलुरु। ऑनलाइन मार्केटप्लेस अमेजन डॉटइन ने उसकी वेबसाइट पर अपने जीवन के सभी/ अलग-अलग क्षणों के लिए उत्पादों को खोजने के वास्ते आने वाले लोगों के बारे में बताने के लिए फाइंड लाइफ अभियान शुरू किया है। कंपनी ने आज जारी बयान में कहा कि उसका प्लेटफार्म जीवन जीने और आकांक्षाओं को पूरा करने में किस तरह लोगों की मदद करता है, इसकी झलक दिखाने के लिए यह अभियान शुरू किया गया है। अभियान की अवधारणा किसी भी खरीदारी के पीछे निहित मानवीय कहानियों और भावनाओं को उजागर करने पर आधारित है, इसमें वास्तविक ग्राहकों को दिखाया गया है जो अमेजन पर विभिन्न प्रकार के उत्पादों को खोजने में सक्षम थे और इससे उन्हें अपनी भावनाओं को व्यक्त करने, परिवार के साथ भागीदारी करने और जीवन का आनंद उठाने में मदद मिली। डिजिटल अभियान के पहले चरण में को सभी सोशल प्लेटफॉर्म पर लॉन्च किया गया, अगले दो महीने में और वीडियो पेश किए जाएंगे। यह अभियान त्योहारी सीजन के साथ दिवाली के अंत तक जारी रहेगा।

2500 रुपये के पार जाएगा केमिकल स्टॉक का भाव

नई दिल्ली। शेयर बाजार में कई ऐसे केमिकल स्टॉक्स हैं, जिनको लेकर एक्सपर्ट काफी आश्वस्त नजर आते हैं। ऐसा ही एक केमिकल स्टॉक-Vinati Organics या विनती ऑर्गेनिक्स का है। इस स्टॉक को लेकर एक्सपर्ट का कहना है कि 16 फीसदी तक की तेजी आने वाली है। इसके साथ ही खरीदने की भी सलाह दी गई है। शुक्रवार को कारोबार के अंत में बीएसई इंडेक्स पर Vinati Organics का स्टॉक भाव 2238.60 रुपये रहा। एक दिन पहले के मुकाबले मामूली बढ़त देखने को मिली। वहीं, स्टॉक ने 26 जुलाई को 2,323 रुपये के भाव को छु लिया था। यह 52 वीक का हाई लेवल है। इसके अलावा 24 फरवरी को स्टॉक का भाव 1,675 रुपये पर था, जो 52 वीक का लो लेवल है। ब्रोकरेज मोतीलाल ओसवाल का मानना है कि इस केमिकल स्टॉक में बढ़त का दौर जारी रहेगा। Vinati Organics का स्टॉक 2,593 रुपये तक जा सकता है। वर्तमान कीमत से तुलना करें तो लगभग 16 फीसदी की तेजी की उम्मीद की जा रही है। वहीं रुपये के हिसाब से प्रति शेयर 355 रुपये तक का मुनाफा होने की उम्मीद की जा सकती है। ब्रोकरेज ने स्टॉक के लिए खरीद की सिफारिश की है। मतलब ये कि स्टॉक खरीदने की सलाह दी गई है। मोतीलाल ओसवाल की रिसर्च रिपोर्ट में कहा गया है-कंपनी की आय सालाना आधार पर 69 प्रतिशत बढ़कर 16.2 बिलियन रुपया हो गई। कंपनी का डिमांड आउटलुक पॉजिटिव बना हुआ है। कंपनी कुछ मर्जर प्रक्रिया से गुजर रही है, इसके पूरा होने का भी फायदा मिलेगा।

सोने-चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट

नई दिल्ली। इस हफ्ते सोने-चांदी के दामों में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार सर्राफा बाजार में इस हफ्ते सोना 647 रुपए सस्ता होकर 50,584 प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। इस हफ्ते की शुरुआत, यानी 29 अगस्त को ये 51,231 रुपए पर था।

53 हजार के नीचे आई चांदी

इस हफ्ते चांदी की कीमत में डेढ़ हजार रुपए से ज्यादा की गिरावट आई है। इस हफ्ते की शुरुआत में ये 54,205 रुपए पर थी जो अब 52,472 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 1,733 रुपए कम हुई है।

ऑलटाइम हाई से सोना 5,600 और चांदी 27,500 रुपए सस्ते

इस हफ्ते की गिरावट बाद सोना अभी अपने ऑलटाइम हाई से करीब 5,616 रुपए नीचे आ गया है। आपको बता दें कि सोने ने अगस्त 2020 में अपना ऑलटाइम हाई बनाया था। उस वक्त सोना 56,200 रुपए प्रति दस ग्राम के स्तर तक चला गया था। वहीं चांदी अपने उच्चतम स्तर से करीब 27,508 रुपए प्रति किलो की दर से सस्ती मिल रही है। चांदी का अब तक का हाई 79,980 रुपए प्रति किलो है।

आने वाले दिनों में देखने को मिल सकती है रिकवरी

भारत समेत दुनियाभर के विश्लेषकों का अनुमान है कि इस साल के आखिर तक अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 2,000 डॉलर और घरेलू बाजार में 60,000 रुपए तक पहुंच सकता है। जानकारों के अनुसार देश में जरूर महंगाई कम हो रही है, लेकिन वैश्विक पैमाने पर कीमतें लंबे समय तक ऊंची रह सकती हैं। इससे आने वाले दिनों में सोने को सपोर्ट मिलेगा, क्योंकि इसे महंगाई से बचाव का साधन (हेजिंग) माना जाता है। यानी महंगाई बढ़ने पर सोने में निवेश बढ़ जाता है। कई दूसरी परिस्थितियां भी सोने के अनुकूल हैं। मसलन अमेरिका में मंदी की आशंका, ब्याज दरों में बढ़ोतरी थमने के आसार, शेयर बाजारों में गैर-वाजिब तेजी और भू-राजनीतिक तनाव।

हॉलमार्क देखकर ही खरीदें सोना

सोना खरीदते वक्त उसकी क्वॉलिटी पर जरूर गौर करें। सबसे अच्छा है कि हॉलमार्क देखकर सोना खरीदें। हॉलमार्क सरकारी गारंटी है। हॉलमार्क का निर्धारण भारत की एकमात्र एजेंसी ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड करती है। हॉलमार्किंग योजना भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम के तहत संचालन, नियम और विनियम का काम करती है।

भारत का अगस्त का वाणिज्यिक निर्यात 33 अरब डालर, व्यापार घाटा बढ़कर 28.7 अरब डॉलर हुआ

नयी दिल्ली।भारत से व्यापारिक वस्तुओं का निर्यात अगस्त 2022 में 33 अरब डॉलर के साथ लगभग एक वर्ष पहले के स्तर पर ही रहा लेकिन व्यापार-घाटा (आयात का आधिक्य) बढ़कर 28.68 अरब डॉलर हो गया।

वाणिज्य मंत्रालय द्वारा शनिवार को जारी आंकड़ों के अनुसार अगस्त 2022 में वाणिज्यक निर्यात 33.0 अरब डालर रहा जबकि अगस्त 2021 में लगभग 33.38 अरब डालर का निर्यात हुआ था। अगस्त 2022 में वाणिज्यिक आयात 61.68 अरब डॉलर था, जो अगस्त 2021 में 45.09 अरब डॉलर से 36.78 फीसदी अधिक है।

अगस्त में कुल मिला कर निर्यात के फीके प्रदर्शन के बावजूद इलेक्ट्रानिक सामान, चवल और रसायनों के निर्यात में वृद्धि जोरदार रही।

विकसित देशों के बाजारों में नरमी, यूरोप में भू-राजनीतिक संघर्ष से आपूर्ति श्रृंखला में अड़चन तथा भारत द्वारा मुद्रास्फीति पर काबू पाने के लिए कुछ जिंसों के निर्यात को हतोत्साहित करने जैसे उपायों से देश का निर्यात प्रभावित हुआ है। इसके

सत्यमेव जयते
Department of Commerce
Ministry of Commerce and Industry
Government of India

विपरीत भारतीय अर्थव्यस्था की मजबूती और आर्थिक वृद्धि में तेजी रहने से आयात की मांग बढ़ रही है।

प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार, अगस्त 2022 में गैर-पेट्रोलियम निर्यात 28.09 अरब डॉलर था, जो अगस्त 2021 के 28.73 अरब डॉलर के गैर-पेट्रोलियम निर्यात की तुलना में 2.22 प्रतिशत की हल्की गिरावट दर्शाता है।

इस बार अगगस्त में गैर-पेट्रोलियम और गैर-रत्न और आभूषण निर्यात का 24.8 अरब डालर मूल्य का रहा पिछले वर्ष अगस्त के 25.29 अरब डाल की तुलना में 1.96 प्रतिशत कम है।

अगस्त 2022 के दौरान इलेक्ट्रॉनिक सामान (50.68त्न), चावल (42.32त्न), जैविक और अकार्बनिक रसायनों (13.35त्न) के निर्यात में अच्छी वृद्धि दर्ज की गई।

अगस्त 2022 में गैर-पेट्रोलियम आयात 44.07 अरब डालर के बराबर रहा जो अगस्त 2021 में 35.65 अरब डालर था। इस तरह गैर-पेट्रोलियम आयात में सालाना आधार पर 23.63 प्रतिशत की वृद्धि रही। गैर-तेल, गैर-रत्न आभूषण आयात का मूल्य अगस्त 2021 के 26.69 अरब डॉलर की तुलना में 40.37 प्रतिशत बढ कर अगस्त 2022 में 37.46 अरब डॉलर रहा।

वाणिज्य मंत्रालय ने कहा, आयात में वृद्धि भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि और भारतीय अर्थव्यवस्था की बुनियादी मजबूती के कारण घरेलू अर्थव्यवस्था की मजबूत मांग को दर्शाती है।

वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार अगस्त 2022 में कोयला, कोक और ब्रिकेट्स, आदि वर्ग की वस्तुओं के आयात में 133.64 प्रतिशत, पेट्रोलियम, कच्चे और उत्पादों 86.44 प्रतिशत, कार्बनिक और अकार्बनिक रसायन में 42.73 प्रतिशत तथा वनस्पति तेल में 41.55 प्रतिशत की वृद्धि देखी गयी।

एनएचपीसी लिमिटेड एवं सर्वहितकारी एजुकेशनल सोसाइटी (रजि.) चंडीगढ़-पंजाब के बीच समझौता ज्ञापन

नई दिल्ली। सीएसआर(कॉर्पोरेट सोशल रेस्पॉन्सिबिलिटी) के अंतर्गत एक और कदम बढ़ाते हुए एनएचपीसी लिमिटेड द्वारा पंजाब के ग्रामीण एवं सीमावर्ती क्षेत्रों के लिए मोबाइल लाइब्रेरी प्रदान करने हेतु, एनएचपीसी लिमिटेड एवं सर्वहितकारी एजुकेशनल सोसाइटी(रजि.) चंडीगढ़-पंजाब के बीच दिनांक 02 सितम्बर, 2022 को एनएचपीसी लिमिटेड के स्वतंत्र निदेशक श्री डॉ. अमित कंसल एवं क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़ के कार्यपालक निदेशक श्री सुरजीत कुमार संधु की गरिमामयी उपस्थिति में समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर किया गया।

इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत एनएचपीसी द्वारा प्रदान की गई सहयोग राशि से सर्व हितकारी एजुकेशनल सोसाइटी(रजि.) चंडीगढ़-पंजाब द्वारा पंजाब के ग्रामीणऔर सीमावर्ती क्षेत्रों के लिए रु.21.80/- लाख की लागत से एक मोबाइल लाइब्रेरी चलायी जाएगी। एनएचपीसी लिमिटेड द्वारा उक्त राशि सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यों के अंतर्गत सोसाइटी को प्रदान की जानी है।

उक्त समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर समारोह के दौरान एनएचपीसी लिमिटेड के स्वतंत्र निदेशक श्री डॉ. अमित कंसल,क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़ के कार्यपालक निदेशक श्री सुरजीत कुमार संधु,महाप्रबंधक (तकनीकी) श्री नन्हे राम, महाप्रबंधक (विधि एवं मानव संसाधन) श्रीमती रूबी रैना, महाप्रबंधक (वित्त) श्री महेश्वर पात्राएवं सर्वहितकारी एजुकेशनल सोसाइटी(रजि.) चंडीगढ़-पंजाब से आये प्रतिनिधि,नार्थजोन ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी श्री विजय कुमार नड्डा, वाईस प्रेसिडेंट श्री सुभाष महाजन,जनरल सेक्रेटरी डॉ नवदीप शेखर तथा क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़ के अन्यवरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

इस सौहार्दपूर्ण एवं जनकल्याण हेतु किये गए कार्य के लिए सर्वहितकारी एजुकेशनल सोसाइटी(रजि.) चंडीगढ़-पंजाब ने एनएचपीसी लिमिटेड की सराहना की एवं आभार व्यक्त किया। सीएसआर(कॉर्पोरेट सोशल रेस्पॉन्सिबिलिटी) एनएचपीसी के व्यापारिक दर्शन का एक अभिन्न अंग रहा है।

एनएचपीसी सामाजिक कल्याण के लिए चिंता का प्रदर्श तथा उच्च स्तर की संगठनात्मक अखंडता एवं नैतिक व्यवहार को बनाए रखते हुए सामाजिक रूप से जिम्मेदार तरीके से अपने व्यवसाय का संचालन कर रहा है। साथ ही सभी हितधारकों का भरोसा और विश्वास जीतने के लिए सीएसआर(कॉर्पोरेट सोशल रेस्पॉन्सिबिलिटी) के क्षेत्र में सर्वोत्तम प्रबंधन प्रथाओं और प्रभावी परिचालन विधियों को अपनाता है।

52 हफ्ते के हाई पर अडानी समूह की कंपनी

नई दिल्ली। बीते कुछ साल में गौतम अडानी समूह की लिस्टेड कंपनियों ने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। वैसे तो समूह की 7 कंपनियां शेयर बाजार में लिस्टेड हैं। हालांकि, सिर्फ अडानी पोर्ट एंड स्र्ध्रं लिमिटेड ऐसी कंपनी है जो नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के सूचकांक निफ्टी 50 में शामिल है। वहीं, 30 सितंबर से अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड की भी इस सूची में एंट्री होने वाली है। इस खबर के बाद अगले कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को अडानी एंटरप्राइजेज के स्टॉक की जबरदस्त खरीदारी हुई। इस वजह से स्टॉक का भाव 52 वीक के हाई पर पहुंच गया।

सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन स्टॉक का भाव 3356.95 रुपये रहा, जो एक दिन पहले के मुकाबले 124.20 रुपया या 3.84त्न की बढ़त को दर्शाता है। वहीं, कारोबार के दौरान स्टॉक का भाव 3369.45 रुपये पर पहुंच गया। यह 52 वीक का हाई लेवल है। मार्केट कैपिटल की बात करें तो 3,82,692.68 करोड़ रुपये रहा। आपको बता दें कि 28 अक्टूबर 2021 को स्टॉक का भाव 1,344.60 रुपये के स्तर पर था, जो 52 वीक का लो लेवल है। पिछले एक साल में अडानी एंटरप्राइजेज के शेयरों में 120 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई है। वहीं, पिछले 6 महीने में कंपनी के शेयर 86 फीसदी तक चढ़ गए हैं।

मौजूदा समय में दुनिया के तीसरे सबसे अमीर व्यक्ति गौतम अडानी के पास देश की सात लिस्टेड कंपनियां हैं। इसमें अडानी एंटरप्राइजेज के अलावा अडानी ग्रीन एनर्जी, अडानी पोर्ट्स, अडानी पावर, अडानी टोटल गैस, अडानी ट्रांसमिशन और अडानी विल्मर शामिल हैं।

जिंसों में टिकाव

नयी दिल्ली। दिल्ली थोक जिंस बाजार में आज खाद्य तेलों के साथ ही दाल-दलहन, अनाजों के और मीठे के बाजार में टिकाव बना रहा।

तेल-तिलहन : इस दौरान सरसों तेल, सोया रिफाइंड, वनस्पति तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल और पाम ऑयल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पुराने स्तर पर टिके रहे।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के दाम टिके रहे। दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान मसूर दाल, उड़द दाल, चना, चना दाल, मूंग दाल और अरहर दाल के भाव पड़े रहे।

अनाज : अनाज मंडी में भी टिकाव रहा। इस दौरान गेहूं और चावल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के थोक दाम इस प्रकार रहे

दाल-दलहन : चना 4600-4700, दाल चना 5600-5700, मसूर काली 8200-8300, मूंग दाल 8000-8100, उड़द दाल 9950-10050, अरहर दाल 9000-9100 रुपये प्रति क्विंटल रहे।

अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2400-2500 रुपये और चावल : 2600-2700 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

चीनी-गुड़ : चीनी एस 3530-3660, चीनी एम. 3800-3900, मिल डिलीवरी 3410-3510 और गुड़ 3800-3900 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये।

खाद्य तेल : सरसों तेल 16696 रुपये, मूंगफली तेल 19633 रुपये, सूरजमुखी तेल 20000 रुपये, सोया रिफाइंड 15385 रुपये, पाम ऑयल 13553 रुपये और वनस्पति तेल 15385 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा है।

20 साल से कम में 5 बार बोनस शेयर, इस स्टॉक ने 1 लाख के बनाए 1.8 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। आईटी कंपनी विप्रो ने ताबड़तोड़ रिटर्न देने के साथ ही पिछले कुछ साल में निवेशकों को कई बोनस शेयर दिए हैं। विप्रो ने पिछले 20 साल से कम में इनवेस्टर्स को 5 बार बोनस शेयर दिए हैं। विप्रो ने पिछला बोनस शेयर तीन साल पहले मार्च 2019 में 1:3 के रेशियो में दिया था। यानी, हर 3 शेयर पर Wipro ने 1 बोनस शेयर दिया। Capitaline के डेटा के मुताबिक, इससे पहले विप्रो ने जून 2004 में 2:1 के रेशियो में, अगस्त 2005 में 1त्न1 के रेशियो में, जून 2010 में 2:3 के रेशियो में और जून 2017 में 1:1 के रेशियो में बोनस शेयर दिए थे।

आईटी कंपनी विप्रो के शेयर 30 अप्रैल 2004 को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में 57.92 रुपये के स्तर पर थे। अगर किसी व्यक्ति ने उस समय कंपनी के शेयरों में 1 लाख रुपये लगाए होते तो उसे विप्रो के 1726 शेयर मिलते। अगर उस व्यक्ति ने विप्रो के शेयरों में अपना निवेश बनाए रखा होता तो 5 बार बोनस शेयर मिलने के बाद मौजूदा समय में उसके पास टोटल 46026 शेयर होते। विप्रो के शेयर 2 सितंबर 2022 को बीएसई में 407.80 रुपये के स्तर पर बंद हुए हैं। इन शेयरों की वैल्यू 1.87 करोड़ रुपये होती।

इस साल अब तक कंपनी के शेयरों में 43 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट

विप्रो के शेयरों में इस साल अब तक 43.25 पर्सेंट की गिरावट आई है। इस साल की शुरुआत में 3 जनवरी 2022 को विप्रो के शेयर बीएसई में 718.60 रुपये के स्तर पर थे। कंपनी के शेयर 2 सितंबर 2022 को बीएसई में 407.80 रुपये पर बंद हुए हैं। पिछले 6 महीने में विप्रो के शेयरों में करीब 30 पर्सेंट की गिरावट आई है। वहीं, पिछले एक साल में विप्रो के शेयर 40 पर्सेंट से ज्यादा गिर गए हैं।

अभी दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी बनेगा भारत

नई दिल्ली। दुनिया की बड़ी इकोनॉमी के मामले में भारत ने ब्रिटेन को पछाड़कर 5वां स्थान हासिल किया है। अब पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार डॉ अरविंद विरमानी का कहना है कि ये सफर आगे भी जारी रहेगा और भारत आने वाले कुछ साल में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी बन जाएगा।

समाचार एजेंसी से बात करते हुए उन्होंने कहा-पिछले साल हम छठे स्थान पर थे। 2022 में उम्मीद थी कि हम पांचवीं बड़ी इकोनॉमी बन जाएंगे। अरविंद विरमानी ने आगे कहा कि भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है और 2028-30 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

एसबीआई की रिपोर्ट में क्या है

इस बीच, एसबीआई की इकोनॉमिक रिसर्च डिपार्टमेंट की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत साल 2029 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। साल 2014 में भारतीय इकोनॉमी, दुनिया में 10वीं सबसे बड़ी थी, इस लिहाज से 7 स्थान का बदलाव दिख सकता है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी आईएमएफ के आंकड़ों के मुताबिक भारत अपनी अर्थव्यवस्था के आकार के मामले में अमेरिका, चीन, जापान और जर्मनी से बहुत पीछे नहीं है। आईएमएफ का कहना है कि लगभग 854 बिलियन डॉलर का अंतर है।

बता दें कि ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी इकोनॉमी बन गया है। भारत ने ब्रिटेन को पछाड़कर यह तमगा हासिल किया है।

ये रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब हाल ही में देश की पहली तिमाही यानी अप्रैल-जून के दौरान के जीडीपी आंकड़े सामने आए हैं। भारत की जीडीपी 13.5 प्रतिशत रही, जो एक साल में सबसे तेज गति है। इसी के साथ भारत का दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था का टैग भी बरकरार है।

नोकिया ने लॉन्च किया 2660 फ्लिप फोन

नई दिल्ली। नोकिया ने भारत में अपने शानदार फीचर फोन 2660 फ्लिप लॉन्च किया है। इस फोन में आपको डुअल स्क्रीन दी गई हैं। फोन में 2.8 इंच का प्राइमरी डिस्प्ले और 1.77 इंच का आउटर डिस्प्ले मिलेगा। इसकी कीमत 4,699 रुपए रखी गई है। नोकिया 2660 फ्लिप डुअल-सिम (नैनो) के साथ आता है, जो 4त्न कनेक्टिविटी को सपोर्ट करता है। फ्लिप फोन, सीरीज 30+ ओएस पर चलता है। यह nisoc T107 प्रोसेसर से पावर्ड है, जो 48th रैम और 128MB इनबिल्ट स्टोरेज के साथ है। स्टोरेज को माइक्रोएसडी कार्ड के जरिए (32त्नक्च तक) बढ़ाया जा सकता है। इसमें एलईडी फ्लैश के साथ 0.3 मेगापिक्सल का रियर कैमरा दिया गया है। इसमें ब्लूटूथ 14.2 का सपोर्ट है साथ ही माइक्रो-यूएसबी 2.0 पोर्ट और एक 3.5द्व्र का ऑडियो जैक है। इसमें 2.75W चार्जिंग सपोर्ट के साथ रिमूवेबल बैटरी दी गई है। कंपनी का दावा है कि यह फोन सिंगल 4 प्रतिशत सिम पर मैक्सिमम 24.9 दिनों का स्टैंडबाय टाइम दे सकता है और मैक्सिमम 6.5 घंटे का टॉकटाइम दे सकता है।

हर 2 शेयर पर 1 बोनस दे रही यह महारत्न कंपनी, अगले हफ्ते है रिकॉर्ड डेट

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी नेचुरल गैस कंपनी गेल इंडिया अपने निवेशकों को बड़ा तोहफा देने जा रही है। गेल इंडिया 1:2 के रेशियो में बोनस शेयर दे रही है। यानी, कंपनी हर 2 शेयर पर 1 बोनस शेयर देगी। गेल इंडिया को महारत्न कंपनी का दर्जा मिला हुआ है। कंपनी ने 27 जुलाई 2022 को बोनस शेयर अनाउंस किया था। कंपनी के बोनस शेयर की एक्स-डेट अगले हफ्ते 6 सितंबर 2022 को है। वहीं, बोनस इश्यू की रिकॉर्ड डेट 7 सितंबर 2022 है।

साल 2008 के बाद से कंपनी ने 5 बार इश्यू किए बोनस शेयर

गेल इंडिया के बोनस शेयर पाने के लिए इनवेस्टर्स को 6 सितंबर 2022 से पहले ही कंपनी के शेयर खरीद लेने चाहिए। कंपनी ने साल 2008 के बाद से 5 बार बोनस शेयर इश्यू किए हैं। गेल इंडिया की बोनस हिस्ट्री के मुताबिक, कंपनी ने अक्टूबर 2008 में 1:2 के रेशियो में बोनस शेयर अनाउंस किया था। इसके बाद मार्च 2017 में 1:3 के रेशियो में, मार्च 2018 में 1:3 के रेशियो में और जुलाई 2019 में 1:1 के रेशियो में बोनस शेयर अनाउंस किया। गेल इंडिया के शेयर 2 सितंबर 2022 को 135.40 रुपये के स्तर पर बंद हुए हैं।

9 रुपये से 135 रुपये के पार पहुंचे कंपनी के शेयर

गेल इंडिया के शेयरों ने पिछले कुछ साल में जबरदस्त रिटर्न दिया है। कंपनी के शेयर 23 मार्च 2001 को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में 8.81 रुपये के स्तर पर थे। सरकारी कंपनी के शेयर 2 सितंबर 2022 को बीएसई में 135.40 रुपये के स्तर पर बंद हुए हैं। अगर किसी व्यक्ति ने 23 मार्च 2001 को कंपनी के शेयरों में 1 लाख रुपये लगाए होते और अपने निवेश को बनाए रखा होता तो मौजूदा समय में यह पैसा 15.36 लाख रुपये होता। हमने रिटर्न के कैलकुलेशन में बोनस शेयर और डिविडेंड को शामिल नहीं किया है।

102 साल पुराने बैंक ने बदलीं ब्याज दरें

नई दिल्ली। केरल के सबसे पुराने प्राइवेट बैंक सीएसबी बैंक लिमिटेड ने सेविंग्स अकाउंट्स (बचत खाता) के लिए अपनी ब्याज दरों में बदलाव किया है। बचत खाते की नई ब्याज दरें 1 सितंबर 2022 से प्रभावी हैं। इंटरेस्ट रेट्स में किए गए बदलाव के बाद सीएसबी बैंक सेविंग्स अकाउंट्स में डिपॉजिट्स पर अधिकतम 5.50 पर्सेंट का इंटरेस्ट रेट देगा। सीएसबी बैंक की शुरुआत साल 1920 में Catholic Syrian Bank लिमिटेड के रूप में हुई थी।

प्राइवेट सेक्टर का यह बैंक सेविंग्स अकाउंट पर 1 लाख रुपये तक के इंड-ऑफ डे बैलेंस पर 2.10 पर्सेंट का ब्याज दे रहा है। बैंक 1 लाख रुपये से ऊपर और 25 लाख रुपये तक के जमा पर 2.75 पर्सेंट का ब्याज दे रहा है। CSB Bank अभी 25 लाख रुपये से ऊपर और 50 लाख रुपये तक के सेविंग्स अकाउंट जमा पर 3.50 पर्सेंट का इंटरेस्ट रेट दे रहा है। प्राइवेट सेक्टर बैंक 50 लाख रुपये से ऊपर और 1 करोड़ रुपये तक के बचत खाता जमा पर 4 पर्सेंट का इंटरेस्ट रेट दे रहा है।

CSB Bank 1 करोड़ रुपये से ऊपर और 2 करोड़ रुपये तक के सेविंग्स बैंक डिपॉजिट पर 4.25 पर्सेंट का इंटरेस्ट रेट दे रहा है। वहीं, 2 करोड़ रुपये से ऊपर और 5 करोड़ रुपये तक के बचत खाता जमा पर बैंक 4.50 पर्सेंट का ब्याज दे रहा है।

प्राइवेट सेक्टर बैंक 5 करोड़ रुपये से ऊपर और 25 करोड़ रुपये तक के सेविंग्स अकाउंट डिपॉजिट पर 5 पर्सेंट का इंटरेस्ट रहा है। वहीं, 25 करोड़ रुपये से ऊपर के बचत खाता जमा पर बैंक 5.50 पर्सेंट का इंटरेस्ट रेट दे रहा है।

किसान क्रेडिट कार्ड पर बड़े बदलाव की तैयारी

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मध्य प्रदेश और तमिलनाडु में किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के डिजिटलीकरण की पायलट परियोजना शुरू करने का फैसला किया है। आरबीआई के मुताबिक इस पायलट परियोजना से हासिल सबक को ध्यान में रखते हुए देशभर में किसान क्रेडिट कार्ड के डिजिटलीकरण का अभियान चलाया जाएगा।मध्य प्रदेश और तमिलनाडु में शुरू की गई पायलट परियोजना के तहत बैंकों के भीतर विभिन्न प्रक्रियाओं के स्वचालन और सेवाप्रदाताओं के साथ उनकी प्रणालियों के समेकन पर जोर दिया जाएगा। किसान क्रेडिट कार्ड के डिजिटलीकरण से कर्ज देने की प्रक्रिया अधिक कारगर बनाने और कर्जदारों की लागत घटाने में मदद मिलेगी। इसके अलावा आरबीआई का कहना है कि कर्ज के आवेदन करने से लेकर इसके वितरण में लगने वाले समय में भी खासी कमी आएगी। चार सप्ताह के इस समय को घटाकर दो सप्ताह किया जा सकता है। आरबीआई के मुताबिक, ग्रामीण ऋण किसानों के आर्थिक समावेशन के लिए काफी अहम है क्योंकि इससे कृषि एवं उससे जुड़े क्षेत्रों और संबद्ध उद्योगों की वित्तीय जरूरतें पूरी की जा सकती हैं।

पायलट परियोजना मध्य प्रदेश और तमिलनाडु के चुनिंदा जिलों में क्रमश: यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और फेडरल बैंक के साथ चलाई जाएगी। इसके अलावा राज्य सरकारें भी इसमें पूरा सहयोग देंगी।

बता दें कि किसानों को आसानी से वित्त मुहैया कराने के मकसद से वर्ष 1998 में केसीसी योजना शुरू की गई थी।

शार्ट न्यूज

दहानी चोट के कारण भारत-पाकिस्तान मुकाबले से बाहर

दुबई। पाकिस्तान के युवा तेज गेंदबाज शाहनवाज दहानी एशिया कप सुपर-4 में भारत के खिलाफ रविवार को खेले जाने वाले मुकाबले से 'संदिग्ध' चोट के कारण बाहर हो गये हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने शनिवार को यह जानकारी साझा करते हुए कहा, शाहनवाज़ दहानी संदिग्ध साइड स्ट्रेन के कारण भारत के खिलाफ रविवार को होने वाले एसीसी एशिया कप सुपर-4 मुकाबले के लिये उपलब्ध नहीं होंगे। उन्हें शुक्रवार को हांगकांग के खिलाफ शारजाह में गेंदबाजी के दौरान चोट लग गई थी। पीसीबी ने कहा कि साइड स्ट्रेन चोट के कारण उन्हें 48-72 घंटे तक चिकित्सीय दल अपनी निगरानी में रखेगा। इसके बाद उनके टूर्नामेंट में प्रतिभागिता पर निर्णय लिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान के शीर्ष तेज़ गेंदबाज़ शाहीन अफ़रीदी और मोहम्मद वसीम जूनियर पहले ही चोटिल होकर टीम से बाहर हो चुके हैं। शाहनवाज़ दहानी ने भारत के खिलाफ एशिया कप 2022 में हुए पहले मैच में चार ओवर डालकर 29 रन दिये थे। जबकि हांगकांग के खिलाफ दो ओवर में सात रन देकर एक विकेट भी झटका था। भारत और पाकिस्तान के बीच सुपर-4 मुकाबला रविवार को खेला जाएगा जो भारतीय समयानुसार शाम 0730 बजे शुरू होगा।

सुदेवा और तरुण संघा की बड़ी जीत

नयी दिल्ली। श्याम कुमार के दो शानदार गोलों की मदद से तरुण संघा ने उत्तराखंड एफसी को 5-0 से हराकर दिल्ली प्रीमियर लीग में पूरे अंक अर्जित किये। नेहरू स्टेडियम में खेले गए दिन के दूसरे मैच में सुदेवा एफसी ने वाटिका एफसी को 3-0 से परास्त किया। तरुण संघा ने शुरू से ही हमलावर रुख अपनाया और पहले हाफ में चार गोलों की बढ़त बना ली। विजेता टीम के तीन गोल घाना के थेऔफिल्स, नाइजीरियन स्टेनले और मृणाल अधिकारी ने बांटे। डूरंड कप खेल कर लौटे वाटिका के खिलाड़ियों को जमने में समय लगा। सिनम सिंह, मैन ऑफ द मैच लालबियकलियना और रोशन ने विजेता सुदेवा के गोल जमाए। महिला लीग में रॉयल रेंजर्स ने रेंजर्स एफसी को और सिग्नेचर ने हंस क्लब को क्रमश: एक-एक गोल से परास्त किया। सिग्नेचर का गोल ज्योति और रॉयल रेंजर्स का गोल काजोल देवगन ने किया।

लीजेंड्स लीग में नहीं खेलेंगे गांगुली

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष और पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने अपने प्रशंसकों को निराशाजनक खबर सुनाते हुए शनिवार को कहा कि वह समय की पाबंदियों के कारण लीजेंड्स लीग में नहीं खेल पाएंगे और उन्होंने अपना नाम वापस लेने को फैसला किया है। गांगुली ने यूनीवार्ता से कहा, मैंने लीग से अपना नाम वापस लेने का फैसला किया है। मेरे पास अन्य प्रतिबद्धताएं हैं, इसलिये मुझे लीग में हिस्सा लेने का समय नहीं मिल पा रहा है। गांगुली को 16 सितंबर को इंडिया महाराजाज़ और वर्ल्ड इलेवन के बीच ईडन गार्डन्स में होने वाले प्रदर्शनी मैच में शामिल होना था। वह महाराजाज़ के कप्तान चुने गये थे। अब उनकी अनुपस्थिति में भारत के पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर को टीम की कमान सौंपी गयी है। दूसरी ओर, वर्ल्ड इलेवन का नेतृत्व इंग्लैंड के पूर्व सीमित ओवर कप्तान इयोन मोर्गन कर रहे हैं। इससे पहले गांगुली ने केवल 16 सितंबर के मैच में खेलने के लिए हामी भरी थी। जिससे होने वाली कमाई बालिकाओं और उनकी शिक्षा की मदद करने के लिये काम करने वाली कपिल देव फाउंडेशन में जाएगी। गौरतलब है कि ये सिर्फ एक चैरिटी मैच होगा। टूर्नामेंट इसके बाद 16 सितम्बर से ही कोलकाता में खेला जाएगा। लीग के मैच दिल्ली, लखनऊ समेत पांच स्टेडियम में खेले जाएंगे। इसके बाद प्लेऑफ और फाइनल के लिए तारीखों का ऐलान हो गया है लेकिन वेन्यू का ऐलान होना बाकी है।

सनराइजर्स हैदराबाद के मुख्य कोच बने लारा

हैदराबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की टीम सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने शनिवार को वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिकेटर ब्रायन लारा को फ्रेंचाइजी के मुख्य कोच के रूप में नियुक्त किया। एसआरएच ने सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा करते हुए कहा, क्रिकेट के दिग्गज ब्रायन लारा आगामी आईपीएल सीज़न के लिए हमारे मुख्य कोच होंगे। लारा की नियुक्ति के साथ ही एसआरएच और टॉम मूडी के बीच दीर्घकालिक संबंध समाप्त हो गया। एसआरएच ने कहा, हमारे साथ टॉम का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। हम एसआरएच में उनके योगदान के लिए टॉम को धन्यवाद देना चाहते हैं। यह वर्षों से एक बहुत ही पोषित यात्रा रही है, और हम उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हैं। मूडी एक साल को छोड़कर, 2013 में एसआरएच की स्थापना के बाद से टीम के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा रहे हैं। टीम ने उनके मार्गदर्शन में आईपीएल 2016 का खिताब जीता और 2018 में उपविजेता रही। इसके अलावा, एसआरएच ने मूडी के कार्यकाल में चार अन्य मौकों पर प्ले-ऑफ में जगह बनायी थी।

सैफ चैंपियनशिप के लिये काठमांडू रवाना हुई महिला टीम

नयी दिल्ली। भारतीय महिला फुटबॉल टीम छह सितंबर से होने वाली सैफ महिला चैंपियनशिप के लिये शनिवार को काठमांडू रवाना हुई। दक्षिण एशियाई फुटबॉल महासंघ (सैफ) महिला चैंपियनशिप की गत वर्ष की विजेता भारतीय टीम को ग्रुप-ए में पाकिस्तान, मालदीव और बांग्लादेश के साथ रखा गया है। ब्लू टिग्रेस (भारतीय महिलाएं) के मुख्य कोच सुरेन छेत्री ने कहा, खिलाड़ी चुनौतियों से वाकिफ हैं और हमें उम्मीद है कि हम दृढता से प्रदर्शन करेंगे। सीनियर और युवाओं का मिश्रण निश्चित रूप से हमें लक्ष्य हासिल करने में मददगार साबित होगा। भारत का सामना सबसे पहले सात सितंबर को पाकिस्तान से होगा, जिसके बाद वह 10 सितंबर को मालदीव और 13 सितंबर को बंगलादेश की टीम से मुकाबला करेगी। सभी मैच नेपाल के काठमांडू के दशरथ स्टेडियम में खेले जाएंगे। भारत ने टूर्नामेंट के लिये 23 खिलाड़ियों का चयन किया है। जिसमें गोलकीपर के रूप में अदिति चौहान, मैबम लिनथोइंगंबी देवी और सौम्या नारायणसामी को टीम में शामिल किया गया है। स्वीटी देवी, रितु रानी, आशालता देवी, रंजना चानू, मनीसा पन्ना, मिशेल कास्टान्हा, जूली किशन, और संतोष डिफेंडर की भूमिका निभाएंगी। अंजू तमांग, प्रियंका देवी, मार्टिना थोकचोम, संध्या रंगनाथन, काशमीना और रतनबाला देवी बतौर मिडफील्डर। जबकि फॉरवर्ड पर दुलार मरांडी, अपर्णा नारजारी, सौम्या गुगुलोथ, रेणु, किरण पिस्दा और डांगमेई ग्रेस मोर्चा संभालेंगी। टीम के प्रमुख कोच सुरेन छेत्री होंगे।

राष्ट्रीय खेलों के गीत और शुभंकर को लांच करेंगे शाह, पटेल

अहमदाबाद, 03 सितम्बर (वार्ता) केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह गुजरात में होने वाले 36वें राष्ट्रीय खेलों के शुभंकर और गीत का अनावरण एका एरेना ट्रांसस्टेडिया में रविवार को करेंगे। इस अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री अनुराग ठाकुर भी मौजूद रहेंगे। राज्य भर से नौ हजार से अधिक अतिथियों के भव्य समारोह में शामिल होने की संभावना है। प्रथम प्रदर्शन आयोजन में खेलों के गीत और शुभंकर के साथ ही खेलों की वेबसाइट और मोबाइल एप्लिकेशन को भी शुरू किया जाएगा। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राष्ट्रीय खेल 2022 के बारे में कहा,हमें राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी करते हुए खुशी और गर्व है। हम भारत के शीर्ष एथलीटों और अधिकारियों का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हम इन खेलों को सबसे सफल बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। उपस्थित रहने वाले अन्य अतिथियों में गुजरात के खेल मंत्री हर्ष संघवी, अहमदाबाद के मेयर किरित कुमार जे परमार, भारतीय ओलम्पिक संघ के कार्यवाहक अध्यक्ष अनिल खन्ना और केंद्रीय खेल मंत्रालय में खेल सचिव सुजाता चतुर्वेदी शामिल हैं। 36वें राष्ट्रीय खेलों का विषय 'खेलों के जरिये राष्ट्रीय एकता' है।

रविवार को फिर आमने-सामने होंगे भारत, पाकिस्तान

एजेंसी

दुबई। भारत और पाकिस्तान एशिया कप 2022 में रविवार को एक हफ्ते बाद दोबारा आमने-सामने होंगे और पाकिस्तान पिछली हार का बदला लेने के लिए पूरा दमखम लगा देगा जबकि भारत अपनी जीत के क्रम को आगे बढ़ाते हुए अपने पड़ोसी प्रतिद्वंदी को इस बार करारी मात देने की पूरी कोशिश करेगा। दोनों टीमों के बीच सुपर-4 मुकाबला रविवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। पाकिस्तान ने पहले मैच में भारत से पांच विकेट से हारने के बाद शुक्रवार के मैच में हॉन्ग कॉन्ग को 155 रन से मात देकर ज़ोरदार तरीके से सुपर-4 में प्रवेश किया। इस जीत के साथ बाबर आज़म की टीम ने अपना खोया हुआ आत्मविश्वास भी हासिल कर लिया है और अब वह एक बार फिर दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में भारत से पिछली हार का बदला लेने के लिये तैयार है। यदि टीम संयोजन की बात करें तो दोनों ही टीमों के कप्तान इस टूर्नामेंट में विकेट पर संघर्ष करते हुए नज़र आये हैं। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आज़म ने जहां दो मैचों में क्रमश: 10 और नौ रन बनाये हैं, वहीं भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा का स्कोर 12 और 21 रन रहा है। ऐसे में दोनों ही टीमों को इस मैच में कप्तानी पारी खेलकर टीम के मज़बूत शुरुआत देनी होगी। भारतीय प्रशंसकों की नज़रें लोकेश राहुल पर भी होंगी जो चोट से उभरने के बाद कोई बड़ा स्कोर नहीं

बना सके हैं। यदि लोकेश एशिया कप के बाकी मैचों में रन नहीं बनाते तो अगले महीने ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप 2022 के लिये टीम में उनकी जगह पर प्रश्न चिह्न लग सकता है।

भारत की विराट कोहली से बहुत ज्यादा उम्मीदें होंगी, जो पाकिस्तान के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज़ हैं। उन्होंने एशिया कप के दो मैचों में 35 और 59 नाबाद के स्कोर के साथ अपने फॉर्म में वापस आने का संकेत भी दिया है। हॉन्ग कॉन्ग के खिलाफ 261.54 के स्ट्राइक रेट से 68 रन बनाने वाले सूर्यकुमार यादव भी पाकिस्तान के खिलाफ अपनी काबिलियत दिखाना चाहेंगे।

चोट के कारण एशिया कप से बाहर हुए रवींद्र जडेजा की भरपाई भारत को करनी होगी। बाएं हाथ के बल्लेबाज जडेजा ने पाकिस्तान के खिलाफ पहले मैच में 29 गेंदों पर 35 रन बनाये थे और विकेट पर उनकी उपस्थिति के कारण कप्तान बाबर ने बाएं हाथ के गेंदबाज मोहम्मद नवाज़ को गेंदबाजी नहीं सौंपी थी। विकेट पर 11 ओवर गुज़ारने वाले जडेजा भारत की जीत का बड़ा कारक रहे थे और इस बार बाएं हाथ के हरफनमौला अक्षर पटेल को टीम में उनकी स्थान पर उतार सकते हैं।

दूसरी ओर, हॉन्ग कॉन्ग को 38 रन पर ऑलआउट करने के बाद पाकिस्तानी गेंदबाजों का आत्मविश्वास सातवें आसमान पर होगा और वह भारत के खिलाफ भी अपने इसी प्रदर्शन को जारी रखना चाहेंगे। दुबई में रविवार को होने वाले मैच में शादाब खान और मोहम्मद नवाज़ पर सबकी नज़रें होंगी।

युवा गेंदबाज़ शाहनवाज़ दहानी को अब तक टूर्नामेंट में सिर्फ एक विकेट मिला है, लेकिन भारतीय बल्लेबाजों को उनकी सटीक गेंदबाजी के आगे सचेत रहना होगा।

भारत और पाकिस्तान के बीच सुपर-4 मुकाबला रविवार को भारतीय समयानुसार शाम साढ़े सात बजे से खेला जाएगा।

ज़िम्बाब्वे की ऑस्ट्रेलिया पर ऐतिहासिक जीत

टाउन्सविल। ज़िम्बाब्वे ने रायन बर्ल (पांच विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया को उसी की सरज़मीन पर पहली बार हराते हुए तीसरे एकदिवसीय मैच में शनिवार को तीन विकेट से जीत दर्ज की। ज़िम्बाब्वे ने टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलिया को पहले बल्लेबाजी के लिये बुलाया था और सिर्फ 142 रन पर ऑलआउट कर दिया था। कंगारू टीम के लिये सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने सर्वाधिक 94(96) रन की पारी खेली, जबकि ग्लेन मैक्सवेल ने 22 गेंदों पर 19 रन बनाये। इन दोनों के अलावा कोई भी ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज़ दहाई के आंकड़े तक नहीं पहुंच सका। ज़िम्बाब्वे के लिये बर्ल ने तीन ओवर में सिर्फ 10 रन देकर पांच विकेट लिये, जिसमें वॉर्नर का बहुमूल्य विकेट भी शामिल था। इसके अलावा ब्रैड इवान्स ने दो जबकि रिचर्ड एंगवारा, विक्टर न्यौची और सीन विलियम्स ने एक-एक विकेट लिया। ज़िम्बाब्वे के सलामी बल्लेबाजों ने 142 रन के न्यून लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम को अच्छी शुरुआत दिलायी। तकुद्ज़वनाशे काइटानो और तदिवनाशे मारूमानी ने पहले विकेट के लिये 38 रन जोड़े। काइटानो ने 19 (25) रन और मारूमानी ने 35 (47) रन बनाये। मध्य क्रम के असफल होने के कारण ज़िम्बाब्वे का स्कोर 77 रन पर पांच विकेट हो गया और सिकंदर रज़ा (08) भी पवेलियन लौट गये थे, मगर रेगिस चकब्वा ने कप्तानी पारी खेलकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। चकाब्वा ने 72 गेंदों पर संयमपूर्वक 38 रन बनाने के दौरान एक भी जोखिम भरा शॉट नहीं खेला। उन्होंने टोनी मुन्योंगा के साथ 38 रन की साझेदारी कर मैच में ज़िम्बाब्वे की वापसी करवाई। ज़िम्बाब्वे की जीत से पहले मुन्योंगा और बर्ल (11) का विकेट गिरा, लेकिन अंत में ब्रैड इवान्स ने मिचेल स्टार्क की गेंद पर सिंगल लेकर मैच को समाप्त किया। यह ज़िम्बाब्वे की ऑस्ट्रेलिया में, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली जीत है।

यूएस ओपन : पहली बार चौथे दौर में पहुंचीं गॉफ़

न्यूयॉर्क। अमेरिका की कोको गॉफ़ ने अपनी हमवतन मेडिसन कीज़ को हराकर पहली बार यूएस ओपन के चौथे दौर में जगह बना ली है। गॉफ़ ने शुक्रवार को तीसरे दौर के मुकाबले में कीज़ को 6-2, 6-3 के सीधे सेटों में हराया। अमेरिकी खिलाड़ी अब अपने घरेलू ग्रैंड स्लैम में रविवार को चीन की 33 वर्षीय झांग शुआई से भिड़ेंगी, जो तीसरे दौर में कनाडा की रेबेका मरीनो को 6-2, 6-4 से हराकर आ रही हैं। दोनों खिलाड़ियों के लिए यह पहला यूएस ओपन चौथे दौर का मैच होगा और दोनों ही अब तक पूरे टूर्नामेंट में एक भी सेट नहीं हारी हैं। अपने करियर का तीसरा यूएस ओपन खेल रहीं गॉफ ने जीत के बाद कहा, पांच साल पहले, मैं यहां वीनस को खेलते हुए देख रही थी और मुझे लगता है कि सेरेना भी उस दिन खेली थीं। मैं अपने दोस्तों के सामने इतरा रही थी क्योंकि मुझे कोर्ट के पास वाली सीट मिली थी, और अब मैं कोर्ट में हूं।

दमदार जीत के साथ मेदवेदेव, किर्गियोस तीसरे दौर में

न्यूयॉर्क। टॉप सीड डेनिल मेदवेदेव और ऑस्ट्रेलिया के निक किर्गियोस ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर यूएस ओपन 2022 के चौथे दौर में प्रवेश कर लिया है, जहां वे एक-दूसरे से सामना करेंगे।

यूएस ओपन 2021 के विजेता मेदवेदेव ने शनिवार तड़के चीन के वू यिबिंग को तीसरे दौर में 6-4, 6-2, 6-2 के सीधे सेटों में हराया। मेदवेदेव ने इस टूर्नामेंट में चौथे दौर में पहुंचने तक एक भी सेट नहीं गंवाया है।

मेदवेदेव चौथे दौर में किर्गियोस का सामना करेंगे, जो तीसरे दौर में अमेरिका के जेफ़री वुल्फ को हराकर 6-4, 6-2, 6-3 से हराकर आ रहे हैं। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने पिछले महीने मॉन्ट्रियल में एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में मेदवेदेव को हराकर उनके खिलाफ अपनी तीसरी जीत दर्ज की

थी। मेदवेदेव इस समय एटीपी लाइव रैंकिंग में राफेल नडाल से पीछे हैं, और अगर वह किर्गियोस से हारते हैं, तो टूर्नामेंट के बाद अपना नंबर एक का ताज गंवा देंगे।

यूएस ओपन 2021 चैंपियन ने किर्गियोस के साथ मैच के बारे में कहा, हमने शानदार मैच खेले हैं। मुझे लगता है कि सभी स्कोरबोर्ड पर काफी मजबूत हैं। वह इस समय मुझसे 3-1 से आगे हैं, लेकिन मैं इस बार बेहतर करने की कोशिश करूंगा और लोगों के देखने के लिए यह एक अच्छा मैच होगा।

उन्होंने कहा, आज रात मुझे ऐसा लग रहा है कि मैं काफी उच्च स्तर पर खेला। मैं उससे थोड़ी बेहतर सर्विस कर रहा था, जो कि महत्वपूर्ण था। बहुत सारे कड़े गेम थे, जिसने मैच के स्तर को ऊंचा बनाया।

बाढ़ग्रस्त बलूचिस्तान ने पाक सरकार के 10 अरब रुपए का अनुदान ठुकराया, कहा- तबाही की तुलना में कुछ भी नहीं

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में आई खतरनाक बाढ़ की वजह से हालात बदतर हो गए हैं। अब तक 1200 से अधिक लोगों की मौत हो गई है। लाखों लोग बेघर हो गए हैं। बाढ़ की सबसे अधिक मार सिंध और बलूचिस्तान प्रांत पर पड़ी है। पाकिस्तान की राज्य सरकारों के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती लोगों को राहत पहुंचाना है और उनके पुनर्वास के लिए काम करना है। इस बीच बलूचिस्तान की सरकार ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की ओर से घोषित 10 अरब रुपए के अनुदान को ठुकरा दिया है।

बलूचिस्तान के कृषि मंत्री मीर असदुल्ला बलूच ने शुक्रवार को प्रांत में बाढ़ पीड़ितों के पुनर्वास के लिए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की ओर से घोषित 10 अरब रुपए के अनुदान को यह कहते हुए खारिज कर दिया है कि नुकसान की तुलना में यह रकम कुछ भी नहीं है। असदुल्ला ने एक कार्यक्रम में बोलते हुए कहा कि शुरुआती आकलन के अनुसार प्रांत को 200 अरब से अधिक का वित्तीय नुकसान हुआ है। संचार के पूरे बुनियादी ढांचे और फसल को मूसलाधार बारिश और भारी बाढ़ ने चौपट कर दिया है। प्रांत को यह अनुदान विशान के स्तर की तुलना में कुछ भी नहीं है।

पाकिस्तान सरकार की आलोचना

असदुल्ला बलूच ने नुकसान की तुलना में जारी की गई छोटी राशि के लिए पाकिस्तान सरकार की आलोचना की और कहा, अगर बलूचिस्तान में परोपकारी लोग पीड़ितों की मदद के लिए दान करते हैं, तो अकेले वह राशि 100 अरब रुपए से अधिक होगी। उन्होंने कहा कि संघीय और प्रांतीय सरकारों को पुनर्वास की चुनौती का सामना करना के लिए एक व्यवस्था होनी चाहिए। करीब 13 लाख लोग बेघर हुए हैं।

11 लाख से अधिक घर क्षतिग्रस्त

अभूतपूर्व बाढ़ ने करीब 11 लाख से अधिक घरों को बहा दिया है या फिर उन्हें क्षतिग्रस्त कर दिया है। महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचों को भी नुकसान पहुंचा है। बाढ़ के कारण देश भर में कम से कम 18,000 स्कूल क्षतिग्रस्त या नष्ट हो गए हैं। बाढ़ की भयावहता का अंदाजा इसी से लगा सकते हैं कि देश के इक तिहाई हिस्सा पानी में डूब गया है। अकेले बलूचिस्तान की बात करें तो इस प्रांत में 250 से अधिक लोगों की मौत हुई है।

मौतों के लिए चीनी ठेकेदार जिम्मेदार

ढाका। बंगलादेश के ढाका में बड रैपिड ट्रांजिट (बीआरअी) परियोजना में गर्डरों के गिरने से पांच लोगों की मौत के लिए जांच समिति ने चीनी ठेकेदार को जिम्मेदार ठहराया है। जांच समिति ने रिपोर्ट में ठेकेदार को सजा देने की सिफारिश की गई है, लेकिन इसका फैसला सरकार पर छोड़ दिया कि ठेका रद्द किया जाए या ठेकेदार को काली सूची में डाला जाए। जांच समिति ने गुरुवार को अपनी रिपोर्ट सड़क परिवहन सचिव को सौंपी। जांच रिपोर्ट तैयार करने के लिए जिन लोगों के बयान लिये गये उनमें जेल में बंद क्रेन ऑपरेटर अल अमीन हुसैन ह्वदे के बयान भी शामिल है। इसके अलावा दस चीनी नागरिकों के बयान भी लिए गए हैं। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया कि उनका रवैया सहयोगपूर्ण नहीं था।

यूक्रेनी राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की के 'वन वर्ड ट्वीट' ने मचाया धमाल

नई दिल्ली। रूस और यूक्रेन के बीच छह महीने से भी अधिक समय से चल रहे युद्ध का अभी तक कोई परिणाम नहीं निकला है। इस युद्ध में यूक्रेन को भारी नुकसान जरूर हुआ है लेकिन अभी तक उसके जवान हथियार नहीं डाले हैं। रूसी सेना अपने घातक मिसाइलों और बमों के जरिए रूस के कई शहर को खंडहर में बदल दिया है। इसके बाद भी यूक्रेन रूस के साथ युद्ध करने में अभी तक पीछे नहीं हटा है। इस बीच शनिवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की का एक ट्वीट सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा है। जेलेंस्की की ओर से किए गए इस ट्वीट में मात्र एक शब्द लिखा हुआ है। वैसे तो ट्विटर पर शब्दों की लिमिट जरूर होती है लेकिन इतना भी कम नहीं है कि केवल एक शब्द ही लिखा जा सके। व्लादिमीर जेलेंस्की की ओर से किए गए एक शब्द वाले इस ट्विट में स्वतंत्रता लिखा हुआ है। यूक्रेन की राष्ट्रपति की ओर से किए गए मात्र एक शब्द वाला ट्वीट सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। जेलेंस्की का यह ट्वीट यह दर्शाता है कि उन्हें आजादी चाहिए। यही वजह है कि रूस के खिलाफ लड़ाई में यूक्रेन ने अभी तक अपने हथियार नहीं डाले हैं।

जेलेंस्की का यह एक शब्द वाला ट्वीट हजार शब्दों के बराबर है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर लोग इसी के बारे में चर्चा कर रहे हैं। कोई यूक्रेन को सपोर्ट कर रहा है तो कोई रूस के तेवर पर सवाल उठाया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस ट्वीट को काफी पंसद किया जा रहा है। इसे तक डेढ़ लाख से ज्यादा लोग लाइक कर चुके हैं और करीबी 17 हजार बार रीट्विट किया गया है। रूस ने यूक्रेन पर 24 फरवरी 2022 को हमला शुरू किया था और पिछले छह महीनों में पुतिन तथा उनके सैन्य अधिकारियों को यूक्रेन की सेना की ओर से अप्रत्याशित जवाब मिल रहा है। दक्षिणी प्रांत खेरसॉन में यूक्रेन ने 28 अगस्त, 2022 को जवाबी हमला शुरू किया। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के वरिष्ठ सलाहकार ओलेक्सी अरेस्तोविच ने इस अभियान को धीमी गति से शत्रु को बर्बाद करने वाला बताया।

सोमालिया में अल शबाब आतंकवादियों ने की 17 लोगों की हत्या

मोगादिशु। सोमालिया के हिरन क्षेत्र में अल शबाब आतंकवादियों ने वाहनों के काफिले पर हमला कर 17 लोगों की हत्या कर दी है। स्थानीय सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी हैं। स्थानीय निवासी मोहम्मद हुसैन अली ने मीडिया को फोन पर बताया कि शुक्रवार को हिर्शबेले प्रांत के बेलेडवेने शहर के बाहरी इलाके में स्थानीय नागरिकों के लिए खाद्य आपूर्ति ले जा रहे वाहनों पर आतंकवादियों ने हमला किया। उन्होंने बताया कि इस हमले में पुरूष, महिला और बच्चों समेत 17 लोग मारे गये है। सात वाहन जल कर राख हो गए। उल्लेखनीय है कि सोमालिया नेशनल आर्मी हिरन क्षेत्र से अल-शबाब आतंकवादियों को बाहर खदेड़ने के लिए लड़ रही है।

युगांडा में भारी बारिश से भूस्खलन के कारण कई लोग विस्थापित

कंपाला। युगांडा के किसोरो शहर मके दक्षिण-पश्चिमी जिले में भारी बारिश से आई बाढ़ और भूस्खलन के कारण बड़ी संख्या में लोग विस्थापित हुए हैं। एक स्थानीय राहत एजेंसी ने शनिवार को यह जानकारी दी। युगांडा रेड क्रॉस सोसाइटी के एक प्रवक्ता के अनुसार, रुबुगुरी टाउन काउंसिल में भूस्खलन के कारण कई घर नष्ट हो गए हैं। देश के पूर्वी हिस्से में भारी बारिश से भूस्खलन और बाढ़ से कम से कम 24 लोगों की मौत हो गई और हजारों लोग विस्थापित हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि दक्षिण-पश्चिमी और पूर्वी युगांडा की पहाड़ी क्षेत्रों में भारी बारिश से भूस्खलन शुरू हो जाता है। आधिकारिक अनुमानों के अनुसार, देश में साल 2021 में बाढ़ से दस लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए थे।

रूस ने यूरोप को नॉर्ड स्ट्रीम-1 पाइपलाइन की आपूर्ति अनिश्चितकाल के लिए की बंद

मास्को। रूसी ऊर्जा कंपनी शनिवार सुबह से जर्मनी को गैस वितरण फिर से शुरू करने वाली थी, लेकिन कंपनी ने शुक्रवार शाम को फिर से खोलने के लिए कोई समय-सीमा दिए बिना ही पाइपलाइन में गैस के प्रवाह को बंद कर दिया। द गार्जियन ने रिपोर्ट में बताया कि रूसी ऊर्जा कंपनी गजप्रोम ने शुक्रवार शाम को अपनी प्रमुख नॉर्ड स्ट्रीम-1 पाइपलाइन के माध्यम से जर्मनी के लिए गैस प्रवाह को बंद कर दिया। व्लादिमीर पुतिन के शासन में वित्तीय स्रोतों को रोकने के प्रयास में जी 7 देशों द्वारा रूसी तेल की कीमत पर लगाम लगाने पर सहमति बनने के कुछ घंटे बाद कंपनी ने यह कदम उठाया। सरकारी तेल और गैस फर्म गजप्रोम ने कहा कि रिसाव का पता चलने के बाद आपूर्ति अनिश्चितकाल तक बंद रहेगी। कंपनी ने कहा कि जब तक मरम्मत का काम पूरा नहीं हो जाता तब तक पाइपलाइन को गैस आपूर्ति के लिए फिर से शुरू नहीं किया जाएगा। नॉर्ड स्ट्रीम-1 रूस से यूरोप तक गैस पहुंचाने वाली सबसे बड़ी पाइपलाइन है और इसकी क्षमता सालाना 55 अरब क्यूबिक मीटर गैस पहुंचाने की है। पाइपलाइन के जरिए से निरंतर गैस आपूर्ति के गहराते संकट को रोकने के लिए इसे महत्वपूर्ण माना जाता है। टेलीग्राम पर एक बयान में गजप्रोम ने कहा, नॉर्ड स्ट्रीम गैस पाइपलाइन के लिए गैस परिवहन पूरी तरह से रोक दिया गया है।

पाक में 24 घंटों में बाढ़ से 57 लोगों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में पिछले 24 घंटों के दौरान भारी बारिश के कारण आई बाढ़ की चपेट में आकर कम से कम 57 लोगों की मौत हो गई और 7,683 अन्य घायल हो गए। पाकिस्तान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने यह जानकारी दी है। एनडीएमए की ओर से शुक्रवार शाम जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, देश भर में बाढ़ से संबंधित विभिन्न दुर्घटनाओं में अपनी जान गंवाने वालों में कम से कम 17 बच्चे और 18 महिलाएं हैं। एनडीएमए के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, जून के मध्य से पाकिस्तान में मानसूनी बारिश और बाढ़ से मरने वालों की कुल संख्या 1,265 हो गई है। साथ ही 12,577 घायल हुए हैं। यहां बारिश और बाढ़ के कारण 1,427,039 घर नष्ट हो गए हैं, जबकि देशभर में 735,584 के मारे जाने का अनुमान है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

नोएडा का श्रीकांत-एना प्रकरण : पैसे की खनक, रुतबा बुलंदी की सनक और सियासी हनक का है परिणाम

नोएडा की ग्रैंड ओमेक्स सोसइटी के रेजिडेंट्स के बीच हुए विवाद से अधिकांश लोग भली-भांति परिचित ही होंगे। अपने लेख के माध्यम से इस विवाद से जुड़े विभिन्न पहलुओं, संदर्भों को आपके समक्ष रखने का प्रयास किया गया है। हमारा उद्देश्य सामाजिक तारतम्य को सुदृढ़ करते हुए यह सुनिश्चित करना है कि समस्त नागरिक एक स्वस्थ और भेदभाव रहित वातावरण में जीवन यापन कर सकें। देखा जाए तो पूरा प्रकरण पैसे की खनक, रुतबा बुलंदी की सनक और सियासी हनक का परिणाम है, जिसे कुछ नेताओं, अफसरों ने अपने-अपने हित साधने को अन्यान्य कारणों से तूल देकर तिल का ताड़ बनाने का काम किया। हमारा उद्देश्य एना अग्रवाल नामक महिला से अभद्रता, गाली-गलौंच और धक्का-मुक्की करने के आरोपी श्रीकांत त्यागी का पक्ष लेना, उसका समर्थन करना कदापि नहीं हैं, उसने जो किया, वह निश्चित रूप से गलत, अनैतिक और आपराधिक कृत्य है, हम उसकी घोर निंदा-भर्त्सना करते हैं। श्रीकांत को उसके किए अपराध के लिए न्यायसंगत सजा मिलनी ही चाहिए, लेकिन इस प्रकरण से उत्पन्न सवालों के जबाव भी मिलने-खोजने आवश्यक हैं। यदि इन प्रश्नों को अनुत्तरित ही छोड़ दिया गया और कोई समाधान नहीं मिला तो ऐसी घटनाओं की रक्तबीज की तरह पुनरावृत्ति होने से ये समस्याएं निरंतर सिर उठाए खड़ी ही रहेंगी। जो कि सर्वसमाज को स्वीकार्य भी नहीं हैं। ऐसी घटनाओं से न केवल परस्पर समन्वय समाप्त होने से समाज में वैमनस्य बढ़ेगा, बल्कि सामाजिक और नैतिक सिद्धांतों-सरोकारों का ह्रास भी होगा। नोएडा में ही महिला अधिवक्ता भावना रॉय द्वारा सुरक्षाकर्मियों से किया गया दुर्व्यवहार और गाजियाबाद में कथित आआपा नेता के एक महिला के साथ बदसलूकी किया जाना, ग्रैंड ओमेक्स वाली घटना की श्रृंखला का ही विस्तार हैं।

कुलदीप त्यागी

नोएडा निवासी कथित भाजपा नेता का एक महिला संग बदसलूकी किए जाने वाला प्रकरण बीते करीब महीने भर से जन-विमर्श के केंद्र में है। देश-समाज के प्रत्येक न्यायप्रिय संवेदनशील व्यक्ति की तरह ही हमारा भी मानना-समझना है कि अपराध हो या गलती, निसंदेह दोषी को उसके किए की सजा मिलनी ही चाहिए, लेकिन सजा तो अपराध की गंभीरता और संवेदनशीलता या यूं कहें कि प्रवृत्ति के अनुसार ही न्यायसंगत होगी। ऐसे प्रश्न आवश्यक है कि नोएडा की ग्रैंड ओमेक्स सोसाइटी में महिला संग बदसलूकी मामले का आरोपी कथित भाजपा नेता श्रीकांत त्यागी क्या इतना बड़ा अपराधी है, जितना कि मीडिया, आरडब्ल्यूए और स्थानीय सांसद डॉ.महेश शर्मा आदि-इत्यादि के दबाव में पुलिस-प्रशासन द्वारा उसे दिखाया-घोषित कर दिया गया? महिला संग बदसलूकी करने वाले एक नामालूम से नेता को सुनियोजित तरीके से बढ़ा-चढ़ाकर कुछ ऐसे पेश किया गया कि मानो वह भाजपा का आला नेताओं में शुमार हो।

किसी भी विवाद में दोनों पक्षों के गुण-दोष का निष्पक्ष परीक्षण किया जाना ही न्यायोचित होता है। संदर्भित विषय में भी ऐसा ही किया जाता तो न्यायिक सिद्धांत %%चाहे कितने भी दोषी बच जाएं, लेकिन किसी एक भी निर्दोष को सजा नहीं मिलनी चाहिए%% का प्रतिपादन होता। हालांकि मीडिया ट्रायल के कारण बने दबाव के परिणामस्वरूप ऐसा हो न सका। रही-सही कसर पुलिसिया क्रिया-कलाप ने पूरी कर दी, श्रीकांत की पत्नी अनु त्यागी और मामी इंगला त्यागी को अनाधिकार और अवैध रूप से हिरासत में लेकर। भीड़ तंत्र ने भी पेड़ गिराने का कार्य उन्मादी रूप से किया, जबकि उन पेड़ों को सावधानी पूर्वक हटाकर दूसरे स्थान पर भी लगाया जा सकता था।

श्रीकांत-एना प्रकरण को तूल देने में महिला संग बदसुलूकी का आरोपी श्रीकांत त्यागी, मीडिया, स्थानीय पुलिस-प्रशासन, सांसद डॉ.महेश शर्मा के साथ-साथ वैश्य समाज, त्यागी समाज और ब्राह्मण समाज के तथाकथित झंडाबरदार प्रथम दृष्ट्या जिम्मेदार किरदार हैं।

धनबल के दिखावे संग रुतबा बुलंदी की सनक-हनक

पहले बात मामले के आरोपी श्रीकांत त्यागी की, वास्तव में वह मूलतः भाजपाई नहीं रहा। वह बसपा छोड़ भाजपा में आए और फिर सपा के झंडाबरदार बने स्वामी प्रसाद मौर्य का चहेता बताया जाता रहा है। कहते हैं कि स्वामी प्रसाद मौर्य के सपा में शामिल होने के बाद श्रीकांत रुतबा बुलंदी को दोनों हाथों में लड्डू रखे हुए था अर्थात प्रत्यक्ष भाजपा में दिखना और अपने पुराने नेता संग भी जुड़े रहना। यह अतिमहत्वाकांक्षी युवा श्रीकांत, समाज के उस वर्ग का प्रतिनिधित्व करता है जिसे धनबल के दिखावे संग रुतबा बुलंदी की सनक-हनक है अर्थात औरों से अलग या खास दिखने को साम-दाम-दंड-भेद अपनाकर हर दांव आजमाता-इस्तेमाल करता है। यथा - हथियारबंद बाउंसर, कारों का काफिला, भीड़-भड़क्का आदि-इत्यादि।

यह धनबलियों का वह वर्ग है जो जाने-अनजाने या सोच-समझ कर किसी छोटे-बड़े आपराधिक कृत्य को अंजाम तो दे देता है, लेकिन घटना के तूल पकड़ते ही उसकी दंबंगई का चोला उतर जाता है, बर्तन की कलई की तरह। उसके चतुर-चालाक सलाहकार तत्काल सक्रिय हो उठते हैं, उसे बचाव की बचकानी सलाह देने को। बताने लगते हैं कि वह क्या करे और क्या न करे? निसंदेह आरोपी कई बार अपनी उच्चस्तरीय पकड़ या रसूखों के बूते कानून के शिकंजे से बच निकलता है। कई बार उसे सुनियोजित तरीके से फंसा भी लिया जाता है।

श्रीकांत के मामले का अध्ययन करने पर भी ऐसा ही प्रतीत होता है कि चतुर-चालाक सलाहकारों की बचकानी सलाह ने सबकुछ मटियामेट करा दिया। क्योंकि श्रीकांत का महिला संग बदसलूकी किए जाने वाला वीडियो वायरल होने के बाद होना तो यह चाहिए था कि वह (आरोपी) कहीं भागने-फरार होने की जुगत भिड़ाने के बजाए अपने घर रहता और संबंधित विषय में सक्षम पुलिस अफसरों के समक्ष पहुंचकर अपना पक्ष रखता। मुकदमे की धाराओं के तहत सजा भुगतने को तैयार होता। हालांकि ऐसा करने के बजाए उसने भगौड़ा बनना कहीं बेहतर समझा और यहीं वह गंभीर चूक कर बैठा। परिणाम सबके सामने है, एक सामान्य सी धाराओं वाला मामला बवाल-ए-जान बन गया।

'बूढ़ा मरे या जवान, हमें तो बस खबर से है काम'

बीते तीन दशक से अधिक समय से मीडिया में सक्रिय होने के नाते हुए अनुभव के आधार पर अपन डंके की चोट पर कह सकतें हैं कि मीडिया की भूमिका का तो खैर कहना ही क्या? उसका काम तो है ही किसी भी विषय-घटना को सनसनीखेज बनाकर प्रस्तुत करना। इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया के चढ़ाव वाले इस दौर में तो यह एक मानक ही बन गया है। वैसे भी मीडिया में विशेष रूप से आपराधिक विषय से संबंधित %पत्रकार% एक वाक्य %बूढ़ा मरे या जवान, हमें तो बस खबर से है काम% अक्सर दोहराते आए हैं अर्थात उन्हें किसी की %मौत% से, उसके परिजनों की व्यथा-पीड़ा से कोई सरोकार नहीं है केवल खबर से ही मतलब है। यह वाक्य मीडिया की तुच्छ और घटिया मानसिकता को उजागर करने को पर्याप्त है। ऐसे में कहा जा सकता है कि नोएडा की इस घटना के मामले में भी मीडिया पहले दिन से ही अपनी औकात और मानसिकता के हिसाब से ही काम करता प्रतीत हुआ।

इतना ही नहीं टीआरपी के युद्ध में आगे निकलने को व्यग्र कुंठित-दमित मानसिकता वाले मीडियाकर्मियों और उनके पैनलिस्टों ने जमकर निर्लज्जता दिखाई और एक जाति विशेष अर्थात त्यागी समाज के विरुद्ध अपना हित चयनित एजेंडा चलाया। एक सुशिक्षित-सभ्य किसान जाति त्यागी समाज को कोसने, उसकी छवि बिगाड़ने, बदनाम करने की भरसक कोशिश की गई। इतना ही नहीं इस विषय को लेकर खूब फजीहत झेल चुका मीडिया अब भी अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है।

पुलिस की अतिसक्रियता ने दिया तूल

पुलिस को इसका जबाव तो देना ही चाहिए कि आखिर ऐसा कौन सा पहाड़ टूट पड़ा था जो श्रीकांत की पत्नी अनु त्यागी को अनधिकृत रूप से हिरासत में लिया गया, जबकि अनु के अनुसार वह पूछताछ में पूरा सहयोग करने को सहमत थी। और पुलिस श्रीकांत की मामी इंगल त्यागी को अवैध तरीके से हिरासत में लेकर क्योंकर घूमती रही। इतना ही नहीं पुलिस अफसरों को जब यह मालूम था कि श्रीकांत के बच्चे घर पर अकेले हैं तो क्या मानवीय आधार पर कुछ रियायत नहीं बरती जानी चाहिए थी। क्योंकि श्रीकांत ने एक महिला संग बदसलूकी की थी, जोकि विधिक रूप से सामान्य धाराओं का अपराध है। श्रीकांत कोई खूंखार अपराधी या कट्टर आतंकवादी तो है नहीं जो पुलिस ने उस पर एकाएक 25 हजार रूपए का इनाम घोषित कर दिया और उसकी गिरफ्तारी को हड़कम्प मचाए रखा।

मूल दायित्व से इतर अन्य सब कुछ कर-करा रहे हैं जातीय संगठन

जातीय संगठनों का दायित्व समाज हित में उत्थानपरक और प्रेरणादायक कार्य करने के साथ ही परस्पर समन्वय बनाए रखना होता है। हालांकि वर्तमान संदर्भ में प्रतीत होता है कि विभिन्न जातीय संगठन अपने मूल दायित्व से इतर अन्य सब कुछ कर-करा रहे हैं। कहने को त्यागी-ब्राह्मण समाज के लोग अपनी एकता के कसीदे काढ़ते नहीं थकते-अघाते, लेकिन वास्तविकता क्या है? यह एक मामूली से मुद्दे को लेकर छिड़ी बहस ने उजागर कर दी है। दोनों ही वर्ग एक-दूसरे को पानी पी-पीकर गरिया रहे हैं। त्यागी-ब्राह्मण समाज ही नहीं, बल्कि त्यागी और वैश्य समाज के बीच भी बयानबाजी का दौर जारी है और दोनों पक्ष आमने-सामने हैं। इतना ही नहीं अन्य जाति-वर्ग के लोग और अराजनैतिक कहे-बताए जाने वाले कुछेक संगठन भी कतिपय कारणों से इस आग को भभकाने-भड़काने की भरसक कोशिश में हवा देने को प्रयासरत हैं। राजनीति दलों के अनेक नेता अपने-अपने हित साधने की जुगत में आग को भड़काकर हाथ सेंक रहे हैं।

जातिगत चश्मा उतारकर देखने-समझने की है जरूरत

नोएडा की ग्रैंड ओमेक्स सोसाइटी में महिला संग अभद्रता संबंधी पूरे प्रकरण को जातिगत चश्मा उतारकर देखने-समझने की जरूरत है, क्योंकि अराजक तत्वों की कोई जाति नहीं होती। यह सच है कि कथित भाजपा नेता श्रीकांत त्यागी ने जो कुछ भी किया, सभ्य समाज में वह अराजकता कही-मानी-समझी जाती है, ऐसे में किन्तु-परन्तु की आवश्यकता ही कहां है। अराजकता फैलाने वालों को अराजक तत्व ही कहा जाना चाहिए, चाहे वह किसी भी जाति-वर्ग का हो।

समझना होगा कि त्यागी समाज के प्रति वैमनस्य फैलाने, त्यागी बिरादरी का नाम खराब करने का मौका मीडिया को श्रीकांत त्यागी की हरकतों ने ही दिया। यदि श्रीकांत अपनी बिरादरी के सम्मान के प्रति सचेत रहता तो एक महिला के साथ बदसलूकी करने से बचने का हर संभव प्रयास करता, जो उसने कतई नहीं किया। अतः त्यागी समाज को उसके समर्थन से दूरी बनाए रखनी चाहिए।

वायरल वीडियो से साफ है कि इस प्रकरण में पीड़ित महिला ने भी आरोपी श्रीकांत को उकसाने-भड़काने में कसर नहीं छोड़ी। ऐसे में वैश्य समाज को भी सयंम बरतने की जरूरत थी।

कारण चाहे जो भी रहे हों, लेकिन स्थानीय सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा भी आपे से बाहर आने को आतुर दिखे। और तो और नोएडा के पुलिस कमिश्नर तक को अपशब्द कह दिए। अतः ब्राहमण समाज के लोगों को भी डॉ. महेश शर्मा के समर्थन में बयानबाजी करते समय सजगता दिखानी चाहिए थी।

राजनीतिक कारणों से बुना गया उभरते युवा नेता को फंसाने का ताना-बाना

सांसद डॉ. महेश शर्मा की ओर से इस विषय में सफाई देने को जारी किए गए तीन पृष्ठों के पत्र में स्वयं स्वीकार किया कि मेरठ-हापुड़ सांसद राजेंद्र अग्रवाल ने उन्हें फोन करके इस मामले में हस्तक्षेप करने को कहा था। ऐसे में प्रतीत होता है कि कतिपय राजनीतिक कारणों से एक उभरते हुए युवा नेता को जानबूझकर एक आपराधिक मामले में फंसाने का ताना-बाना बुना गया।

आरडब्ल्यूए के एक सामान्य विवाद को राजनीतिक हित साधने के लिए न केवल अकारण ही तूल दे दिया गया, बल्कि पूरे त्यागी समाज की छवि को बिगाड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ी। देश के एक सभ्य, सुसंस्कृत और शिक्षित समाज को अपराधी बताने-दिखाने का भरसक प्रयास मीडिया, सांसद डॉ. महेश शर्मा, सांसद राजेंद्र अग्रवाल और भाजपा नेता विनीत अग्रवाल शारदा आदि ने किया, यह पूरी तरह से निंदनीय है। इन लोगों के कृत्यों को कभी माफ नहीं किया जा सकता।

नारी को अपनी गरिमा का ध्यान रखना चाहिए

निर्विवाद रूप से से श्रीकांत त्यागी का आचरण निर्लज्ज और निंदनीय था, जिसे किसी भी स्तर पर स्वीकारा नहीं जा सकता। हमारे समाज में आज भी बहु-बेटियों को यही सलाह दी जाती है कि जहां कोई अशोभनीय घटना हो रही हो, उस स्थान का यथाशीघ्र परित्याग करना ही उचित रहता है। जबकि यहां एना अग्रवाल लगातार श्रीकांत त्यागी से बहस करती रहीं। क्या यह उचित नहीं होता कि जिस क्षण श्रीकांत अपशब्दों पर उतारू हुआ था, उसी समय एना को घटना स्थल से दूरी बना लेती। क्योंकि नारी को अपनी गरिमा का ध्यान स्वयं भी तो रखना ही चाहिए।

स्थानीय बनाम बाहरी रहवासियों में परस्पर समन्वय का अभाव

जिस तरह श्रीकांत त्यागी ने हनक-सनक के चलते समाज के प्रति अपनी कोई जवावदेही नहीं मानी और उद्दण्तापूर्ण, अनैतिक असामाजिक आचरण किया, उसी प्रकार सोसाईटी के अन्य रहवासियों ने भी अपने सामाजिक दायित्व का निर्वाह करने में कोताही बरती। यह आचरण स्थानीय बनाम बाहरी रहवासियों में परस्पर समन्वय के अभाव का उदाहरण है। क्योंकि स्थानीय लोग अपनी स्थानीयता को लेकर अतिआत्ममुग्ध होने के चलते हनक दिखाते हैं, वहीं गैरस्थानीय लोग स्वयं कों वर्जनामुक्त समझने के कारण नकारात्मक पाश्चात्य सभ्यता का पालन करने में कहीं नहीं हिचकते हैं। यही टकराव का मूल कारक है। ऐसे में दोनों पक्षों को ही आपसी सामंजस्य बनाने की पहल करनी होगी। अन्यथा ऐसे मामलों की पुनरावृत्ति होती रहेगी।

बड़े खेल की चौसर पर मोहरा भर है 'त्यागी समाज'

दिल्ली, लखनऊ और नोएडा के राजनीतिक, प्रशासनिक और मीडियाई गलियारों से छनकर बाहर आ रही खबरों, चर्चाओं पर यकीन करें तो श्रीकांत-एना प्रकरण में जो कुछ प्रत्यक्ष दिख रहा है, वास्तव में वैसा ही सब नहीं है। यह लड़ाई बड़े स्तर से संबद्ध है और त्यागी समाज अब उसमें बिछी चौसर का मोहरा भर ही है।

जी हां, यह मसला-मामला जैसा-जितना दिख रहा है उतना सामान्य या साधारण कतई नहीं है। चर्चा है कि कुछ आला अफसर, कई बड़े नेता-जनप्रतिनिधि इस प्रकरण के मूल में हैं। और उन्हीं की शह पर यह पूरा खेल खेला गया। कुछेक चर्चाओं पर यकीन करें तो पूरे खेल में अभी तक प्रथम दृष्ट्या खिलाड़ी प्रतीत हो रहे स्थानीय सांसद और पूर्व मंत्री डॉ. महेश शर्मा खुद इसमें शिकार हैं और श्रीकांत को चारा बनाकर शिकारियों ने उन्हीं पर लक्ष्य-संधान कर रखा है। खेल पैसे का भी है, नेता-अफसर-स्क्रैप माफिया गठजोड़ का भी है।

इस पूरे प्रकरण में मीडिया के साथ ही इससे संबंधित पुलिस अफसरों, स्थानीय सांसद डॉ. महेश शर्मा और विषय विशेष को लेकर अतिसक्रिय होने वाले विभिन्न जातीय संगठनों और राजनीतिक दलों से जुड़े नेताओं की भूमिका की उच्चस्तरीय निष्पक्ष जांच की जानी चाहिए। तब कहीं जाकर इस मामले में दूध का दूध, पानी का पानी हो सकेगा।

'त्यागी समाज' की 'आन-बान-शान' से 'भाजपा विरोध' तक सिमटा मामला

श्रीकांत-एना प्रकरण में त्यागी समाज स्वयं एक मोहरे की तरह इस्तेमाल किया जाता प्रतीत हो रहा है। अतिक्रमण का विरोध कर रही महिला संग बदसलूकी करने से शुरू हुआ यह मामला अब त्यागी समाज की आन-बान-शान से जुड़कर भाजपा विरोध तक सिमट गया है। शुरूआती विरोध से इतर 21 अगस्त की महापंचायत से लेकर मेरठ में धरना-प्रदर्शन तक हुई-हो रही बयानबाजी को देख-सुनकर

कोई भी सजग-सतर्क रहने वाला व्यक्ति मामूली दिमागी कसरत से जान-समझ सकता है कि नोएडा की ग्रैंड ओमेक्स सोसाइटी वाले प्रकरण में क्या-क्या हुआ-हुवाया या किया-कराया जा रहा है। राजनीतिक पंडितों की मानें तो त्यागी-भूमिहार समाज की आड़ लेकर कुछ नेता और दल विशेष अपनी सियासत चमकाने, सियासी जमीन पुख्ता करने की जुगत में हैं। राजनीतिक पारी शुरू करने के सपने देख रहे अफसर भी इसमें शामिल हैं।

दरअसल भाजपा विरोधियों को यह मसला अपने मुफीद दिखा, नतीजतन वे अपने-अपने चयनित हित साधने को त्यागी समाज का कांधा इस्तेमाल करने की मुहिम में आ जुटे। इस विवाद को तूल देने को साम, दाम, दण्ड और भेद यानी हर हथकण्डा आजमाने में लगे हैं। इन लोगों में अन्य समाज के झंडाबरदारों के साथ ही कतिपय कारणों से कांग्रेस, राष्ट्रीय लोकदल, सपा और भाकियू में सक्रिय छोटे-बड़े कई त्यागी नेता भी लिप्त हैं।

त्यागी समाज को यह समझना-ध्यान देना चाहिए कि कल तक त्यागियों की काट का मौका तलाशने वाले तत्व आज इस प्रकरण में तुम्हारे साथ क्यों खड़े दिख रहे हैं? त्यागी-भूमिहार समाज के राजनीतिक रूझान की बात करें तो करीब 90 फीसदी त्यागी-भूमिहार वर्तमान में खूंटा ठोककर भाजपा संग हैं। ऐसे में अन्य दलों में सक्रिय त्यागी-भूमिहार नेताओं को अपने लिए कहीं कोई मौका दिखाई नहीं देता। श्रीकांत-एना प्रकरण इन नेताओं को अपने हित साधाने का अवसर प्रतीत हुआ और उन्होंने समय न गंवाते हुए मामले को हाथों-हाथ ले लिया और इसे उछालने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे। इनमें पश्चिमी उत्तर प्रदेश के त्यागी नेता ही नहीं, बल्कि पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार के भूमिहार नेता भी पुरजोर तरीके से सक्रिय हो उठे।

चौंकाने वाला तथ्य यह है कि भाजपा में सक्रिय त्यागी नेताओं ने भी इस मामले को शांत करने-कराने के बजाए आग में घी डालकर हाथ सेंकने की जुगत भिड़ाई। कहा जा रहा है कि भाजपा के त्यागी नेता भी अपने-अपने हित साधने की कवायद में हैं। अंततः यही कहा जा सकता है कि बेशक लाख समझाओ, लेकिन समझाने से अब कोई भी समझने वाला नहीं है। क्योंकि रणभेरी बज चुकी है, तीर-तलवार पर धार लगाकर सभी योद्धा सज्ज होकर निशाना साधने में लगे हैं।

बहरहाल, त्यागी समाज श्रीकांत त्यागी की पत्नी व अन्य परिजनों के उत्पीड़न को लेकर क्षुब्ध है। इसे लेकर आंदोलित लोगों ने नारी शक्ति के सम्मान में, त्यागी समाज मैदान में का नारा बुलंद करते हुए स्थानीय सांसद डॉ.महेश शर्मा, मेरठ-हापुड़ के सांसद राजेंद्र अग्रवाल के खिलाफ ही नहीं, बल्कि भाजपा के खिलाफ भी मोर्चा खोल रखा है।

त्यागी समाज पूछ रहा है कि इस पूरे प्रकरण में श्रीकांत त्यागी के परिजनों (पत्नी-बच्चों और रिश्तेदारों) ने आखिर ऐसा क्या अपराध किया जो उनका उत्पीड़न किया गया। श्रीकांत की पत्नी अनू त्यागी को नियम विरुद्ध हिरासत में क्यों रखा गया। घंटों तक थाने में बैठाकर प्रताड़ित क्यों किया गया। बच्चों व अन्य परिवारजनों को क्यों डराया-धमकाया, आतंकित किया गया। उनके घर की बजली क्यों काट दी गई।

त्यागी समाज की मांग है कि इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच की जाए और दोषियों पर कार्रवाई हो। श्रीकांत त्यागी की पत्नी व अन्य परिजनों के उत्पीड़न में लिप्त अफसरों को दंडित किया जाए। साथ ही श्रीकांत पर अकारण लगे गैंगस्टर एक्ट को हटाया जाए। त्यागी समाज के बड़े राजनीतिज्ञों को सामने आकर मामले को संवेदनशीलता के साथ संभालना चाहिए। साथ ही सरकार को भी समय रहते इस विषय की गंभीरता को समझकर त्यागी समाज की न्यायोचित मांगों पर कार्रवाई करनी चाहिए।

'त्यागी समाज' की छवि को ध्वस्त करने का षड़यंत्र

यहां एक महत्वपूर्ण विषय यह भी है कि एक महिला संग हुई बदसलूकी, धक्का-मुक्की की घटना को मीडिया ने 'जातीय' उन्माद का रंग दे दिया गया। आरोपी की जाति की आड़ लेकर पूरे 'त्यागी समाज' की छवि को ध्वस्त करने का षड़यंत्र चालू हो गया। मीडिया खास कर टीवी चैनलों ने टीआरपी बढ़ाने की अंधी दौड़ में श्रीकांत के बजाए उसकी जाति 'त्यागी' को लेकर तमाम तरह के निंदनीय शीर्षक ब्रेकिंग न्यूज की तरह चलाए। इस कुत्सित कृत्य में हजारों जन जाने-अनजाने, बगैर कुछ सोचे-समझे भेड़चाल की तरह सम्मिलित हो गए।

निरअपराध परिजनों का क्यों किया गया उत्पीड़न?

सवाल यह है कि इस पूरे प्रकरण में श्रीकांत त्यागी के परिजनों (पत्नी-बच्चों और रिश्तेदारों) ने आखिर ऐसा क्या अपराध किया जो उनका उत्पीड़न किया गया। श्रीकांत की पत्नी अनु त्यागी को हिरासत रखा, थाने में प्रताड़ित किया गया। श्रीकांत की मामी इंगला त्यागी को हिरासत में लेकर घंटों तक यहां-वहां घुमाया गया। बच्चों व अन्य परिवारजनों को डराया-धमकाया, आतंकित किया गया। उनके घर की बजली तक काट दी गई। क्या जिम्मेदार अधिकारी शपथ पत्र दे सकते हैं कि इस मामले में मानवाधिकारों का उल्लंघन नहीं हुआ?

श्रीकांत क्या इतना बड़ा अपराधी है, जितना दिखाया-घोषित कर दिया गया?

आरोपी भाजपा नेता श्रीकांत त्यागी क्या इतना बड़ा अपराधी है, जितना कि आरडब्ल्यूए, मीडिया, स्थानीय सांसद डॉ. महेश शर्मा, मेरठ-हापुड़ सांसद राजेंद्र अग्रवाल आदि-इत्यादि के दबाव में पुलिस-प्रशासन द्वारा उसे दिखाया-घोषित कर दिया गया? प्रथम दृष्ट्या एक सामान्य सी धाराओं वाले मामले के आरोपी श्रीकांत पर गौतमबुद्धनगर पुलिस ने हास्यादस्पद रूप से 25 हजार का ईनाम घोषित कर दिया गया और गैंगस्टर एक्ट तक लगा दिया गया। यह बात भी तय है कि डॉ. महेश शर्मा आरोपी श्रीकांत त्यागी के आचरण के विषय में वर्ष 2019 से अवगत थे, फिर वे हाल तक चुप्पी क्यों साधे रहे।

क्या अब कोई अवैध निर्माण और अतिक्रमण नहीं है?

क्या यह सुनिश्चित कर लिया गया है कि नोएडा की सोसायटियों, विशेषतः ग्रैंड ओमेक्स में अब कोई अवैध निर्माण और अतिक्रमण नहीं है। यदि नहीं तो सारा आक्रोश और विधि पालना की अपेक्षा उस व्यक्ति से क्यों जो किसी अन्य प्रकरण में वांछित है। सरकारी तंत्र के ज्ञान चक्षु व्यक्ति विशेष के लिए ही क्यों खुले। सोसायटी में जब बुलडोजर आया तो सभी पर समान रूप से कार्यावाही होती तो लगता कि न्याय हो रहा है।

आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में अंग्रेजों को पीछे छोड़ने का मजा ही कुछ और है

2014 से पहले भारत भ्रष्टाचार, सरकारी नीतियों में शिथिलता आदि समस्याओं से जूझ रहा था लेकिन केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रचंड बहुमत वाली सरकार बनने के बाद से जो आर्थिक, राजनीतिक और नीतिगत सुधार शुरू हुआ उसका असर अब दिखने लगा है।

आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे देश के लिए वाकई यह एक बड़ी खुशखबरी है कि भारत दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। खास बात यह है कि पांचवें स्थान पर आने के लिए हमने उन अंग्रेजों को पछाड़ा है जिन्होंने हमारे देश पर वर्षों तक राज किया।

अभी दो दिन पहले ही खबर आई थी कि भारत दुनिया में सबसे तेज आर्थिक वृद्धि हासिल करने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बना हुआ है और अब खबर आई है कि ब्रिटेन को पछाड़कर भारत दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। हम आपको बता दें कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के मुताबिक वर्ष 2021 के आखिरी तीन महीनों में भारत ब्रिटेन से आगे निकल गया। आईएमएफ ने कहा है कि हालिया जीडीपी आंकड़ों पर गौर करने से पता चलता है कि भारत अपनी बढ़त वित्त वर्ष 2022-23 में भी बनाए हुए है। उल्लेखनीय है कि तुलनात्मक अवधि में भारत की अर्थव्यवस्था 854.7 अरब डॉलर रही जबकि इसी अवधि में ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था 816 अरब डॉलर रही। अगर हम एक दशक पहले के आंकड़ों पर नजर डालें तो दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की सूची में भारत 11वें स्थान पर था जबकि ब्रिटेन पांचवें स्थान पर था।

2014 से पहले भारत भ्रष्टाचार, सरकारी नीतियों में शिथिलता आदि समस्याओं से जूझ रहा था लेकिन केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रचंड बहुमत वाली सरकार बनने के बाद से जो आर्थिक, राजनीतिक और नीतिगत सुधार शुरू हुआ उसका असर अब दिखने लगा है।

मोदी सरकार के कार्यकाल में जिस तरह भारत को आत्मनिर्भरता की राह पर आगे बढ़ाते हुए और बुनियादी ढांचे के विकास में तेजी लाते हुए निवेश आकर्षित करने के लिए जीतोड़ मेहनत की गयी उसका असर दिखने लगा है।

दिल्ली घूमने आये हैं तो प्रधानमंत्री संग्रहालय को जाकर जरूर देखें

प्रधानमंत्री संग्रहालय में सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों के योगदानों का विस्तार से उल्लेख किया गया है और विभिन्न माध्यमों से उन्हें दर्शाया भी गया है। कहा जा सकता है कि प्रधानमंत्री संग्रहालय अपने आप में देश का अनूठा संग्रहालय है।

यदि आप राजनीति या इतिहास में रुचि रखते हैं तो आपको नयी दिल्ली में बनाये गये प्रधानमंत्री संग्रहालय में जरूर जाना चाहिए। यहां आप पर्यटन की दृष्टि से भी जा सकते हैं क्योंकि अन्य जगहों से हटकर सेल्फी लेने के विकल्प यहां मौजूद हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर बने इस संग्रहालय को हाल ही में राष्ट्र को समर्पित किया गया था। भारत के अब तक के सभी प्रधानमंत्रियों के जीवन पर विस्तृत जानकारी प्रदान करने वाला संग्रहालय इसलिए बनवाया गया है ताकि अब तक के प्रधानमंत्रियों के कार्यकाल की उपलब्धियों को भी देश करीब से जाने।

प्रधानमंत्री संग्रहालय में सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों के योगदानों का विस्तार से उल्लेख किया गया है और विभिन्न माध्यमों से उन्हें दर्शाया भी गया है। कहा जा सकता है कि प्रधानमंत्री संग्रहालय अपने आप में देश का अनूठा संग्रहालय है जिसमें सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों के बारे में करीब से जानने का मौका मिलेगा। केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय की ओर से तैयार किये गये इस संग्रहालय में लोगों को भारत के 14 पूर्व प्रधानमंत्रियों के बारे में सारी जानकारी मिलेगी। इस संग्रहालय में सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों को उनके कार्यकाल के मुताबिक स्थान दिया गया है। इस अनूठे संग्रहालय को तैयार करते समय सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों के परिजनों से संपर्क कर उनके जीवन से जुड़ी दिलचस्प जानकारियों को एकत्रित कर यहां प्रदर्शित किया गया है। आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत बने इस संग्रहालय का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था।

प्रधानमंत्री संग्रहालय में लोग देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के साथ ही अब तक के सभी प्रधानमंत्रियों के भाषण भी सुन सकते हैं। इसके लिए संस्कृति मंत्रालय ने प्रसार भारती से सभी प्रधानमंत्रियों के भाषणों की रिकॉर्डिंग खरीद कर यहां उपलब्ध कराई है। अब तक के प्रधानमंत्रियों ने चाहे देश में भाषण दिया हो या विदेश में, उनके भाषणों के सभी संकलन यहां सुने जा सकेंगे। हम आपको बता दें कि इस संग्रहालय में देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के अलावा देश के कार्यकारी प्रधानमंत्री रहे गुलजार लाल नंदा, लाल बहादुर शास्त्री, इंदिरा गांधी, मोरारजी देसाई, चरण सिंह, राजीव गांधी, वीपी सिंह, चंद्रशेखर, पीवी नरसिंह राव, अटल बिहारी वाजपेयी, एचडी देवगौड़ा, इंद्रकुमार गुजराल, मनमोहन सिंह और वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण सुने जा सकते हैं।

यही नहीं, प्रधानमंत्री संग्रहालय में देश के प्रत्येक प्रधानमंत्री को समर्पित एक विस्तृत गैलरी है जिसमें उनके कार्यकाल की उपलब्धियां, उनके कार्यकाल में हुए करार, उनके विदेशी दौरे तथा उनके जीवन से जुड़ी बड़ी बातें होंगी। प्रधानमंत्री संग्रहालय में प्रवेश शुल्क देकर प्रवेश किया जा सकता है। प्रवेश शुल्क बहुत ज्यादा नहीं है और खासकर विद्यार्थियों के लिए तो कोई प्रवेश शुल्क ही नहीं है। तो फिर देर किस बात की। प्रधानमंत्री कार्यालय की सैर कीजिये और मोटी-मोटी पुस्तकों से सभी प्रधानमंत्रियों को जानने समझने की बजाय यहां कुछ समय बिताकर सारा ज्ञान हासिल कर लीजिये।